badhtikalam@gmail.com | Badhti kalam | 09887454960

भारत व राजस्थान सरकार के विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

www.badhtikalam.com

बिना फेवर, तीखे तेवर

बढ़ती कलम

सवाईमाधोपुर व करौली जिले में प्रसारित

वर्षः 13 अंकः 3 | गंगापुरसिटी. बुधवार 15 दिसम्बर, 2021 | कुल पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

दिन में बढ़ी ठिठुरन

आसमान में धुंध और बादल छाए, उत्तरी राजस्थान में पारा गिरा; जयपुर समेत अन्य शहरों में बढ़ोतरी

जयपुर (कासं)। उत्तर भारत में आए पश्चिमी विक्षोभ का असर मंगलवार को राजस्थान में देखने को मिला। जयपुर समेत कई शहरों में तापमान में उतार-चढ़ाव रहा। आसमान में हल्की धुंध, बादल छाए रहे। भले ही कई शहरों में तापमान में बढ़ोतरी हुई हो, लेकिन सोमवार से लगातार चल रही सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी। राज्य में आज सबसे कम तापमान फतेहपुर में 2.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार, आज गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर जिले समेत उत्तरी राजस्थान के शहरों में तापमान में गिरावट हुई। जयपुर, कोटा संभाग समेत मध्य व दक्षिण राजस्थान के शहरों में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई। मौसम विभाग की माने तो 15 दिसंबर बाद जब पश्चिमी विक्षोभ चला जाएगा तो उत्तरी भारत से और ज्यादा ठंडी हवा मैदानी इलाके में आएगी। इससे राजस्थान के कई शहरों में न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट होगी। दिन में भी सर्दी का असर बढ़ गया। दिन में आसमान में बादल छाने और धुंध रहने के कारण अधिकांश शहरों का अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने लगा है।

सीकर में 6 डिग्री सेल्सियस तक तापमान में बढ़ोतरी-जयपुर, सीकर, भीलवाड़ा समेत कई शहरों में सोमवार के मुकाबले मंगलवार को न्यूनतम तापमान 1 से 6 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा है। सीकर में सोमवार को न्यूनतम तापमान 5.6 था, जो आज बढ़कर 11.5 पर पहुंच गया। इसी तरह, भीलवाड़ा में पिछले 24 घंटे के दौरान न्यूनतम तापमान 8.2 से बढ़कर 11.4 पर पहुंच गया। इसी तरह, जयपुर में 2.7 डिग्री, सवाई माधोपुर में 4.2, बारां में 4 और चित्तौड़गढ़ में न्यूनतम तापमान में 2.4 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई। इसके विपरित बीकानेर में न्यूनतम तापमान में 3, हनुमानगढ़ में 1.6 और गंगानगर, फलौदी में एक-एक डिग्री सेल्सियस तापमान गिरा है।

राजस्थान के शहरों में आज का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
हनुमानगढ़	22.1	4.4
चूरू	21.5	5.2
बीकानेर	24.2	5.5
नागौर	23.5	6.5
गंगानगर	23.8	6.6
फलौदी	26	7.2
पिलानी	22.2	7.5
अलवर	21.5	7.8
जैसलमेर	24.3	8.6
सिरोही	27.7	8.9
उदयपुर	23.4	10.6
अजमेर	24.4	11
भीलवाड़ा	22.1	11.4
सीकर	23.5	11.5
चित्तौड़गढ़	22.6	11.5
बाड़मेर	27	11.5
जालौर	27.7	11.1
जोधपुर	26.8	12.8
कोटा	23.8	13.5
बूंदी	22.2	13.2
सवाई माधोपुर	24.6	13.4
जयपुर	22.8	14.5

सिंघु बॉर्डर आज से खुलेगा हल्के वाहनों के लिए

सोनीपत की तरफ सारे अवरोधक हटाए गए, भारी वाहनों के गुजरने पर अभी पाबंदी रहेगी

गुरूग्राम (एजेंसी)। सोनीपत किसान आंदोलन के कारण एक साल से बंद सिंघु बॉर्डर को बुधवार को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। इस मार्ग से अभी हल्के वाहनों को ही गुजरने की इजाजत होगी। भारी वाहन अभी भी वैकल्पिक मार्गों से ही दिल्ली जाएंगे।सोनीपत के जिलाधिकारी ललित सिवाच ने मंगलवार शाम नेशनल हाईवे-44 पर कुंडली-सिंघु बॉर्डर पर पहुंच रोड खोलने के कार्यों का निरीक्षण किया। DC लगातार दो दिन से वहां जा रहे हैं। सोनीपत के हिस्से को तो सोमवार को साफकर दिया गया था। दिल्ली की तरफ से काम बाकी था, जिसे मंगलवार को वाहन गुजरने लायक बनाया गया। दिल्ली का रास्ता अभी पूरी तरह से साफनहीं हुआ है। DC ललित सिवाच ने कहा कि जिला प्रशासन ने कुंडली-सिंघु बॉर्डर पर हरियाणा की सीमा में सड़क से सभी अवरोधक हटा दिए हैं। सड़क पर 95 प्रतिशत गड्ढों को भर दिया गया है। शेष 5 प्रतिशत गड्ढों को भरवा दिया जाएगा। डीसी ने आशा व्यक्त की कि बुधवार 15 दिसंबर सुबह से कुंडली-सिंघु बॉर्डर पर यातायात सुचारु ढंग से शुरू हो जाएगा। उन्होंने पुलिस अधीक्षक राहुल शर्मा तथा जिला प्रशासन के उच्चाधिकारियों के साथ बॉर्डर का दौरा किया। यातायात को शुरू करने के लिए किए जा रहे प्रबंधों की मौके पर समीक्षा की।उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने ह्लत्र्ञ एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आदि की हिदायतों को ध्यान में रखते हुए कार्य किया है। यातायात पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि इस मार्ग पर यातायात शुरू करते समय केवल छोटे वाहनों को ही आवागमन की अनुमति दी जाए। भारी वाहन अभी पहले की तरह वैकल्पिक मार्गों से गुजारे जाएंगे।

भारत-पाक सीमा के नजदीक सुरक्षा बढ़ाई

रात को बॉर्डर के 5 किलोमीटर एरिया में किसी के भी आने पर कलेक्टर ने रोक लगाई

जैसलमेर (कासं)। जैसलमेर जिले से लगती भारत-पाकिस्तान सीमा के 5 किलोमीटर एरिया के आस-पास रहने वाले निवासी अब रात को बाहर नहीं घूम सकेंगे। कलेक्टर आशीष मोदी ने कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर 1973 की धारा 144 के तहत भारत-पाक सीमा के पास लगते हुए 5 किलोमीटर सीमा क्षेत्र में कुछ प्रतिबंध लागू कर दिए हैं। कलेक्टर के आदेश के अनुसार भारत-पाक सीमा क्षेत्र के पास रहने वाले निवासी और दूसरे कोई भी लोग रात को विचरण नहीं करेंगे। 5 किलोमीटर के इलाके में एंट्री और वहां घूमने के लिए परमिशन लेनी होगी। बिना परमिशन के 6 फरवरी 2022 तक शाम 6 बजे से सुबह 7 बजे तक प्रतिबंध लगा दिया है।

घुसपैठ और तस्करी पर रोकथाम के लिए लगाई रोक-आदेश के अनुसार जैसलमेर जिले से लगने वाली भारत-पाक सीमा पर तस्करी, घुसपैठियों तथा असामाजिक तत्वों के अवैध प्रवेश पर रोक लगाने के लिए 3 महीने की रोक लगाई गई है। इसके अलावा कोई भी अवांछनीय गतिविधियों को देखते हुए रोक लगाई गई है। मोदी ने बताया कि जिले में रहने वाले सीमा के निवासियों के जन-जीवन और शांति आदि के लिए ये कदम उठाया गया है। कलेक्टर मोदी द्वारा जारी आदेश के अनुसार जैसलमेर व पोकरण तहसील के गांव किशनगढ़, तनोट, साधोवाला, घोटारू, लोंगेवाला, गणेशिया, लंगतला, रतडाऊ, लीलोई, कारटा, खारिया, शेखर, कोठ, जामराऊ, खुईयाला उर्फ खुडजनवाली, जाजीया, खारा मूंगर, सोम, रोहिडोवाला, लोहार, आसूदा, धोरोई, बिछड़ा, मिठड़ाऊ, किरडवाली, जियाऊ, केरला, बगनाऊ, बसना, बिरयारी, मीठीखुई, भुग, मुरार, धनाना, लूणार, पोछिणा, करड़ा, गोधूवाला, भूटोवाला, अकनवाली, दातावानी, झालरिया, नीचूवाली, बुईली (सरकारी), बाहला, भारेवाला, दादुड़ावाला, मोहरोवाला, मालासर, म्याजलार, रायचन्दवाला तथा कुरिया बेरी आदि इलाकों में यह प्रतिबन्ध लागू रहेगा।

राज्य कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की बैठक आज

सरकार के 3 साल पर नई घोषणाओं की तैयारी, पीसीसी में मंत्री शुरू करेंगे जनसुनवाई

जयपुर (कासं)। राज्य कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की बैठक कल मुख्यमंत्री निवास पर होगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की बैठक बुधवार को बुलाई है। सुबह 11:30 बजे कैबिनेट की बैठक और उसके बाद 12:15 बजे मंत्रिपरिषद की बैठक रखी गई है। बैठक के लिए ऑफिशियल कार्य सूची जारी नहीं हुई है। इस बैठक में सरकार के 3 साल का कार्यकाल पूरा होने पर कुछ नई घोषणाएं की जा सकती हैं। संविदाकर्मियों को नियमित करने की मांग, शिक्षा विभाग में तबादला नीति, किसानों और बेरोज़गार युवाओं को लेकर भी फैसले किए जाने की संभावना है। बैठक में प्रशासन शहरों और गांवों के संग अभियान के प्रोग्रेस पर चर्चा कर कुछ छूट देने पर भी सरकार फैसला कर सकती है ।

प्रदेश कांग्रेस में जनसुनवाई की शुरूआत करेंगे मंत्री-कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद कल से ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी में मंत्रियों की जनसुनवाई भी शुरू होने जा रही है। पीसीसी में दोपहर 2 बजे होने वाली जनसुनवाई में शिक्षा मंत्री डॉ बीडी कल्ला, श्रम मंत्री सुखराम विश्नोई कांग्रेस नेता,कार्यकर्ता और आम लोगों की समस्याएं सुनेंगे। साथ ही समस्याओं के समाधान के लिए एप्लीकेशंस को विभाग के अफसरों को एक्शन के लिए भेजा जाएगा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष हरिमोहन शर्मा और सचिव देशराज मीणा को भी मंत्रियों के साथ जनसुनवाई में पार्टी की ओर से मदद के लिए बैठाया जाएगा।

शहीद कुलदीप के परिवार को एक करोड़ देगी गहलोत सरकार

परिवार के लिए घोषित की गई सहायता कारगिल पैकेज की तरह

जयपुर (कासं)। सीडीएस बिपिन रावत के साथ हेलिकॉप्टर हादसे में शहीद हुए स्क्वॉड्रन लीडर कुलदीप सिंह के परिवार को राजस्थान सरकार एक करोड़ की सहायता देगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसकी घोषणा की है। इसके लिए जल्द आदेश जारी किए जा रहे हैं। स्क्वॉड्रन लीडर कुलदीप सिंह सीडीएस बिपिन रावत के हेलिकॉप्टर के को-पायलट थे। शहीद कुलदीप सिंह के परिवार के लिए घोषित की गई सहायता कारगिल पैकेज की तरह ही है। मिलिट्री या पैरामिलिट्री ऑपरेशन में शहीद सैनिकों के परिजनों को करगिल पैकेज के अनुसार सहायता राशि और पैकेज दिया जाता है। झुंझुनू जिले के घरड़ाना खुर्द गांव के रहने वाले शहीद कुलदीप सिंह की बहन भी कोस्ट गार्ड में हैं। उनके पिता नेवी में रहे हैं।

प्रदेश में कोरोना के 24 नए केस

जयपुर, उदयपुर समेत 12 जिलों में मिले मरीज, एक्टिव केसों की संख्या 270 पर पहुंची

जयपुर (कासं)। राजस्थान में आज कोरोना के 24 नए केस मिले हैं। सबसे ज्यादा जयपुर, उदयपुर में 4-4 मरीज मिले। इन दो जिलों के अलावा 10 अन्य जिलों में भी आज कोरोना के पॉजिटिव केस आए। वहीं, प्रदेश में आज कुल 13 मरीज रिकवर हुए हैं। कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या बढ़कर 270 पर पहुंच गई। राजस्थान में दिसंबर में कोरोना की स्थिति देखें तो पिछले 14 दिन के अंदर अब तक 342 मरीज मिल चुके हैं, जबकि 3 लोगों की जान इस महीने में जा चुकी है। पिछले महीने नवंबर में 30 दिन के अंदर कुल 365 केस आए थे।

जयपुर में JEN डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते ट्रेप

प्रोपर्टी वेल्यू कम करने की एवज में मांगी थी 5 लाख की रिश्वत, पहली किश्त लेते वक्त एसीबी ने पकड़ा, दूसरा जेईएन फरार

जयपुर (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने जयपुर में एक जूनियर इंजीनियर (जेईएन) को डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। एसीबी ने ट्रेप की कार्रवाई मालवीय नगर स्थित इनकम टैक्स कॉलोनी में मंगलवार देर शाम को की गई। वहीं, मामले में नामजद दूसरा जेईएन फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। ये दोनों जेईएन सीपीडब्ल्यूडी विभाग में है, जो कि डेपुटेशन पर इनकम टैक्स विभाग में आए है। इन्होंने पांच लाख रुपए की रिश्वत की मांग की थी।

उदयपुर में बैठकर अमेरिका में ठगी

बिटकॉइन में करते वसूली ऑनलाइन शॉपिंग ऑर्डर पेंडिंग होने का झांसा देकर धमकाते- कोर्ट केस कर देंगे; 11 गिरफ्तार

उदयपुर (कासं)। उदयपुर पुलिस ने एक कॉम्प्लेक्स में चल रहे कॉल सेंटर पर छापा मारकर 3 युवतियों सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया। कॉल सेंटर में इंटरनेट कालिंग की मदद से अमेरिकी नागरिकों को डरा-धमकाकर ठगा जा रहा था। राजस्थान के आबू रोड निवासी एक युवक को छोड़कर बाकी सब आरोपी मुंबई के रहने वाले हैं। जो सभी 14-15 हजार में उदयपुर में जॉब करते थे। ये सभी युवक-युवतियां मुंबई में बैठे मास्टरमाइंड के भेजे गए नम्बर पर मैसेज और कॉल कर लोगों को डरा-धमकाकर वसूली कर रहे थे।

देर रात सड़क पर घूमते देख हुआ शक-गोवर्धन विलास थानाधिकारी चैलसिंह ने बताया कि देर रात वे गश्त पर थे। अम्बर कॉम्प्लेक्स के बाहर कुछ युवक-युवती घूमते नजर आए। पुलिस ने उन पर निगरानी रखकर कॉम्प्लेक्स में जाकर चैक किया तो एक हॉल में कॉल सेंटर चल रहा था। कंप्यूटर चालू कर सभी लोग फोन पर बात कर रहे थे। पूछताछ में सामने आया कि सभी लोग 14-15 हजार प्रति माह की सेलेरी में इस कॉल सेंटर में जॉब करते है। मुंबई निवासी मास्टर माइंड जीवन वानखेड़े के इशारे पर आबूरोड निवासी तरुण मिश्रा ये कॉल सेंटर चला रहा था। जीवन रोजाना अमेरिकी नागरिकों का डाटा भेजता और उसके बाद ये युवक-युवतियां उन्हें मैसेज और कॉल कर डराकर वसूली करते।

अमेरिकी नागरिकों को कोर्ट केस की धमकी दे रहे थे-थानाधिकारी सिंह ने बताया कि पहले आरोपी अमेरिकी नागरिकों को मैसेज और कॉलिंग करते। फिर उन्हें कई ऑनलाइन शॉपिंग साइट का हवाला देकर ऑर्डर पेंडिंग होने की बात कहते।

दो बच्चों को मारकर मां फंदे से लटकी

एक महीने की छुट्टी के बाद ड्यूटी पर गया था कॉन्स्टेबल पति, घर में सिर्फ ससुर थे

चौमूं (कासं)। गोविंदगढ़ में सोमवार देर रात एक मां ने दो बच्चों को फंदे पर लटकाकर उनकी हत्या कर दी। इसके बाद भी खुद भी फंदा लगाकर सुसाइड कर ली। ऋष्ट बटालियन जयपुर में कॉन्स्टेबल पद पर तैनात पति एक महीने की छुट्?टी के बाद सोमवार को ही ड्यूटी पर गया था। पुलिस के अनुसार हत्या की वजह पारिवारिक झगड़ा बताई जा रही है। गोविंदगढ़ पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाए हैं। तीनों शवों को हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है। गोविंदगढ़ सीओ संदीप सारस्वत ने बताया कि ऋष्ट बटालियन जयपुर में तैनात रविंद्र सेठी का परिवार सिंगोद खुर्द गांव में रहता है। परिवार में उसके पिता, पत्नी मनीषा सेठी (32), बेटी नम्रता (10) और डेढ़ साल का बेटा काव्यांश है। जवान रविंद्र सेठी एक महीने की छुट्टी लेकर अपने घर आया था। छुट्टी खत्म होने पर सोमवार दोपहर करीब 2 बजे वह अपनी ड्यूटी पर लौट गया। रात करीब 10 बजे दोनों बच्चों को लेकर मां मनीषा कमरे में सोने चली गई। देर रात दोनों बच्चों को फंदे से लटकाकर मार दिया। उसके बाद उसने भी फंदे लगाकर सुसाइड कर लिया।

सांसदों के निलंबन पर विपक्ष का मार्च

राहुल ने काले कपड़े पहन कर विरोध जताया, कहा- संसद में बोलने नहीं दिया जा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा के 12 सांसदों के निलंबन के मसले पर विपक्षी नेताओं ने आज संसद में गांधी प्रतिमा से विजय चौक तक मार्च निकाला। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी विरोध के तौर पर काले कपड़े पहनकर शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सरकार विपक्ष को सवाल उठाने नहीं दे रही है। सांसद करीब 2 हफ्ते से निलंबित हैं। वो लगातार धरने पर बैठे हैं। उनकी बात नहीं सुनी जा रही है। विपक्ष की आवाज दबाई जा रही है। राहुल ने कहा, विपक्षी सांसदों के निलंबन को 14 दिन हो गए हैं। जिन मुद्दों पर सदन में विपक्ष बहस करना चाहती है, उन पर हमें बहस नहीं करने दी जाती। जहां विपक्ष आवाज उठाने की कोशिश की जाती है, उन्हें निलंबित कर दिया जाता है।

रणनीतिक महत्व... सुप्रीम कोर्ट ने चारधाम रोड प्रोजेक्ट के तहत दो लेन की सड़क बनाने को मंजूरी दे दी है।

चारधाम प्रोजेक्ट को हरी झंडीः सुप्रीम कोर्ट ने दो लेन की सड़क बनाने की मंजूरी दी, चीन सीमा तक सेना की पहुंच आसान होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने चारधाम रोड प्रोजेक्ट के तहत दो लेन की सड़क बनाने को मंजूरी दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सेनाओं के लिए इसके रणनीतिक महत्व को देखते हुए डबल लेन का रोड बनाने को स्वीकृति दी है। अदालत सरकार के इस तर्क से सहमत हुआ कि इस इलाके में सड़कें सामरिक महत्व रखती हैं। कोर्ट ने कहा कि सीमा सुरक्षा चिंताओं पर ध्यान देने जरूरत है। हाल के दिनों में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां देखी गई हैं। ऐसे में सैनिकों और हथियारों की आवाजाही आसान होनी चाहिए।कोर्ट ने अपने 8 सिंतबर 2020 के आदेश को संशोधित करते हुए प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। स्ष्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस एके सीकरी के नेतृत्व में समिति का भी गठन किया, जो यह सुनिश्चित करेगी कि पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर सभी जरूरी उपाय किए जाएं। साथ ही कमेटी की ओर से जो सिफारिशें दी जाएं, उनका पालन हो। इस निगरानी समिति को रक्षा मंत्रालय, सड़क परिवहन मंत्रालय, उत्तराखंड सरकार और सभी जिलाधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा।

सरकार ने कहा- आपदा को रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए-प्रोजेक्ट के कारण हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन की चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार की ओर से जवाब दिया गया। सरकार ने कहा कि आपदाओं को रोकने की कोशिशें के तहत सभी जरूरी कदम उठाए गए हैं। देश के अलग-अलग इलाकों में भूस्खलन हुआ है और इसके लिए केवल सड़क निर्माण जिम्मेदार नहीं है।

सैनिकों की सहूलियत के लिए सड़क का बनना जरूरी-कुछ दिनों पहले केंद्र ने अदालत में एक सीलबंद लिफाफा दायर किया था। इसमें चीन की तरफ से किए गए कंस्ट्रक्शन की तस्वीरें थीं। सरकार की तरफ से अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने कहा- चीन की तरफसे हवाई पट्टी, हेलीपैड, टैंकों, सैनिकों के लिए बिल्डिंग्स और रेलवे लाइनों का निर्माण किया जा रहा है। टैंक, रॉकेट लांचर और तोप ले जाने वाले ट्रकों को इन सड़कों से गुजरना पड़ सकता है, इसलिए सड़क की चौड़ाई 10 मीटर की जानी चाहिए।1962 के भारत-चीन युद्ध के बारे में अदालत को याद दिलाते हुए वेणुगोपाल ने कहा था कि अदालत यह जानती है कि 1962 में क्या हुआ था। हमें सशस्त्र बलों को स्थिति पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

सम्पादकीय

सैन्य विमानों का क्रैश होना चिंताजनक

आज के इस आधुनिक और तकनीकी युग में भी भारत में सैन्य विमानों के क्रैश होने का सिलसिला नहीं थम रहा हैभारतीय सैन्य इतिहास के पहले चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत का हेलीकाप्टर हादसे में निधन कई सारे सवाल खड़े करती है। मसलन रूस द्वारा निर्मित एमआइ सीरीज का इतना आधुनिक हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त कैसे हो गया देखा जाए तो भारतीय सेना में विमान क्रैश की घटनाएं बड़े पैमाने पर हो रही हैं। 1948 से 2021 के बीच सेना के 1751 विमान और हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। यानी इस हिसाब से हर वर्ष औसतन 24 और हर महीने सेना के दो विमान दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। अगर बात सिर्फ 1994 से 2014 के बीच की करें तो इस दौरान भारतीय सेना के 394 विमान और हेलीकाप्टर क्रैश हुए हैं। यानी इस दौरान हर साल औसतन 20 विमान दुर्घटना का शिकार हो गए।आज के इस आधुनिक और तकनीकी युग में भी भारत में विमानों के क्रैश होने का सिलसिला नहीं थम रहा है। जबकि दूसरे देशों में ऐसे कम उदाहरण हैं। भारत, रूस और चीन तीनों देश सुखोई लड़ाकू विमान का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन भारत में 2009 से 2015 के बीच छह सुखोई लड़ाकू विमान क्रैश हुए। जबकि इसी अवधि में रूस और चीन में इस विमान के क्रैश होने की एक-दो ही घटनाएं सामने आई। भारत में प्रतिदिन चार से पांच हजार यात्री विमान उड़ान भरते हैं। जबकि एक अनुमान के मुताबिक सेना में प्रतिदिन ट्रेनिंग और दूसरे कामों के लिए केवल 200 विमान ही उड़ान भरते हैं। इसके बावजूद यात्री विमानों की तुलना में सेना के विमान ज्यादा क्रैश होते हैं। वर्ष 1945 से 2021 के बीच 95 यात्री विमान क्रैश हुए हैं। मिग विमानों को अक्सर उनके खराब सुरक्षा रिकार्ड के कारण उड़ता हुआ ताबूत कहा जाता है। लगभग 20 साल पहले मिग 21 को हटाने का प्रस्ताव दे दिया गया था, लेकिन इसकी जगह लेने वाले विमानों के अभाव के कारण ऐसा नहीं हो सका है। ऐसा माना जा रहा है जब 2023 या 2024 तक बड़ी संख्या में तेजस विमान वायुसेना में शामिल होने लगेंगे तब इन्हें हटाना शुरू किया जाएगा। भारत में इस समय मिग 21 बाइसन का प्रयोग किया जाता है, जो कि मिग 21 का अपडेट वर्जन है। मिग 21 विमान पुरानी तकनीक पर आधारित हैं और लैंडिंग के समय इनकी स्पीड ज्यादा होती है। पुराने और एडवांस वर्जन में बहुत अधिक सुधार नहीं हुआ है। किसी भी देश में जब कोई यात्री विमान क्रैश होता है तो उसमें तकनीकी खामियों की तुरंत जांच होती है और कई मामलों में जांच होने तक उस सीरीज के यात्री विमान के इस्तेमाल पर बैन भी लगा दिया जाता है। जैसे वर्ष 2018 में बोइंग 737 मैक्स सीरीज के दो यात्री विमान क्रैश हो गए थे, जिसके बाद भारत समेत ज्यादातर देशों ने इनके इस्तेमाल पर बैन लगा दिया था। लगभग 1.5 साल तक ये विमान रनवे पर खड़े रहे थे, लेकिन सेना में इस प्रक्रिया को नहीं अपनाया जाता।

भारत में जितनी घटनाएं लड़ाकू विमानों के क्रैश होने की हुई हैं उतनी कहीं नहीं हुईं। हाल ही में जो हेलीकाप्टर क्रैश हुआ उसने भी कई सवाल खड़े किए हैं। भारत में सुखोई दुर्घटनाओं की भी गनती दूसरे देशों से अधिक है।

आईआईटी से खुशखबरी

देश के आईआईटी संस्थानों से इस बार प्लेसमेंट को लेकर अच्छी खबर आ रही है। महामारी और लॉकडाउन के चलते इंडस्ट्री को मंदी की जो मार झेलनी पड़ी, उसका सीधा असर पिछले साल इन संस्थानों से होने वाले प्लेसमेंट पर दिखा था। मगर इस बार सूरत पूरी तरह से बदली हुई है। प्लेसमेंट के पहले हफ्ते में ही कई रेकॉर्ड टूट चुके हैं। कई संस्थानों में हजार ऑफरों की संख्या पांचवें-छठे दिन ही पार कर गई। कई आईआईटी में 50 के आसपास स्टूडेंट्स एक करोड़ से ऊपर का पैकेज पाने में सफल रहे। आईआईटी दिल्ली में तो यह संख्या 60 पहुंच गई है। वह भी केवल इंटरनैशनल रोल के लिए नहीं, डोमेस्टिक रोल के लिए भी। ध्यान रहे, इंटरनैशनल रोल के लिए एक करोड़ से ऊपर के पैकेज पहले भी मिलते रहे हैं, लेकिन घरेलू भूमिका के लिए ऐसा पैकेज पहली बार मिला है। खास बात यह है कि प्लेसमेंट की स्थिति इस साल न केवल पिछले साल के मुकाबले बल्कि पूर्व महामारी यानी 2019 में देखी गई स्थिति से भी बेहतर है। कई मामलों में इसने अब तक के सारे रेकॉर्ड तोड़ दिए हैं। उदाहरण के लिए आईआईटी बॉम्बे में इस बार ग्रैजुएशन बैच ने पहले छह दिनों में ही 1200 जॉब ऑफर पाए, जो अपने आप में एक रेकॉर्ड है। अन्य संस्थान भी पीछे नहीं हैं। आईआईटी रुड़की में इस बैच को अब तक मिले जॉब ऑफर की संख्या 1,171 है, जो पिछले साल दिसंबर में दर्ज किए गए जॉब ऑफर से लगभग दोगुना है। अब तक के ट्रेंड को देखते हुए जानकारों का कहना है कि प्लेसमेंट प्रक्रिया पूरी होने तक इस साल मिलने वाली नौकरियां पिछले कई वर्षों के मुकाबले ज्यादा होंगी। बेस्ट पैकेज के आंकड़ों से थोड़ा हटकर देखें तो एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि कई इंडिया बेस्ड स्टार्टअप्स और कंपनियां टॉप रिक्रूटर के रूप में उभरी हैं। महामारी शुरू होने के बाद से ही तरह-तरह के निराशाजनक हालात से जूझते यूथ के लिए ये खबरें संजीवनी का काम कर सकती हैं। बेशक यह केवल आईआईटी संस्थानों के प्लेसमेंट से जुड़ी खबरें हैं, जहां तक यूथ की बहुत छोटी सी संख्या पहुंचती है, लेकिन फिर भी यह इंडस्ट्री के बदलते ट्रेंड का संकेत दे रही हैं। हालांकि कई देशों में कोरोना के नए सिरे से बढ़ते मामले और खासकर इसके नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के बढ़ते केस चिंता का कारण बने हुए हैं, लेकिन फिर भी ऐसा लगता है कि हम इस खतरे के साथ जीना सीख रहे हैं। इसलिए अगर हालात हद से ज्यादा नहीं बिगड़े तो उम्मीद यही है कि इंडस्ट्री का यह ट्रेंड जारी रहेगा। इस लिहाज से आईआईटी संस्थानों के जरिए आई पॉजिटिविटी की यह लहर युवाओं में उत्साह का संचार करते हुए मौजूदा माहौल में एक नए दौर का प्रस्थान बिंदु साबित हो सकती है।

और रसमय बनेगा बनारस

काशी विश्वनाथः इसके बिना अधूरी है कोई भी यात्रा, ये मुक्ति धाम भी है और विमुक्त क्षेत्र भी

सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री काशी विश्वनाथ धाम के नव्य एवं दिव्य स्वरूप का लोकार्पण किया। इससे पूरे देश का ध्यान इस प्राचीन नगरी की ओर लगना स्वाभाविक है। ऐसी ही संभावित उत्सुकता को शांत करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान शिव की नगरी काशी और महादेव की महिमा का बखूबी बखान भी किया। वस्तुतः अर्ध चंद्राकार उत्तरवाहिनी गंगा के तट पर बसी काशी या 'बनारस' को सारी दुनिया से न्यारी नगरी कहा गया है। काल के साथ अठखेलियां करता यह नगर धर्म, शिक्षा, संगीत, साहित्य और कृषि सहित संस्कृति एवं सभ्यता के हर पक्ष में अपनी पहचान रखता है। काशी का शाब्दिक अर्थ प्रकाशित करने वाला होता है। शास्त्र और लोक, परंपरा और आधुनिकता को साथ-साथ अभिव्यक्त करते हुए यहां नए और पुराने, अमीर और गरीब, प्राच्य विद्या और आधुनिक विज्ञान-प्रौद्योगिकी, युवा और वृद्ध, हवेली और अट्टालिका, प्राचीन मंदिर और नए माल तथा संकरी गलियां और प्रशस्त राजपथ दोनों जीवनधाराओं की अभिव्यक्ति मूर्तिमान है। काशी विश्वनाथ, मां गंगा, संकट मोचन, मां दुर्गा, काल भैरव और मां अन्नपूर्णा समेत जाने कितने देवी-देवताओं की उपस्थिति आस्था और विश्वास के माध्यम से लोक और लोकोत्तर के विलक्षण ताने-बाने को बुनते हुए इस नगर को सबसे न्यारा बना देती है।

काशी को हरिहर धाम भी कहते हैं और आनंद कानन भी। यह मुक्ति धाम भी है और विमुक्त क्षेत्र भी। 'बनारसी' एक खास तरह की जीवनदृष्टि और स्वभाव को इंगित करने वाला विशेषण बन चुका है, जो भारत की बहुलता और जटिलता को रूपायित करता है। यहां बहुलता के बीच प्रवहमान एकता की अंतर्धारा भी जीवंत रूप में उपस्थित होती है। पूरे भारत के लोग स्नेह के साथ इसकी प्रीति की डोर में बंधकर खिंचे चले आते हैं। इस नगर में नेपाली, बंगाली, दक्षिण भारतीय, गुजराती तथा मराठी आदि अनेक समुदायों के लोग बसे हुए हैं। भारत ही क्यों पूरे विश्व में ज्ञान और मोक्ष की नगरी 'काशी' को लेकर उत्सुकता दिखती है। आज भी अक्सर जब भी कोई विदेशी भारत पहुंचता है तो काशी का स्पर्श किए बिना उसे अपनी यात्रा अधूरी लगती है। पूरा बनारस एक जीवंत प्राणी जैसा है और यहां के लोग और विभिन्न स्थल उस प्राणी के ही अवयव से हैं।

पीएम मोदी ने काशी को लेकर जो सपना देखा था वो अब साकार हो गया है। काशी भारत का अदभुत शहर है। यहां पर कुछ भी भगवान भोले नाथ की आज्ञा से ही होता है। ये नगरी मुक्ति धाम है।

काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग की महिमा अपरंपार है। उनके दर्शन की लालसा लिए हर कोने से शिव के आराधक पहुंचते हैं। अब उसके भव्य परिसर के निर्माण के साथ इस पुण्य स्थल की गरिमा और बढ़ेगी तो सांस्कृतिक एकता के सूत्र को भी बल मिलेगा। गंगा के किनारे-किनारे बने अस्सी, दशाश्वमेध, मणिकर्णिका, हरिश्चंद्र और तुलसी आदि घाट देवताओं, राजाओं, संत-महात्माओं का स्मरण दिलाते हैं।

शहर में विभिन्न क्षेत्रों में आपको कुंड, बाग, महाल, खंड, गली, टोला, डीह, चौरा, गंज, बीर, नगर, कोठी, पुर, सट्टी, सड़क आदि नाम के स्थान मिलेंगे और सबका अलग-अलग इतिहास है। लहुराबीर, भोजूबीर, जोगिआबीर, लौटूबीर, गोदौलिया, संकट मोचन, लंका, मैदागिन, चेत गंज, नाटी इमली, चौखंभा, नेपाली खपड़ा, सिगरा और मछोदरी आदि समाज के नायकों, देव स्थानों, घटनाओं और उत्सव-पर्व के सांस्कृतिक आयोजनों से जुड़े हैं। काशी में प्रातःकाल और संध्या दोनों ही रमणीय होते हैं। मेले, रामलीला, नवरात्रि, स्नान, दशहरा, रथयात्र, गंगा दशहरा आदि अनेक उत्सव साल भर होते ही रहते हैं। काशी एक जगा हुआ शहर है जिसमें गहमा-गहमी भी है और शांति भी। जीवन की आपाधापी के बाद एक स्निग्ध विश्रांति यहां की पहचान है। बनारसीपन में एक स्वस्थ अक्खड़पन है, जो एक खास तरह की उन्मुक्तता और सहजता में विश्वास करता है। काशी का सनातन धर्म से गहन रिश्ता है, जो अनंत जीवन सत्य को अंगीकार करता है। भारत की अपनी बौद्धिक परंपरा की व्यापकता सृष्टि में निरंतरता और विभिन्न तत्वों के बीच अनुपूरकता को व्यक्त करती है। इसका स्वरूप काशी में आज भी परिलक्षित होता है। अपने वाराणसीपुरपति विश्वनाथ भी विलक्षण हैं। द्वंद्व ही द्वंद उनमें दिखते हैं। वे निहंग हैं, पर ईश्वर भी हैं। तपस्वी हैं, पर कलावंत नटराज भी हैं। उन्हें चंदन पसंद है, पर चिता-भस्म भी प्रिय है। भांग-धतूरे के साथ पंचामृत का स्वाद भी प्रिय है। कहते हैं कि काशी अद्वैत सिद्धि का शहर है। काशी का उल्लेख पुराणों और जातकों के साथ शतपथ ब्राह्मण में मिलता है। धार्मिक उथल-पुथल के बीच महात्मा बुद्ध का यहां आगमन हुआ था। काशी के निकट सारनाथ में उन्होंने 'धम्म चक्क' का प्रवर्तन किया था। महावीर काशी में ही जन्मे थे। गुप्तकाल में यहां बड़ी उन्नति हुई। इस शहर को एक समृद्ध विरासत प्राप्त है। आज काशी नगरी का बड़ा विस्तार हुआ है। नए-नए उपक्रम शुरू हुए हैं, परंतु काशी का माहात्म्य मां गंगा और भगवान शिव से है। मां गंगा भारतीय संस्कृति की जीवित स्मृति हैं, जो युगों-युगों से भौतिक जीवन को संभालने के साथ आध्यात्मिक जीवन को भी रससिक्त करती आ रही हैं। गंगा भारत की सनातन संस्कृति का अविरल प्रवाह हैं और साक्षी हैं उसकी जीवंतता का। गंगा प्रतीक हैं शुभ्रता का, पवित्रता का, ऊष्मा का, स्वास्थ्य और कल्याण का। गंगा ने राजनीतिक इतिहास के उतार चढ़ाव भी देखे हैं। इसके तट पर तपस्वी, साधु-संत बसते रहे हैं और अध्यात्म की साधना भी होती आ रही है। गंगा के निकट साल भर उत्सवों की झड़ी लगी रहती है। मां गंगा दुख और पीड़ा में सांत्वना देने का काम करती हैं। जीवन और मरण दोनों से जुड़ी हैं। पतित पावनी गंगा मृत्युलोक में जीवनदायिनी हैं। अब स्थिति बदल रही है। गंगा का स्वयं का क्षेम खतरे में है। गंगाविहीन देश भारत कहलाने का अधिकार खो बैठेगा। गंगा के प्रवाह को प्रदूषण मुक्त कर स्वच्छ बनाना राष्ट्रीय कर्तव्य है। गंगा में प्रदूषण के नियंत्रण के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने चाहिए। **-छगन लाल शर्मा**

कोरोना महामारी ने देश में बढ़ाई महंगाई

कोरोना महामारी के दौर में महंगाई की मार को रोकने के लिए जरूरी है सरकारी खर्च पर ध्यान देना

कोविड महामारी से कमजोर हुई अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए जो खर्च बढ़ा उसने महंगाई को गति दी है। अब महंगाई को थामने के लिए कुछ कदम उठाने होंगे। सरकार को खर्च पर लगाम लगानी जरूरी होगी।

कोविड संकट के दौरान आर्थिक गतिविधियों के प्रभावित होने के बाद अब महंगाई की मार पड़ रही है। यह तब है जब आम आदमी की क्रय शक्ति घटी है और बाजार में मांग कम हुई है। अर्थशास्त्र के शास्त्रीय सिद्धांत के अनुसार मांग घटने से तो महंगाई कम होनी चाहिए थी जैसे कि मंडी में खरीदार कम हों तो आलू के दाम गिरने लगते हैं, लेकिन इसका विपरीत हो रहा है। मांग घटने और महंगाई बढ़ने पर है। इसका एक प्रमुख कारण कोविड के समय सरकार का बढ़ा हुआ खर्च दिखता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आइएमएफ की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा है कि सरकारों द्वारा ऋण लेने से महंगाई बढ़ती है। होता यूं है कि सरकार बाजार से ऋण उठाती है जिससे ऋण बाजार में मांग बढ़ती है। इससे ब्याज दर बढ़ती है। ब्याज दर बढ़ने से उद्यम प्रभावित होते हैं, क्योंकि उनके लिए कर्ज अदायगी महंगी हो जाती है। ब्याज दरों को बढ़ने से रोकने के लिए रिजर्व बैंक तरलता बढ़ाता है ताकि बैंकों के पास पर्याप्त नकदी सुनिश्चित हो और ऋण बाजार स्थिर रहे। जैसे यदि पीछे से पानी आ आ रहा हो तो तालाब के पानी को पंप से निकालने के बावजूद उसमें जलस्तर पूर्ववत बना रहता है। इसी प्रकार कोविड के समय सरकार ऋण उठाती गई और रिजर्व बैंक तरलता बढ़ाता रहा। इससे ऋण बाजार तो स्थिर रहा, लेकिन तरलता बढ़ने से बाजार में मुद्रा भी बढ़ गई। बिल्कुल वैसे जैसे तालाब के पानी को पंप से निकालकर बाहर कर दिया जाए तो कुल पानी की मात्र बढ़ जाती है। वहीं जनता को तालाब का जलस्तर पूर्ववत दिखता रहा, लेकिन उसे यह नहीं समझ आया कि पानी की मात्रा बढ़ रही है। कोविड काल में टैक्स वसूली कम हो रही थी, परंतु सरकार ने अपने खर्चों को बढ़ाने के लिए उत्तरोत्तर अधिक ऋण लिए। उन्हें पोषित करने के लिए रिजर्व बैंक ने मुद्रा की तरलता बढ़ाई, जिससे बाजार में नोटों की मात्र बढ़ी। इसी दौरान कतिपय कारणों से उत्पादन में कमी आती गई। फिर ऐसी स्थिति बनी कि नोट अधिक हो गए और सामान कम तो स्वाभाविक है कि इससे महंगाई बढ़ी। निस्संदेह संकट के समय सरकार द्वारा ऋण लेकर खर्च बढ़ाने को श्रेयस्कर माना जाता है, लेकिन यह भी तय है कि आने वाले वक्त में उसका असर पड़ेगा। जैसे कोई व्यक्ति कर्ज लेकर इलाज से स्वस्थ तो हो जाता है, लेकिन इस कारण उस पर आर्थिक बोझ भी बढ़ता है। कमजोर हुई अर्थव्यवस्था ने भी इसी प्रकार खर्च बढ़ाकर जो आर्थिक बोझ बढ़ाया है, उसने महंगाई को रफ्तार दी है। महंगाई बढ़ने का दूसरा कारण पर्यावरण या जलवायु परिवर्तन से जुड़ा है। कुछ दिन पहले बेमौसम बरसात के कारण कई उत्पादक क्षेत्रों में फसल प्रभावित हुई। इससे टमाटर की फसल को क्षति पहुंची। आलू उत्पादन को भी नुकसान हुआ। इससे इन उत्पादों की आपूर्ति तंग हुई, जिसने दाम बढ़ा दिए। महंगाई का तीसरा कारण आम आदमी का सशंकित होना लगता है। कोविड के नए प्रतिरूप ओमिक्रोन वैरिएंट और अन्य संकटों से आम आदमी सशंकित है। लोग खर्च नहीं करना चाहते हैं। वे अपनी बचत को सुरक्षित रखना चाहते हैं, ताकि वह संकट के समय काम आए। इससे भी मांग घटी है। चूंकि कम मात्र में माल उत्पादन में अधिक खर्च आता है तो यह भी दाम बढ़ने का एक कारण है। महंगाई बढ़ने का चौथा कारण कोविड प्रोटोकाल है, जिसके चलते कई उत्पादों एवं सेवाओं की लागत बढ़ गई है। ये चारों कारक केवल भारत पर ही लागू नहीं, बल्कि पूरे विश्व पर हावी हैं, इसीलिए दुनिया भर में इन दिनों महंगाई बढ़ रही है। कई देशों में आयातित माल के दाम में वृद्धि हुई है। कुल मिलाकर कोविड काल में सरकारी अनुत्पादक खर्च, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, लोगों की शंका और कोविड प्रोटोकाल जैसे अल्पकालिक पहलू ही महंगाई बढ़ने के मूल में हैं। इस स्थिति में रिजर्व बैंक ने न्यून ब्याज दरों की नीति अपनाई है। कथित रूप से यह इसलिए किया गया है कि उपभोक्ता और निवेशक के लिए ऋण लेना आसान हो जाएगा। वे ऋण लेकर खपत और उत्पादन बढ़ाएंगे जिससे आर्थिक विकास का सुचक्र पुनः स्थापित हो जाएगा, लेकिन उपभोक्ता आशंकित हैं और खपत के लिए ऋण लेने में रुचि नहीं ले रहे। इसलिए उद्यमी भी ऋण लेकर उद्यम स्थापित करने को तैयार नहीं हैं। इस प्रकार न्यून ब्याज दर से आर्थिक विकास का सुचक्र स्थापित होने के आसार कम ही दिखते हैं। हां, सरकार के लिए पूर्व की तरह उत्तरोत्तर ऋण लेकर अपने खर्चों को पोषित करने की हानिप्रद नीति काफी समय तक चलती रहेगी जो आगे चलकर और अधिक कष्ट देगी। अतः महंगाई नियंत्रण के लिए रिजर्व बैंक से इतर उपायों पर विचार करना चाहिए।कोविड प्रोटोकाल के कारण मूल्य वृद्धि को तो हमें सहन करना ही होगा। उपभोक्ता का भय तभी दूर होगा जब जनता देखेगी कि सरकारी खर्चों में कटौती की जा रही है और आने वाले समय में महंगाई घटेगी। इसके उलट आज सरकार अपनी खपत को निरंतर बढ़ा रही है। इसी कारण देशवासियों को महंगाई के नियंत्रण में आने को लेकर भरोसा नहीं है। इस परिस्थिति में सरकार को सर्वप्रथम अपनी खपत में कटौती करनी होगी। खर्च में कटौती से नोट के तालाब से पानी निकलना कम हो जाएगा। कुल पानी की मात्र कम हो जाएगी। पानी का स्तर स्वतः टिकने लगेगा। महंगाई कम हो जाएगी। वास्तव में अर्थव्यवस्था की कमजोर स्थिति को छिपाने के बजाय इसे स्वीकार कर जनता का सहयोग लेना होगा। दूसरे, सरकार को पर्यावरण पर ध्यान देना होगा। हमारे नियंत्रण में कई ऐसे कार्य हैं, जिनसे हम पर्यावरण संरक्षण में सहयोग कर सकते हैं। जैसे शहरों के कचरे का सही निस्तारण करना, निजी कारों के उपयोग को कम करना ताकि ईंधन का उपयोग कम हो। नदियों को अविरल बहने देना, जिससे मछलियां पानी को साफ रख सकें। थर्मल पावर प्लांट से जहरीली हवाओं के निकलने पर नियंत्रण करना आदि-इत्यादि। जब सरकार और सामुदायिक स्तर पर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जाएंगे तब फसलों पर पड़ने वाली मौसमी मार को कम किया जा सकता है। इससे उनकी बेहतर आपूर्ति संभव होगी, जिससे खाद्य पदार्थों की कीमतें काबू में रखी जा सकती हैं। हमें आयातित माल और पेट्रोल-डीजल पर शोर मचाने के स्थान पर सरकारी खर्च और पर्यावरण पर ध्यान देना होगा तभी महंगाई पर नियंत्रण हो सकेगा। **-रतन सिंह**

बूस्टर डोज जरूरी है

कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन से संक्रमण के मामले देश में चिंताजनक ढंग से बढ़ रहे हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, केरल और चंडीगढ़ में नए केस पाए जाने के बाद सोमवार को भारत में ऐसे मरीजों की संख्या 38 हो गई। कई अन्य देशों में भी इसका फैलाव उतनी ही तेजी से हो रहा है। अब तक 63 देशों में इसके पहुंचने की डब्ल्यूएचओ पुष्टि कर चुका है। दुनिया में फिलहाल कोरोना संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले डेल्टा वेरिएंट के माने जा रहे हैं, जो सबसे पहले भारत में पाया गया था। मगर नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के साथ खास बात यह है कि इसका तेज संक्रमण न केवल दक्षिण अफ्रीकी देशों में देखा गया जहां डेल्टा वेरिएंट प्रमुखता में नहीं है, बल्कि ब्रिटेन जैसे देशों में भी पाया गया, जहां डेल्टा ही प्रमुख वेरिएंट है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ओमिक्रॉन के बारे में अभी जो एक बात यकीन के साथ कही जा सकती है, वह है तेजी से फैलने की इसकी क्षमता। यह वैक्सीन के सुरक्षा कवच को भी आसानी से भेदते हुए आगे बढ़ रहा है। इसके लक्षण अभी माइल्ड बताए जा रहे हैं, लेकिन विशेषज्ञ आगाह करते हैं कि आबादी का जो हिस्सा वैक्सीन के सुरक्षा दायरे से बाहर है, उसके संक्रमित होने पर लक्षण पिछले संक्रमण जितने गंभीर भी हो सकते हैं। इस लिहाज से कोरोना की दूसरी लहर के दौरान मिले सबक याद रखे जाने चाहिए। भारत में तो अब भी आबादी का एक बड़ा हिस्सा टीकाकरण के दायरे के बाहर है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने देश में बच्चों को टीका लगाने का काम अभी शुरू भी नहीं हुआ है। ओमिक्रॉन के बच्चों में भी फैलने को लेकर जानकार खास तौर पर आगाह कर रहे हैं। जूलियट के मुताबिक, दक्षिण अफ्रीका में जो देखा गया है, वही अब दुनिया के बाकी हिस्सों में देखने को मिल रहा है। मुझे लगता है कि भारत में वेरिएंट काफी तेजी से फैलेगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि पहले संक्रमित हुए और वैक्सीनेटेड लोगों में यह कमजोर होगा। हालांकि बिना किसी तरह की इम्युनिटी वाले लोगों को ओमीक्रोन पहले के वेरिएंट्स की तरह बीमारी दे सकता है। जूलियट के अनुसार, यूके में इस बात के शुरुआती सबूत मिले हैं कि mRNA वैक्सीन (फाइजर) के बूस्टर्स से इस वेरिएंट के प्रति थोड़ी सुरक्षा मिलती है।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं, जिसके बाद उनका उपचार किया जा रहा है। उनमें संक्रमण के हल्के लक्षण हैं। उनके कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति रामफोसा ऐसे दिन संक्रमित पाए गए हैं, जब देश में संक्रमण के रेकॉर्ड 37,875 नए मामले सामने आए हैं, जबकि एक दिन पहले मामलों की संख्या 17,154 थी। मंत्री मोंडली गुंगुबेले ने एक बयान में कहा कि दिन में पूर्व उप राष्ट्रपति एफडब्ल्यू डे क्लार्क के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम से बाहर निकलने के बाद राष्ट्रपति रामफोसा अस्वस्थ महसूस करने लगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ठीक हैं और दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रीय रक्षा बल का दक्षिण अफ्रीकी स्वास्थ्य सेवा उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए है। देश के नामी वायरलॉजिस्ट्स का मानना है कि सरकार को अब बूस्टर डोज रोलआउट में देर नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हरसंभव कोशिश करके फुल वैक्सीनेशन की रफ्तार बढ़ाई जानी चाहिए। वेल्लोर के डॉ जैकब जॉन ने %टाइम्स ऑफ इंडिया% से बातचीत में कहा कि सरकार के लिए ऐक्शन लेने का यही समय है। उन्होंने कहा, दो डोज से इम्युन सिस्टम की प्राइमिंग होती है और छह महीनों में असर कम होने लगता है।% डॉ जॉन की बात से INSACOG के पूर्व प्रममुख डॉ शाहिद जमील भी सहमत दिखे। उन्होंने इम्युनोकॉम्प्रोमाइज्ड लोगों के संदर्भ में कहा, अगर उन्हें दो डोज मिल चुकी हैं तो तीसरी डोज जरूर लगनी चाहिए। हालांकि उन्होंने कहा कि तीसरी डोज भी उसी वैक्सीन की होगी तो शायद ज्यादा फायदा न हो। देश के 6 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों से ओमीक्रोन वेरिएंट के कुल 38 मामले सामने आए हैं। सभी केस ऐसे लोगों के हैं जो विदेश से लौटकर आए। अब तक जहां-जहां ओमीक्रोन के केस मिले हैं, उनकी सूची इस प्रकार है महाराष्ट्र - 18 मामलेराजस्थान - 9 मामलेकर्नाटक - 3 मामलेगुजरात - 3 मामलेदिल्ली - 2 मामलेकेरल, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़ - 1-1 मामला। पूरी दुनिया में जब कोविड का डेल्टा संक्रमण फैला तो इसकी मारक क्षमता से घबराकर वैज्ञानिकों ने बूस्टर डोज पर ट्रायल शुरू किया और कई देशों ने मिक्स एंड मैच वैक्सीन के बूस्टर डोज का ट्रायल किया। नतीजा चौंकाने वाला पाया गया है। अब तक लगभग 6 से 7 ऐसी स्टडी पब्लिश हो चुकी हैं, जहां एक प्रकार की वैक्सीन के दोनों डोज के बाद बूस्टर में भी वही लेने वालों में औसतन 4 से 12 पर्सेंट एंटीबॉडी में इजाफा हुआ।

-डॉ. सुमनलता शर्मा

सार समाचार

कैम्पस में खिली गुलदाउदी

जयपुर (कासं)। आयुर्वेद और तकनीकी शिक्षामंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने कहा है कि आयुर्वेद मंत्री के रूप में उनका प्रयास रहेगा कि वह इंडियनल मेडिशनल प्लांट बोर्ड के माध्यम से प्रदेश में प्लांटेशन गार्डन विकसित किए जाए जिससे गुलदाउदी और अन्य मेडिशनल प्लांट्स का कर्मशियल उपयोग हो सके। जब तक इनका कमर्शियल उपयोग नहीं होगा आम लोग इसके प्रति जागरुक नहीं होंगे।

राजस्थान विवि में गुलदाउदी प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे आज ही पता चला है कि सफेद,पीले और लाल रंग के गुलदाउदी को घर पर लगाया जाए तो मलेरिया फैलने की संभावना नहीं होती क्योंकि नर मच्छर घर में नहीं आते। इन पौधों और फूलों को ट्रेड के पैटर्न पर कमर्शियल रूप से उपयोग में लिया जाना चाहिए। बैंगलोर को फूलों की नगरी कहा जाता है वहां फूलों का कमर्शियल उपयोग हो रहा है। हम भी राजस्थान के किसानों को प्रेरित करेंगे कि वह इस प्रकार के मेडिशनल प्लांट के जरिए अपनी आय को दोगुनी कर सकें।

कौशल विकास केन्द्र भवनों में नए कोर्स प्रारंभ करने तथा 32 पदों के सृजन को मंजूरी

जयपुर(कासं)।मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के टीएसपी क्षेत्र के चार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में निर्मित कौशल विकास केन्द्र भवनों में नए वोकेशनल कोर्स प्रारंभ करने तथा इसके लिए कुल 32 पदों के सृजन की स्वीकृति दी है। गहलोत ने इसके लिए आवश्यक मशीनरी एवं साज-सामान क्रय करने के लिए प्रत्येक आईटीआई को 25-25 लाख रूपए की भी वित्तीय मंजूरी दी है। उल्लेखनीय है कि जनजातीय युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए राजकीय आईटीआई डूंगरपुर, प्रतापगढ़, कुशलगढ़ (बांसवाड़ा) तथा महिला आईटीआई, उदयपुर के परिसरों में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा कौशल विकास केन्द्र भवनों का निर्माण कराया गया था। मुख्यमंत्री ने इन कौशल विकास केन्द्र भवनों में तीन-तीन ट्रेड पाठ्यक्रमों की दो-दो यूनिट खोलने तथा इसके लिए ग्रुप इंस्ट्रक्टर, जूनियर इंस्ट्रक्टर तथा क्लर्क के कुल 32 पदों के सृजन की स्वीकृति दी है। गहलोत के इस निर्णय से आईटीआई की अतिरिक्त इकाई के रूप में कौशल विकास केन्द्र भवनों का उपयोग करते हुए जनजातीय क्षेत्र के युवाओं को कौशल विकास की गतिविधियों से जोड़ा जा सकेगा।

नेक नीयत से कार्य करें, सकारात्मक परिणाम मिलेंगे: प्रो.प्रभु

आश्रय केयर एनजीओ को दी जरूरत की वस्तुएं

जयपुर (कासं)। नेक नीयत से किए गए कार्य सदैव सकारात्मक परिणाम देते हैं। यह बात मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर के प्रेसिडेंट प्रो. जीके प्रभु ने कही। वे स्कूल ऑफ हॉस्पिटेलिटी एंड टूरिज्म मैनेजमेंट की ओर से हुए फिलेबिया कार्यक्रम में शिरकत कर रहे थे। विभाग के विद्यार्थियों ने एपीक्यूरियन क्लब के साथ मिलकर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान प्रोफेसर प्रभु ने कहा कि दान करने से पहले यह जरूर देख लें कि दान लेने वाले को किन वस्तुओं की जरूरत है। लोगों की जरूरत के अनुसार दान देगें तो दान ज्यादा कारगर होगा। डायरेक्टरेट आफ स्टूडेंट वेलफेयर के डायरेक्टर प्रो. अनिल दत्त व्यास ने कहा कि शिक्षा हमें समाज की सेवा करना सिखाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके नेक काम के लिए बधाई दी। विभागाध्यक्ष डॉ. अमित दत्ता ने बताया कि विद्यार्थियों ने फंड रेजिंग के उद्देश्य से यह कार्यक्रम किया। यूनिवर्सिटी के शिक्षकों और विद्यार्थियों को फूड प्रोडेक्ट बनाकर बेचने से जमा हुए पैसों को विद्यार्थी एनजीओ आश्रय केयर को दान करेंगे। एपीक्यूरियन क्लब के कोर्डिनेटर डॉ. अरविंद कुमार राय ने बताया कि निर्माण नगर स्थित आश्रय केयर में एचआईवी पीड़ित लड़कियों को आश्रय मिल रहा है। एनजीओ की जरूरत की वस्तुओं को खरीदकर उन्हें दे रहे हैं। चित्रांश पालीवाल, दीक्षा, राहुल और जय जैन आदि विद्यार्थियों ने करीब 30 हजार रुपए एकत्र किए हैं। इस दौरान विभाग के शिक्षक डॉ.मुकेश शेखर, डॉ. श्वेता,डॉ. गौरव भट्टाचार्य, छात्र कल्याण निदेशालय से हेमंत कुमार और डॉ.अमित शर्मा मौजूद रहे।

'हैप्पी नगरी' जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

जयपुर (कासं)। स्वस्थ और तेज दिमाग की चाहत हर किसी की होती है और कहा भी गया है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन निवास करता है। मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सेंट विल्फ्रेड पीजी कॉलेज में 'हैप्पी नगरी' एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कॉलेज के सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। इस दौरान विद्यार्थियों को अलग-अलग एक्टिविटी के माध्यम से साइकोलॉजिकल मेडिटेशन कराया गया। विद्यार्थियों को मानसिक मजबूती के लिए टिप्स दिए गए। विभिन्न एक्टीविटी के माध्यम से यह बताया गया कि मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ है मन को स्वस्थ रखना। यह एक सकारात्मक अर्थ को दर्शाता है कि हम कैसा महसूस करते हैं, सोचते हैं और कार्य करते हैं, जो जीवन का आनंद लेने की क्षमता में सुधार करता है। शरीर की तरह हमारा मन भी बीमार हो सकता है और उसको पूरी देखभाल की जरूरत होती है।

मण्डल ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट एडॉप्ट करने वाला राज्य का पहला सरकारी संस्थान

राजस्थान आवासन मण्डल की सभी बिल्डिंग बन रही हैं ग्रीन बिल्डिंग

सीआईआई-आईजीबीसी द्वारा दिया गया ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट पर प्रस्तुतिकरण

ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट किफायती होने के साथ है एन्वायरमेंट फ्रेंडली

जयपुर(कासं)। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा पर्यावरण सुधार और भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए सभी निर्माणाधीन बहुमंजिला भवनों को ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट पर बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रमुख रूप से विधायक आवास परियोजना, एआईएस रेजीडेंसी, कोचिंग हब और मुख्यमंत्री जन आवास योजना के तहत प्रताप नगर तथा इंदिरा गांधी नगर योजना में निर्माणाधीन बहुमंजिला भवनों को ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट पर बनाया जा रहा है।

अरोडा मंगलवार को मण्डल मुख्यालय स्थित कॉन्फ्रेंस रूम में सीआईआई- आईजीबीसी (इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल) जयपुर और राजस्थान आवासन मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट-वर्तमान की आवश्यकता विषय पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि आईजीबीसी, जयपुर चैप्टर के चैयरमैन जैमनी ऑबेराय द्वारा ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट के सम्बंध में प्रस्तुतिकरण दिया गया। अरोडा ने ग्रीन बिल्डिंग के फायदों के बारे में बताया कि इस कॉन्सेप्ट पर बिल्डिंग निर्माण से जलवायु परिवर्तन को रोकने में मदद मिलेगी और उपभोक्ताओं को कम कीमत पर किफायती आवास मिल सकेंगे। इसके साथ ही ऊर्जा और जल संरक्षण की वजह से भविष्य में पानी और बिजली पर किये जाने वाले व्यय भी कम हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट को जो भी संस्थान अपनाते हैं, उन्हें ज्यादा सम्मान और प्रतिष्ठा की दृष्टि से देखा जाता है। उन्होंने बताया कि राजस्थान की गिनती देश के उन अग्रणी राज्यों में होती हैं, जहां ग्रीन बिल्डिंग को प्रोत्साहित करने के लिए अतिरिक्त एफएआर (बीएआर) दिया जाता है। राज्य सरकार द्वारा जो नये बिल्डिंग बायलॉज बनाए हुए हैं, उनमें ग्रीन बिल्डिंग को प्रोत्साहित करने के लिये अतिरिक्त एफएआर दिया जाने का प्रावधान है।

ये थे उपस्थित

बैठक में मुख्य अभियंता के.सी. मीणा, जी.एस. बाघेला, अतिरिक्त मुख्य अभियंता नत्थूराम, संजय पूनियॉ, अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक अनिल माथुर सहित मण्डल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आवासीय कॉलोनी की रोड सीमा को कराया अतिक्रमण मुक्त

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा आवासीय कॉलोनी की रोड सीमा में आ रहे अतिक्रमणों को ध्वस्त कर रोड सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया जोन-06 में माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय डी.बी. सिविल रीट पिटीशन नं. 7688/2019 सुओमोटो के तहत् माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेशो के क्रम में प्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा आज दिनांक 14.12.2021 को जोन-06 के क्षेत्राधिकार बेनाड़ रोड़ आनन्द विहार-ई कॉलोनी में मकानो के आगे रोड़ सीमा में करीब 21 स्थानों पर अतिक्रमण कर अवैध रूप से बनाये गये 15 चबूतरे व 06 स्थानो पर लॉन हेतु लगाये गये लोहे के एंगल, जालियां/दीवारो से निर्मित एनक्लोजर इत्यादी अवैध निर्माण-अतिक्रमणों को जोन-06 के राजस्व व तकनिकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर रोड़ सीमा को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। उक्त कार्यवाही प्रवर्तन अधिकारी जोन-06, 12 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर के अवसर पर संगोष्ठी

जयपुर (कासं)। पूर्णिमा विश्वविद्यालय जयपुर के इंटरनेशनल रिलेशंस कार्यालय ने पूर्णिमा विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर के अवसर पर तीन दिवसीय अंतर्दृष्टिपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी के दूसरे दिन मंगलवार को छात्रों के लिए एक आशय प्रपत्र प्रदर्शित किया गया और छात्रों को विदेशों में अध्ययन करने, इंटर्न करने, पेशेवर तैयारी लेने और कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने आदि के बारे में जानकारी दी गई।

हरे कृष्णा मूवमेंट ने धूमधाम से मनाया गीता जयंती महोत्सव

जयपुर (कासं)। गीता जयंती एवं मोक्षदा एकादशी के उपलक्ष्य में हरे कृष्ण मूवमेंट ने जगतपुरा स्थित कृष्ण बलराम मंदिर में गीता जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया। अक्षयपात्र के चेयरमैन एवं हरे कृष्ण मूवमेंट जयपुर के जीबीआर श्रीमान मधु पंडित दास की पावन उपस्थिति में श्रील प्रभुपाद दीक्षा समारोह आयोजित किया गया एवं विशेष यज्ञ का आयोजन किया गया । अध्यक्ष अमितासन दास ने बताया कि द्वापर युग अगहन मास शुक्ल पक्ष की एकादशी पर कृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। इसी वजह से इस तिथि को गीता जयंती के नाम से भी जाना जाता है। आज के दिन मधु पंडित दास जी के विशेष सानिध्य में जप मैराथन का आयोजन किया गया जिसमें 8 घंटे तक सैकड़ों भक्तों ने हरे कृष्ण महामंत्र की 64 माला जप किया गया। शाम को संपूर्ण श्रीमद्भागवत गीता का परायण किया गया एवं मंदिर से जुड़े हुए भक्तों को भगवान निताई गौर की विग्रह भेंट की गई। विद्यार्थियों को वैदिक संस्कृति से जोड़ने के लिए हरे कृष्णा मूवमेंट कि ओर से भगवद गीता यथास्वरुप के अध्याय 7 से 12 पर आधारित गीता कांटेस्ट का रजिस्ट्रेशन प्रारंभ हो गया है । विदित हो यह कांटेस्ट 13 मार्च को आयोजित होगा । इस महीने में हरे कृष्ण भक्तों द्वारा स्कूल, कॉलेज, जेल, अस्पतालों, फैक्ट्रियों इत्यादि में भगवत गीता का वितरण एवं प्रचार प्रसार किया जाता है।

गीता जयंती पर गौ मूत्र व गंगाजल का निःशुल्क वितरण किया गया

जयपुर (कासं)। मोक्षदा एकादशी(गीता जयंती) के शुभ अवसर पर गौ भक्ति परिवार, जयपुर के द्वारा आचार्य नर्मदा शंकर गुरुजी के सानिध्य/ संरक्षण में ग्राम लाली, जमवारामगढ़,जयपुर में निःशुल्क गौ मूत्र व गंगाजल वितरण किया गया। इस अवसर पर वेद प्रकाश पारीक युवा नेता एवं सरपंच पति ग्राम लाली, हनुमान सहाय जी पारीक ,रामावतार जी पारीक, सुरेश जी पारीक मोहन जी पारीक ,मदन जी पारीक, अजय पारीक, बुद्धि प्रकाश पारीक, विजय पारीक, श्रीमती टीना पारीक, श्रीमती लीला पारीक श्रीमती कमला पारीक सहित अनेक ग्रामवासी उपस्थित थे। इस अवसर पर आचार्य नर्मदा शंकर गुरुजी ने गौ माता एवं गंगा माता के महत्व को बताया और कहा कि हमारे घर में गंगाजल व गौ मूत्र हमेशा रहना चाहिए । गौमाता में तैंतीस करोड़ देवी देवताओं का वास बताया गया है। गंगाजल हमारे पापों का नाश करके पुण्य की वृद्धि करता है। हम सबके घरों में गौ मूत्र व गंगाजल रहे जिससे कि घर - परिवार में पवित्रता, व्यापार में वृद्धि,घर में सुख शांति सहित अनेक लाभ हमको मिल सके। वेद प्रकाश पारीक ने कहा कि ग्राम लाली के हर घर में गौ मूत्र व गंगाजल निशुल्क पहुंचाने की व्यवस्था अति शीघ्र की जाएगी।

प्रशासन शहरों के संग अभियान-2021

नगरीय निकायों द्वारा अब तक किये गये कार्यो की उच्च स्तरीय समीक्षा

जयपुर (कासं)। प्रशासन शहरों के संग अभियान के दौरान जनवरी, 2022 के प्रथम पखवाड़े में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिविरों का आयोजन वैकल्पिक रखा जाकर प्रगति तथा समस्याओं के समाधान के लिए संभागीय व जिला स्तर पर कार्यशालाओं आयोजन किया जावेगा।

यह निर्णय राज्य की नगरीय निकायों, नगर विकास न्यास व विकास प्राधिकरणों एवं 7 संभागों के पर्यवेक्षकों द्वारा प्रशासन शहरों के संग अभियान-2021 के तहत अब तक किये गये कार्यो की विस्तृत समीक्षा के लिए मंगलवार को दोपहर 02:30 बजे नगर नियोजन कार्यालय में सलाहकार, नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन विभाग डॉ जी.एस. सन्धू की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास विभाग कुन्जी लाल मीणा, निदेशक एवं विशिष्ट सचिव, निदेशालय स्थानीय निकाय विभाग दीपक नन्दी, मुख्य नगर नियोजक, राजस्थान आर.के.विजयवर्गीय संयुक्त शासन सचिव नगरीय विकास विभाग मनीष गोयल, नवनीत कुमार तथा राज्य के 7 संभागों के अभियान के दौरान नियुक्त पर्यवेक्षक व अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सलाहकार, नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत शासन विभाग डॉ.जी.एस.संधू ने बताया कि प्रशासन शहरों के संग अभियान के दौरान जनवरी, 2022 के प्रथम पखवाड़े में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिविरों का आयोजन वैकल्पिक रखा जाकर प्रगति तथा समस्याओं के समाधान के लिए संभागीय व जिला स्तर पर कार्यषालाओं आयोजन किया जावेगा। कार्यशाला में राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी भाग लेगें। इस संबंध में शीघ्र ही विस्तृत कार्यक्रम निर्धारित किया जायेगा। उन्होनें बताया कि कार्यशाला में अभियान के दौरान लम्बित प्रकरणों के निस्तारण तथा अब तक किये गये कार्यों की नगरीय निकायवार समीक्षा की जायेगी तथा कार्मिकों को अब तक जारी आदेषों, छूट, शिथिलताओं की जानकारी प्रदान की जावेगी। कार्यशाला में नगरीय निकायों के कार्मिकों के अतिरिक्त क्षेत्रीय उप निदेषक, क्षेत्रीय वरिष्ठ नगर नियोजक, नगर मित्र तथा सभी संभागों के पर्यवेक्षक शामिल होगें। बैठक में डॉ. जी.एस.संधू ने राज्य की नगरीय निकायों, नगर विकास न्यास व विकास प्राधिकरणों एवं 7 संभागों के पर्यवेक्षकों द्वारा प्रशासन शहरों के संग अभियान-2021 के तहत अब तक किये गये कार्यो की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होनें बताया कि अभियान मैं अब तक पट्टे एवं अन्य मदों से 577 करोड़ 7 लाख रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ है एवं 1,17,442 पट्टे दिये जा चुके है। उन्होंने धारा 69-ए के तहत् अधिक से अधिक पट्टे दिये जाने पर जोर देते हुये कहा कि धारा 69-ए के तहत् दिये जाने वाले पट्टो में आने वाली बाधाओं को दूर किया जावें। साथ ही निकायों द्वारा इस संबंध में स्थानीय स्तर पर अधिक प्रचार किया जावें।

"भारत गौरव ट्रेन" के संचालन पर रेलवे एवं सेवा प्रदाताओं के मध्य बैठक

जयपुर (कासं)। भारतीय रेलवे द्वारा पर्यटन को बढावा देने के लिए "भारत गौरव ट्रेन" के संचालन का निर्णय लिया गया है। इस सेवा हेतु निजी क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं की सहायता से भारत के विषाल पर्यटन संभावनाओं का लाभ उठाना है। इस श्रेणी की ट्रेनों के संचालन हेतु सेवा प्रदाता गाड़ी संचालन की विषय-वस्तु, संयोजन, मार्ग, किराया, डिब्बों की साजसज्जा में परिवर्तन इत्यादि निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र होंगे। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार उत्तर पष्चिम रेलवे द्वारा प्रधान कार्यालय में पर्यटन एवं परिवहन क्षेत्र से भावी सेवा प्रदाताओ के साथ "भारत गौरव ट्रेन" के संबंध में एक मीटिंग का आयोजन किया गया था। इस मीटिंग की अध्यक्षता श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक द्वारा की गई थी, जिसमें उनके साथ नोडल कमिटी के सदस्य अनुज भार्गव, मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/यात्री सेवा, मनीष राजवंशी, मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर/कोचिंग व अन्य रेल अधिकारी शामिल हुए। उक्त मीटिंग में मैसर्स ग्लोबल, मैसर्स राजस्थान टूर प्रा. लि. मैसर्स गो गेटटर्ज, मैसर्स रैम्बल लिंक एलएलपी, मैसर्स आईआरसीटीसी लिमिटेड इत्यादि के प्रतिनिधि शामिल हुए। उन्हें "भारत गौरव ट्रेन" नीति के महत्वपूर्ण बिन्दु पर पावरपॉइंट प्रेजन्टैशन के माध्यम से बताए गए तथा अन्य संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी प्रतियोगियों द्वारा चर्चा के दौरान सकारात्मक प्रतिक्रिया दी गई तथा उन्हें उक्त गाड़ी के संचालन के दायरे एवं परिचालन श्रमताओं से अवगत करवाया गया। उनके द्वारा इसमें रूची दिखाते हुए विभिन्न शंकाएं व्यक्त की गई, जिसका निवारण मीटिंग के दौरान ही किया गया तथा उन्हें भविष्य में भी समस्त मुद्दों पर सहायता हेतु क्षेत्रीय रेलवे स्तर पर गठित ग्राहक सेवा इकाई का विवरण दिया गया।

डिब्बों में अस्थाई बढोतरी

जयपुर (कासं)। श्रीगंगानगर-बान्द्रा टर्मिनस-श्रीगंगानगर रेलसेवा में बढाये 02 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बे रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु श्रीगंगानगर-बान्द्रा टर्मिनस-श्रीगंगानगर रेलसेवा में 02 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बों की अस्थाई बढोतरी की जा रही है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शषि किरण के अनुसार गाडी संख्या 14701/14702, श्रीगंगानगर-बान्द्रा टर्मिनस-श्रीगंगानगर रेलसेवा में श्रीगंगानगर से दिनांक 16.12.21 से 23.12.21 व 25.12.21 से 31.12.21 तक तथा बान्द्रा टर्मिनस से दिनांक 18.12.21 से 25.12.21 तक व 27.12.21 से 02.01.22 तक 02 द्वितीय शयनयान श्रेणी डिब्बो की अस्थाई बढोतरी की जा रही है।

रोडवेज कर्मियों को मिलेगा 7वां वेतनमान, रोडवेज में 16 साल के मृतक आश्रित भी कर सकेंगे नौकरी के लिए आवेदन

जयपुर (कासं)।

रोडवेज के 13 हजार से अधिक कर्मचारियों को भी जल्द 7वां वेतनमान का लाभ मिलेगा। कर्मचारियों की ग्रेड के अनुसार उनका वेतन तय होगा। रोडवेज पर इससे सालाना 150 करोड़ का अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ेगा। रोडवेज के नवाचार कर राजस्व में बढ़ोत्तरी को देखते हुए यह लाभ एक जनवरी 2022 से देने पर सहमति बनी है। इसके साथ कार्यशालाओं के कर्मचारियों के रात्रि भत्तों व साबुन भत्तों में भी बढ़ोत्तरी की गई है। अब तकनीकी कर्मचारियों को रात्रि भत्ता व कार्यशाला कर्मचारियों को साबुन भत्ता 3030 रुपए मिलेगा। इसके अलावा रोडवेज में 16 वर्ष की आयु में भी मृतक आश्रित नौकरी के लिए आवेदन कर सकेंगे। बैठक में रोडवेज में 398 पदों पर सीधी भर्ती का भी फैसला किया गया।

बोर्ड मीटिंग में ये फैसले भी

- राज्य स्तरीय जोधपुर बस स्टैंड को राज्य स्तरीय बनाने के लिए 68 करोड़ खर्च होंगे।
- रोडवेज की खाली जमीनों पर अब पेट्रोल पम्प, सीएनजी स्टेशन और इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन खोलने पर भी फैसला।
- आर्टिजन ग्रेड-द्वितीय से प्रथम में पदोन्नति के लिए आइटीआई के लिए 3 वर्ष एवं नॉन आइटीआई के लिए 9 वर्ष का अनुभव करने का निर्णय।
- निरीक्षण उड़नदस्तों के जुलाई से सितम्बर के परिणामों पर चर्चा।
- वाणिज्यिक बैंकों व अन्य वित्तीय संस्थाओं से लोन लेने के लिए एमडी व वित्तीय सलाहकार अधिकृत।
- फर्म को ब्लैक लिस्ट करने के सीएमडी को अधिकृत किया है।

बिजनेस ब्रीफ

अदाणी ने एसईसीआई के साथ दुनिया के सबसे बड़े ग्रीन पीपीए पर हस्ताक्षर किए

अदाणी ग्रीन एनर्जी 4,667 मेगावाट की आपूर्ति करेगी

अहमदाबाद (एजेंसी)। दुनिया के सबसे बड़े सोलर एनर्जी डेवलपर और डायवर्सिफाईड अदाणी ग्रुप की रिन्यूएबल एनर्जी ब्रांच, अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल), ने 4,667 मेगावाट हरित बिजली की आपूर्ति के लिए सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह दुनिया का अबतक का सबसे बड़ा हरित बिजली खरीद समझौता है।अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने कहा कि हमें एसईसीआई के साथ दुनिया के सबसे बड़े पीपीए पर हस्ताक्षर करने की खुशी है।यह भारत के दोहरे उद्देश्य को पूरा करने के लिए उठाया गया कदम है, जिसमें भारत के रिन्यूएबल एनर्जी फुटप्रिंट्स में तेजी लाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम के तहत घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देना शामिल है। सीओपी26 की कार्यवाही को देखते हुए, यह तेजी से स्पष्ट हो रहा है कि जैसा पहले विचार किया गया था, उससे तेज गति से और न्याय संगत रूप से दुनिया को कम कार्बन वाली अर्थव्यवस्था में बदलना है। यही कारण है कि अदाणी ग्रुप ने रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में 50-70 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता दर्शाई है। यह समझौता हमें 2030 तक दुनिया की सबसे बड़ी रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी बनने की हमारी प्रतिबद्धता के भी अनुरूप है। 4,667 मेगावाट की आपूर्ति के लिए एजीईएल-एसईसीआई समझौता जून 2020 में एसईसीआई द्वारा एजीईएल को अवार्ड किए गए 8,000 मेगावाट की एक मैन्यूफैक्चरिंग-लिंक्ड सौर निविदा का हिस्सा है, जिसने दुनिया की अबतक की सबसे बड़ी सौर विकास निविदा होने का रिकॉर्ड बनाया।

एलएंडटी कंस्ट्रक्शन के बिल्डिंग्स एंड फैक्टरीज बिजनेस को कंट्रैक्ट मिला

मुंबई, (एजेंसी)। लार्सन एंड टुब्रो की विनिर्माण शाखा को इसके बिल्डिंग्स एंड फैक्टरीज बिजनेस के लिए उड़ीसा सरकार से बड़ा ऑर्डर मिला है। यह ऑर्डर कटक में एक अत्याधुनिक अस्पताल के लिए क्लिनिकल ब्लॉक और संबद्ध बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए मिला है। इस ईपीसी परियोजना की अवधि 30 महीने है।इस परियोजना में 3.4 मिलियन वर्गफुट के कुल निर्मित क्षेत्र के साथ समग्र संरचनात्मक प्रणालियों और अन्य सहायक भवनों सहित चार नैदानिक ब्लॉक (बी + जी + 9 मंजिल) का निर्माण शामिल है। इस अत्याधुनिक फैसिलिटी में कुल 2058 बिस्तरों के साथ न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी,गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, हेमटोलॉजी, हेपेटोलॉजी, कार्डियोलॉजी, सर्जिकल ब्लॉक, कैजुअल्टी, ट्रॉमा और सामान्य सर्जरी जैसे विशेष विभाग शामिल होंगे। कार्य के दायरे में आर्किटेक्चर, संरचना - समग्र प्रणाली, इलेक्ट्रिकल, वीएचटी, डेटा वॉयस को कवर करने वाले ईएलवी सिस्टम, बीएमएस, एसीएस, सीसीटीवी, एवी, पीएमएस, एनसीएस, क्यूएमएस, एएमएस, कार पार्क प्रबंधन प्रणाली, संपत्ति प्रबंधन प्रणाली का डिजाइन और निष्पादन, पीएचई सिस्टम, एचवीएसी, एफएमएस कवरिंग वॉटर कर्टेन सिस्टम, हाई वेलोसिटी वॉटर स्प्रे और गैस सप्रेशन सिस्टम, एमजीपीएस, स्टीम बॉयलर्स, एलपीजी, किचन एंड लॉन्ड्री इक्विपमेंट, ऑटोमैटिक वेस्ट एंड लॉन्ड्री सिस्टम, मेडिकल न्यूमेटिक ट्यूब सिस्टम, मॉड्यूलर इंटीग्रेटेड ओटी, बीएमयू सिस्टम ऊर्जा दक्षता के लिए आंतरिक कार्य और सौर पैनल शामिल है। इस दायरे में वीएचटी, लैंडस्केप, एफएएस, सीसीटीवी, एसीएस, एवी और एएमएस के लिए 5 साल के लिए रखरखाव भी शामिल है।

मारुति सुजुकी सुपर कैरी की सेल्स 1 लाख के पार पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सबसे शक्तिशाली मिनी-ट्रक, मारुति सुजुकी सुपर कैरी ने अपने लॉन्च के 5 सालों में 100,000 यूनिटों की सेल कर रिकॉर्ड हाल ही में उपलब्धि हासिल की है। यह 4 सिलेंडर इंजन के साथ भारत का एकमात्र मिनी-ट्रक है। सुपर कैरी, कमर्शियल ग्राहकों की विविध प्रकार जरूरतों को पूरा करता है। यह एक प्रभावशाली गुड्स कैरियर है। पेट्रोल व सीएनजी विकल्पों में उपलब्ध मारुति सुजुकी सुपर कैरी का विकास खास भारत के लिए किया गया है। यह भारत में मिनी ट्रक के ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। शशांक श्रीवास्तव, सीनियर एक्ज़िक्यूटिव डायरेक्टर (मार्केटिंग एवं सेल्स), मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने कहा, ''सुपर कैरी को बहुत ही कम समय में ही बाजार में अभूतपूर्व सफलता मिली। इसे ग्राहकों ने बहुत पसंद किया। सुपर कैरी ने हमें गुड्स ले जाने वाले ग्राहकों की विभिन्न तरह की जरूरतों को पूरा करने में समर्थ बनाया, ताकि वो ज्यादा प्रभावशाली तरीके से काम करते हुए ज्यादा फायदा कमा सकें। सुपर कैरी के एस-सीएनजी वैरिएंट ने 21.55 किलोमीटर/किलोग्राम के बेहतरीन माईलेज के साथ व्यवसायों को अपना लाभ बढ़ाने में मदद की। सुपर कैरी ने साबित कर दिया कि मिनी ट्रक शक्तिशाली होने के साथ ड्राईविंग में आरामदायक, मेंटेनेंस में आसान और वाहन मालिक के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। यही कारण है के सुपर कैरी के मालिक इसे इसकी गुणवत्ता के लिए पसंद करते हैं। हम अपने ग्राहकों के आभारी हैं, जिन्होंने हमारे ऊपर भरोसा करके सुपर कैरी को लाईट कमर्शियल वैहिकल स्पेस में दूसरा सबसे ज्यादा बिकने वाला मिनी ट्रक बना दिया।''

पेटीएम यूजर्स अब मिनी ऐप स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं कोविड-19 वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपभोक्ताओं और व्यापारियों के लिये भारत के अग्रणी डिजिटल इकोसिस्टनम पेटीएम(1) (वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के स्वामित्वज वाले) ने आज अपने मिनी ऐप स्टोसर पर कोविड-19 वैक्सीन फाइंडर के माध्यम से पेटीएम ऐप पर अंतर्राष्ट्री य यात्रा सर्टिफिकेट्स के लॉन्चल की घोषणा की है। इसके साथ ही यूजर्स डब्यू एचओ-डीडीसीसी: वीएस कॉम्लाएंट वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट्स पाने के लिये आसानी से अपने पासपोर्ट डिटेल्सब को अपडेट कर सकते हैं। अब दुनिया के ज्याषदातर देशों में कोवैक्सीफन और कोविशील्ड , दोनों के यात्रा प्रमाणपत्र स्वीकार किये जाते हैं। हालांकि यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना तय करने से पहले देश विशेष के कोविड-19 दिशानिर्देशों को जाँच लेने की सलाह दी जाती है।इसी साल लॉन्चह हुआ पेटीएम का कोविड-19 वैक्सी न फाइंडर स्लॉलट्स की उपलब्धँता जाँचने में यूजर्स की सहायता करता है। यह पिन कोड्स या जिलों के आधार पर स्लॉ ट्स खोजने की अनुमति देता है और यूजर्स आयु (18+ या 45+) के साथ सीधे टूल का इस्तेखमाल कर स्लॉहट्स बुक कर सकते हैं। 11 भाषाओं में उपलब्धस यह प्लेटफॉर्म यूजर्स को पहले और दूसरे डोज में से चुनने की अनुमति देता है और वे वैक?सीनेशन से जुड़ी सभी प्रकारों की सूचना तक पहुँच सकते हैं, जैसे उपलब्धक वैक्सीन का प्रकार और उसके लिये दिया जाने वाला शुल्कर। भारत के 1400 शहरों में पेटीएम कोविड-19 वैक्सीतन फाइंडर टूल के यूजर्स ने अब तक 32 लाख से ज्यीदा स्लॉट्स बुक किये हैं। पेटीएम के कोविड-19 वैक्सीजन फाइंडर ने टीकों की उपलब्धरता के 100 करोड़ से ज्या ादा अलट्र्स दिये हैं और यूजर्स को 14 लाख से ज्युादा सर्टिफिकेट्स डाउनलोड करने की समर्थता दी है। इस प्ले टफॉर्म के 85% से ज्या दा यूजर्स ने 18-45 वर्ष का आयु समूह चुना है और 40% से ज्यादा यूजर्स ने टीकाकरण के लिये अपना अपॉइंटमेंट शाम 4 बजे के बाद बुक किया है। पेटीएम के प्रवक्ताम ने कहा, हम हमेशा अपने यूजर्स को सुविधा देने की कोशिश में रहते हैं और अंतर्राष्ट्रीजय यात्रा प्रमाणपत्र डाउनलोड करने के लिये हमारा नया फीचर उसी दिशा में एक अन्या कदम है। इसके अलावा, यूजर्स पेटीएम पर अपने डिजिलॉकर में वैक्सीसन सर्टिफिकेट को भी जोड़ सकते हैं।

ब्लू डार्ट ने नए साल के जश्न से पहले दो मेगा ऑफर पेश किए!

'मेरी एक्सप्रेस 'और 'एश्योर्ड गिफ्ट' ऑफर ग्राहक को ध्यान में रख कर तैयार किए गए हैं

मुंबई, (एजेंसी)। ड्यूश पोस्ट डीएचएल ग्रुप के हिस्से के तौर पर भारत की अग्रणी एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स प्रदाता ब्लू डार्ट ने साल के आखिर में मनाए जाने वाले जश्न से पहले दो रोमांचक ऑफर लॉन्च करने की घोषणा की, जिनके नाम हैं- 'मेरी एक्सप्रेस' और 'एश्योर्ड गिफ्ट' ऑफर।नए साल की उमंग के साथ-साथ क्रिसमस के जश्न की गर्मजोशी फैलाने पर जोर देने वाले मेरी एक्सप्रेस ऑफर का लाभ 20 दिसंबर, 2021 से 15 जनवरी, 2022 तक प्राप्त किया जा सकता है। इस ऑफर में सभी गिफ्ट शिपमेंट पर 40त्न की असाधारण छूट शामिल है, लेकिन यह ऑफर यहीं तक सीमित नहीं हैं इस छूट में उत्सव की मिठाइयाँ, उपहार और 10 किलो ग्राम से 20 किलो ग्राम वजन वाले परिधानों के शिपमेंट भी शामिल हैं। यह ऑफर डोमेस्टिक प्रायोरिटी और इंटरनेशनल शिपमेंट के नॉन-डॉक शिपमेंट्स पर लागू होगा। इस सबसे बढ़कर एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स प्रदाता ने 'एश्योर्ड गिफ्ट' ऑफर भी लॉन्च किया है, जिसका लाभ 31 मार्च, 2022 तक उठाया जा सकता है। यह आकर्षक ऑफर स्पाईकर के सहयोग से पेश किया जा रहा है। यह ऑफर उन सभी खुदरा ग्राहकों के लिए उपलब्ध है, जो देश भर में मौजूद ब्लू डार्ट के किसी भी स्टोर पर घरेलू या अंतरराष्ट्रीय शिपमेंट की बुकिंग कराते हैं। इस ऑफर का लाभ उठाने से ग्राहक को अपनी पसंद का कोई मुफ्त स्पाईकर गिफ्ट भुनाने के लिए मिलेगा, जिसके तहत केवल शिपिंग एवं हैंडलिंग शुल्क ही भरना होगा। स्पाईकर गिफ्ट में शामिल हैं।

फोनपे ने भारत के 25 मिलियन किराना दुकानों को जोड़ा डिजिटल दुनिया से

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेजी से बढ़ते डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म फोनपे ने घोषणा की कि उसने भारत में 25 मिलियन छोटे व्यापारियों और किराना स्टोरों का डिजिटलीकरण कर दिया है। कंपनी ने यह भी कहा कि इस प्लेटफॉर्म पर ऑफलाइन मर्चेंट ट्रांजैक्शन में पिछले साल से 200 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। फोनपे ने इस अभूतपूर्व वृद्धि का श्रेय पूरे भारत में कंपनी के मर्चेंट एक्सेप्टेंस नेटवर्क को चलाने और समर्थन करने वाले 1,25,000 मजबूत फील्ड फोर्स के साथ, भौगोलिक क्षेत्रों में ऑफलाइन मर्चेंट स्वीकृति में देखे गए तेजी से विस्तार को दिया है। फोनपे के संस्थापक और सीईओ समीर निगम ने कहा, फोनपे भारत के सबसे बड़े डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है, और हम सभी प्रमुख मेट्रिक्स पर उद्योग का नेतृत्व कर रहे हैं जिसमें लेनदेन का मूल्य और मात्रा, पंजीकृत उपयोगकर्ता और साथ ही व्यापारी कवरेज शामिल हैं। इस साल की शुरुआत में हमने पूरे भारत में 25 मिलियन से अधिक किराना ओं को डिजिटाइज़ करने का लक्ष्य रखा था, और हर जगह तक भुगतान को सुलभ बनाने और हमारी मजबूत निष्पादन क्षमताओं के कारण हमने रिकॉर्ड समय में यह उपलब्धि हासिल की है। फोनपे का अब 15,700 कस्बों और गांवों में एक मर्चेंट नेटवर्क है, जो देश के पिन कोड का 99 प्रतिशत हिस्सा है। कंपनी ने पहले 2021 के अंत तक 25 मिलियन की संख्या तक पहुँचने की अपनी योजना की घोषणा की थी, और इस लक्ष्य को निर्धारित समय से कुछ सप्ताह पहले हासिल कर लिया है। फोनपे पर पी2एम लेनदेन में ऑफलाइन और ऑनलाइन स्टोर पर उपयोगकर्ताओं द्वारा किए गए भुगतान और रिचार्ज, बिल भुगतान और वित्तीय सेवाओं जैसे सभी उपयोगिता भुगतान शामिल हैं।

विकास लाइफकेयर को 120 मिलियन रुपये का एक्सपोर्ट आर्डर मिला

वित्तीय वर्ष 2023 में निर्यात बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध विकास लाइफकेयर लिमिटेड एक आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित कंपनी है, जो प्लास्टिक, सिंथेटिक और प्राकृतिक रबर के लिए पॉलिमर, रबर यौगिकों और एडिटिव्स का व्यापार और निर्माण करती है। एग्रो प्रोडक्ट्स बिजनेस सेगमेंट में, कंपनी को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है, नियमित ऑर्डर प्राप्त करते हुए, कंपनी को 120 मिलियन रुपये के प्रीमियम चावल का निर्यात करने के ऑर्डर मिले हैं। कंपनी नए लक्षित देशों को जोड़कर अपने निर्यात ग्राहक आधार का विस्तार करेगी और अगले वित्तीय वर्ष के दौरान 300 मिलियन रुपये के लक्ष्य के साथ निर्यात बढ़ाने की योजना बनाने के लिए जनवरी-मार्च 2022 के दौरान विस्तृत बाजार अनुसंधान किया जाएगा। जल जीवन मिशन को पाइपिंग सिस्टम की आपूर्ति करने के व्यापार ने भी एक मील का पत्थर हासिल किया क्योंकि इसने जून 2021 में कारोबार शुरू होने के पहले छह महीनों में 150 मिलियन रुपये की बिक्री के रिकॉर्ड को पार कर लिया और व्यावसायिक गतिविधियों / ग्राहकों की प्रतिक्रिया देखते हुए अनुमान है कि इस वर्ष सेगमेंट के लिए 500 मिलियन रुपये की बिक्री के लक्ष्य को आराम से पार करने की राह पर है। पूर्व-परिभाषित गैर-प्रमुख संपत्ति मुद्रीकरण कार्यक्रम के अनुरूप, अब तक, कंपनी ने हाल ही में 109 मिलियन रुपये की संपत्ति की बिक्री के लिए निश्चित व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए हैं।

नीति आयोग और भारती फाउंडेशन ने 'कॉनवोक 2021-22' के शुभारंभ की घोषणा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारती एंटरप्राइजेज की परोपकारी शाखा, भारती फाउंडेशन के साथ साझेदारी में नीति आयोग ने कॉन्वोक 2021-22 लॉन्च किया। कॉन्वोक एक राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी है जिसका उद्देश्य भारत भर के सभी शिक्षकों, शिक्षाविदों, स्कूलों के प्रमुखों पर विशेष ध्यान देने के साथ-साथ शिक्षा प्रदान करने और इसकी गुणवत्ता को मजबूत करने में चुनौतियों का समाधान करना है। इस मंच के माध्यम से, सरकारी स्कूलों के स्कूल शिक्षकों/प्रमुखों/प्राचार्यों और भारती फाउंडेशन नेटवर्क के शिक्षकों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के माध्यम से अनुसंधान आधारित समाधानों का उपयोग करने और सीखने के परिणामों में सुधार के लिए जमीनी स्तर पर किए गए अपने प्रयासों को प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भी शिक्षकों को सीखने की प्रक्रिया के केंद्र के रूप में पहचानती है। यह संस्तुति करती है कि शिक्षकों को शिक्षण के लिए नए दृष्टिकोण के लिए पहचाना जाएगा जो उनकी कक्षाओं में सीखने के परिणामों में सुधार करते हैं। एनईपी प्लेटफॉर्म विकसित करने की सिफारिश करता है ताकि शिक्षक व्यापक प्रसार और प्रतिकृति के लिए विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा कर सकें।वर्षों से शिक्षक छात्रों की मदद करने के लिए और लॉकडाउन के दौरान और भी अधिक मदद करने के लिए अभिनव समाधान लेकर आ रहे हैं। कॉन्वोक के माध्यम से वे अब अपने माइक्रो रिसर्च पेपर साझा कर सकते हैं। इन शोध पत्रों का विश्लेषण शिक्षाविदों के एक पैनल द्वारा किया जाएगा। शॉर्टलिस्ट किए गए शोध पत्र जनवरी, 2022 में निर्धारित 'राष्ट्रीय अनुसंधान संगोष्ठी' के दौरान प्रस्तुत किए जाएंगे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ राजीव कुमार ने की और नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत, नीति आयोग के सलाहकार (शिक्षा) डॉ प्रेम सिंह,भारती फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष राकेश भारती मित्तल भारती फाउंडेशन की सीईओ सुममता सैकिया ने भी भाग लिया।

एडब्लूएस ने दो नए प्रयासों की घोषणा की जो मशीन लर्निंग को अधिक सुगम बनाते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। एडब्लूएस री:इन्वेंट पर, एमेज़ॉन.कॉम कंपनी एमेज़ॉन वेब सर्विसेस ने दो नए कार्यक्रमों की घोषणा की, जो प्रौद्योगिकी के साथ सीखने व प्रयोग करने के इच्छुकों के लिए मशीन लर्निंग ज्यादा सुगम बनाने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। एडब्लूएस एआई एंड एमएल छात्रवृत्ति एक नई शिक्षा और छात्रवृत्ति कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य विश्व में सुविधाओं से वंचित छात्रों को मशीन लर्निंग में करियर बनाने में मदद करना है। यह कार्यक्रम छात्रों को मशीन लर्निंग के मूलभूत सिद्धांत समझाने के लिए एडब्लूएस डीपरेसर और नए एडब्लूएस डीपरेसर स्टूडेंट लीग का इस्तेमाल करता है और उन्हें ऑटोनोमस रेसर कारों के लिए हैंड्स-ऑन एक्सपीरियंस मशीन लर्निंग मॉडल प्रदान करता है। साथ ही उन्हें मशीन लर्निंग के मूलभूत सिद्धांतों पर शैक्षणिक सामग्री भी प्रदान करता है। एडब्लूएस, एमेज़ॉन सेजमेकर स्टूडियो लैब के माध्यम से मशीन लर्निंग को सभी की पहुंच में ला रहा है, जिससे एमेज़ॉन सेजमेकर का निशुल्क वर्ज़न सभी तक पहुंच सकेगा। एडब्लूएस की यह सेवा ग्राहकों को मशीन लर्निंग के मॉडल बनाने, प्रशिक्षण देने व क्रियान्वित करने में मदद करती है। एडब्लूएस में एमेज़ॉन मशीन लर्निंग के वाईस प्रेसिडेंट, स्वामी सिवासुब्रमण्यन ने कहा, ''आज हम जिन दो कार्यक्रमों की घोषणा कर रहे हैं, उन्हें मशीन लर्निंग में शिक्षा के अवसर उत्पन्न करने के लिए डिज़ाइन किया गया है ताकि इसे प्रौद्योगिकी में रुचि रखने वाले लोगों की व्यापक पहुंच में लाया जा सके।'' उन्होंने कहा, ''मशीन लर्निंग इस पीढ़ी की सबसे परिवर्तनकारी तकनीकों में से एक होगी। यदि हम दुनिया कि कुछ सबसे ज्यादा कठिन चुनौतियों का सामना करने के लिए इस तकनीक की पूरी क्षमता का इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो जीवन के हर क्षेत्र व पृष्ठभूमियों से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को इस क्षेत्र में लाना होगा। इस नए स्कॉलरशिप कार्यक्रम के माध्यम से हम भविष्य के विस्तृत कार्यबल को प्रेरित व प्रोत्साहित करना चाहते हैं तथा इसकी लागत को कम करना चाहते हैं, जिसकी वजह से अनेक लोग मशीन लर्निंग सीखने से वंचित रह जाते हैं।'

पर्यावरण के अनुकूल भविष्य हेतु ऊर्जा संरक्षण के लिए मार्ग प्रशस्त कर रही है आईएचसीएल

जयपुर, (एजेंसी)। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर भारतीय होटल्स कंपनी ने ऊर्जा संरक्षण के साथ-साथ ऊर्जा दक्षता के बारे में जागरुकता फैलाने की अपनी प्रतिबद्धता को फिर से पुख्ता किया है। आईएचसीएल सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और ग्लोबल हैड-ह्यूमन रिसोर्सिस गौरव पोखरियाल ने कहा, ऊर्जा संरक्षण आईएचसीएल के कारोबार का अभिन्न हिस्सा है क्योंकि यह वर्तमान और भविष्य दोनों पर प्रभाव डालता है। हमारी कंपनी की वार्षिक नवीकरणीय ऊर्जा खपत बहुत बढ़ गई है, हमारे कई प्रमुख होटल पवन और सौर ऊर्जा से चल रहे हैं। होटल उद्योग में पहली बार आईएचसीएल ने इंटरनैशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन के साथ सहभागिता की है जो विश्व बैंक समूह का एक सदस्य है, यह भागीदारी भारतीय आतिथ्य उद्योग हेतु सस्टेनेबल कूलिंग समाधानों के लिए की गई है। आईएचसीएल के होटलों ने लगभग 1,202,000,000 मेगा जूल्स ऊर्जा की बचत की है, यह इतनी अधिक ऊर्जा है की वर्ष 2008 से 2021 के बीच 4 सदस्यों वाले परिवारों के 6,56,500 घरों को बिजली देने के बराबर है। इस समय, 27 होटल नवीकरणीय ऊर्जा से चल रहे हैं, यह पहल हाल ही में और अधिक मजबूत हुई है जब आईएचसीएल और टाटा पावर ने मिलकर मुंबई में अपने प्रमुख होटलों- ताज महल पैलेस, ताज लैंड्स ऐंड और ताज वेलिंगटन म्यूज़ में हरित स्त्रोत से बिजली पहुंचाने की व्यवस्था स्थापित की। अपेक्षा है की ये होटल लगभग 60 प्रतिशत ऊर्जा हरित स्त्रोत से प्राप्त करेंगे और इससे सालाना लगभग 22.9 मीलियन किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन घटेगा।

इस क्रिसमस रीबॉक, पेरनोड रिकार्ड इंडिया, अमेजन फैशन एंड ब्यूटी, जयपुर रग्स, जिमीज़ कॉकटेल और ब्लू टोकाई कॉफी रोस्टर गिफ्ट्स के साथ प्रियजनों को दें सरप्राइज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेज़ॅन यहां त्योहारों के मौसम को और अधिक उत्सवपूर्ण बनाने के लिए अपने शानदार क्यूरेट क्रिसमस स्टोर के साथ खुशी के साथ पेश है। इस क्रिसमस, रीबॉक, कोल्ड ब्रू, जिमी कॉकटेल, पेरनोड रिकार्ड इंडिया, अमेज़ॅन फैशन एंड ब्यूटी, जयपुर रग्स और ब्लू टोकाई कॉफी रोस्टर्स के आकर्षक उपहार ऑफर सांता के लिए गुप्त पेशकश हैं। रीबॉक परफॉर्मेंस, एक्सेसिबिलिटी और सस्टेनेबिलिटी जैसी खूबियों के साथ, फ्लोट्राइड एनर्जी एंड लिक्विफेक्ट की बिमिसाल खूबियां इसे एक हाई-पर्फोर्मेंस रनिंग शू बनाती हैं। ये शूज सभी भी प्रकार की रनिंग के लिए एकदम सही है। रीबॉक अपैरल को डेडिकेटेड वर्कआउट के लिए डिज़ाइन किया गया है। ये चुनिंदा एथलीजर एक शानदार फिटिंग देते हैं और प्रभावी रूप से त्वचा से नमी को दूर करते हैं। द न्यू जिमीज़ फेस्टिव गिफ्ट पैक, सेकेंड एडिशन इस क्रिसमस पर दोस्तों और परिवार को देने के लिए यह एक आदर्श उपहार है। एक कंप्लीट होम कॉकटेल सॉल्यूशन के साथ यह उत्सव के दौरान मेलजोल की खुशियां बढ़ाने की गारंटी देता है। भारत के सबसे बड़े स्पेशलिटी कॉफी ब्रांड ब्लू टोकई कॉफी रोस्टर्स ने अपने बहुप्रतीक्षित कोल्ड ब्रू कैन लॉन्च किए हैं। यह रेंज, जो ब्लू टोकई के पारंपरिक कोल्ड ब्रू प्रोसेस और बेमिसाल स्वाद के साथ पेश करती है, साथ ही इसे पीना भी बेहद आसान है। यह 6 बेमिसाल टेस्ट जैसे कॉफी चेरी, टेंडर कोकोनट, पैशन फ्रूट, क्लासिक बोल्ड, क्लासिक लाइट और सिंगल ओरिजिन फ्रॉम रत्नागिरी एस्टेट में उपलब्ध है। जयपुर रग्स के हाथ से बुने गलीचे, जो हाथों से बांधी गई 20 लाख से अधिक गांठों से तैयार किए जाते हैं। ये गलीचे दोस्त या परिवारीजनों को देने के लिए एकदम सही उपहार है। यह संग्रह जयपुर रग्स के दशकों के शिल्प कौशल और अबिन चौधरी की सोच और इतिहास के विभिन्न दौर यानी प्राचीन, विंटेज, मॉर्डर्न, ब्रूटलिस्ट और समकालीन वास्तुकला के सौंदर्य चित्रण से प्रेरित डिजाइन का बेजोड़ संगम है।

आईआईटी मद्रास बना सैमसंग ईडीजीई कैंपस प्रोग्राम के छठे संस्करण का विजेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सबसे बड़े और सबसे भरोसेमंद कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग द्वारा आयोजित सैमसंग ईडीजीई के छठे संस्करण का समापन हो गया है। इस पैन इंडिया कैंपस प्रोग्राम में 20 शीर्ष संस्थानों के 5,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। आईआईटी मद्रास की टीम एकेआर मेंडर्स के राघव तलवार, अभिनव नाहटा और कुश गनात्रा ने पहला पुरस्कार प्राप्त किया। एआई रिकमंडेशन, एआर/वीआर, एवं क्यूआर कोड इंटीग्रेशन का उपयोग करते हुए डायरेक्ट टू कंज्यूमर बिजनेस के संदर्भ में यूजर जर्नी के प्रत्येक चरण को ऑप्टीमाइज़ करने के उनके खास सॉल्यूशन ने जूरी को सबसे अधिक प्रभावित किया। पुरस्कार के रूप में उन्हें 400,000 रुपये का नकद पुरस्कार और सैमसंग के फ्लैगशिप स्मार्टफोन प्रदान किए गए।

सीएमआर के सहयोग से किया गया अध्ययन

वीवो का-स्विचऑफ3.0 रिपोर्ट

- 74% माता-पिता स्वीकार करते हैं कि स्मार्टफोन के अत्यधिक उपयोग ने उनके बच्चों के साथ उनके संबंधों को प्रभावित किया
- 84% लोग इस बात से सहमत हैं कि स्मार्टफोन उन्हें अपने प्रियजनों से जुड़े रहने, उनकी उत्पादकता बढ़ाने और उनके जीवन स्तर में सुधार करने में मदद करते हैं।
- 66% भारतीय माता-पिता स्वीकार करते हैं कि वे अपने बच्चों के साथ समय बिताते हुए हमेशा अपने स्मार्टफोन पर व्यस्त रहते हैं।
- 90% माता-पिता महसूस करते हैं कि उनके बच्चों में नैतिक और सामाजिक व्यवहार की कमी है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। इनोवेटिव ग्लोबल स्मार्टफोन ब्रांड, वीवो ने आज बच्चों और उनके माता-पिता दोनों द्वारा मोबाइल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग के कारण बच्चों पर पड़ रहे व्यवहारिक प्रभाव पर केंद्रित अध्ययन शीर्षक 'मानव संबंधों पर स्मार्टफोन का प्रभाव 2021' के तीसरे संस्करण के निष्कर्षों की घोषणा की। सीएमआर के सहयोग से किए गए इस अध्ययन में उपयोगकर्ताओं पर स्मार्टफोन के प्रभाव और रिश्तों पर इसके प्रभाव को दिखाया गया है। स्विच ऑफ का तीसरा संस्करण विशेष रूप से संबंधों के डायनामिक्स पर आधारित है जो स्मार्टफोन के अत्यधिक उपयोग और हमारे जीवन में इसकी व्यापक उपस्थिति के संदर्भ में है। अध्ययन स्मार्टफोन के उपयोग से जुड़े विभिन्न ट्रेंड्स, पैटर्न पर प्रकाश डालता है और उपभोक्ताओं के बदलते व्यवहार का विश्लेषण करता है। रिपोर्ट के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, योगेंद्र श्रीरामुला, निदेशक, ब्रांड स्ट्रेटेजी, वीवो इंडिया ने कहा, यह एक निर्विवादित तथ्य है कि स्मार्टफोन हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है, जिससे हमें काम और सामाजिक दायरे से जुड़े रहने में मदद मिलती है। इससे हमें जानकरी मिलती है और हमारी उत्पादकता में सुधार होता है। हालांकि, इसका अत्यधिक उपयोग मानवीय संबंधों और व्यवहार को प्रभावित कर रहा है। 2019 और 2020 में वीवो द्वारा अध्ययन में रिश्तों पर पड़ रहे व्यापक प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया है। 2021 के वीवो सीएमआर अध्ययन में, हम माता-पिता से कुछ ऐसा पूछना चाहते थे जो उनके अचेतन मन को पहले से ही पता हो - क्या स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग उनके बच्चों के साथ उनके संबंधों में बाधा उत्पन्न कर रहा है और उनके मनोवैज्ञानिक और मानसिक विकास को प्रभावित कर रहा है? एक ब्रांड के तौर पर जो लोगों को खुशी देना चाहता है, यह अध्ययन वास्तव में माता-पिता के लिए एक संदेश है कि उन्हें अपने स्मार्टफोन के उपयोग के प्रति सावधान रहना चाहिए, खासकर अपने बच्चों के साथ उनका उपयोग करते समय।

एनटीपीसी ने अस्पतालों के साथ क़रार में 14 स्टेशनों पर टेलीमेडिसिन सेंटरों के दूसरे चरण की शुरूआत की

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी एकीकृत विद्युत कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने देश भर में अपने 14 स्टेशनों/ परियोजनाओं में रिमोट टेलीमेडिसिन सेंटरों के दूसरे चरण की शुरूआत की है। एनटीपीसी लिमिटेड के सीएमडी गुरदीप सिंह ने सी-डीएसी के साथ वर्चुअल रूप से टेलीमेडिसिन सेंटरों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डी. के. पटेल, डायरेक्टर (एचआर), एमएसडी, भट्टमिश्रा ईडी (एचआर), कर्नल अश्नीत नाथ (सेवानिवृत), डीजी सी-डीएसी भी मौजूद थे। एनटीपीसी, अपने पावर प्लांट्स के सभी दूर-दराज के स्थानों पर चिकित्सा सेवाओं को सुलभ बनाने के लिए प्रयासरत है। ये टेलीमेडिसिन सेंटर कर्मचारियों और उनके परिवारों को विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ नि:शुल्क कन्सलटेशन उपलब्ध कराएंगे। मरीज़ वीडियो कॉलिंग के ज़रिए संगठन के अंदर या बाहर डॉक्टरों के साथ जुड़ सकेंगे।

ऑनलाइन आवेदन कर चुके स्टूडेंट्स के रिजेक्ट हुए फार्म फिर से अनलॉक, कागजात दे सकेंगे गार्जन

आरटीई में एडमिशन 20 दिसम्बर तक

जयपुर (कासं)। राज्य के प्राइवेट स्कूल्स में राइट टू एज्यूकेशन आरटीई के तहत एडमिशन अब बीस दिसम्बर तक हो सकेंगे। दरअसल, शिक्षा विभाग ने पूर्व में आवेदन कर चुके स्टूडेंट्स के फार्म को चैक करने की लास्ट डेट बढ़ाकर बीस दिसम्बर कर दी है। ऑनलाइन एडमिशन के प्रोसेस में परिवर्तन होने से बड़ी संख्या में स्कूल संचालकों ने फार्म रिजेक्ट कर दिए थे, जबकि उनके प्रवेश हो सकते थे। ऐसे में रिजेक्ट फार्म को फिर से स्वीकार करने का अवसर दिया गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से जारी आदेश के अनुसार सेशन 2021-22 में आरटीई प्रवेश के लिए जारी टाईम फ्रेम के दौरान प्राइवेट स्कूल्स ने जिन आवेदन पत्रों को निरस्त किया है, उन्हे पुनः अनलॉक कर

दिया गया है ताकि पूर्व में भूलवश निरस्त फॉर्म पर उचित कार्यवाही की जा सकें। ये फार्म अब स्वीकृत भी हो सकते हैं और निरस्त भी। साथ ही गार्जन से जरूरी कागजात भी अब लिए जा सकते हैं। प्राइवेट स्कूल्स बीस दिसम्बर तक नॉनआरटीई स्टूडेंट्स के अनुपात में नियमानुसार आरटीई छात्रों को प्रवेश दे सकेंगे। इसके लिए निर्धारित दिनांक तक जैसे-जैसे नॉनआरटीई छात्रों की एन्ट्री की जाएगी, पोर्टल द्वारा स्वतः ही वरीयता क्रम में आने वाले आरटीई छात्र संबंधित विद्यालय के लॉगिन में प्रवेश हेतु प्रदर्शित होने लगेगे। अतः सभी स्कूल्स अब नॉन आरटीई छात्रों की पोर्टल पर प्रविष्टि करवाना सुनिश्चित कर सकेंगे।

गार्जन को देनी होगी सूचना

प्राइवेट में सत्यापित आरटीई छात्र यदि विद्यालय में बीस दिसम्बर तक आवेदन की हस्ताक्षरित प्रति जमा नहीं करवाता है तो स्कूल्स को गार्जन को टेलीफोन या अन्य माध्यम से निर्धारित समय मे सम्पर्क कर जानकारी देनी होगी कि उनका फार्म कागजातों के अभाव में निरस्त हो रहा है। ऐसे में वो अपने कागजात जमा करा दें।अगर इसके बाद भी गार्जन कागजात नहीं देता है तो फार्म निरस्त हो सकता है।

आयुर्वेद डॉक्टर और 8 साल की बेटी कोरोना पॉजिटिव

बीकानेर में कुल तीन कोरोना पॉजिटिव मिले, बच्ची नहीं जा रही है स्कूल; एक्टिव केस 18 हुए

बीकानेर (कासं)।

महज आठ साल की एक लड़की सहित मंगलवार को बीकानेर में तीन कोरोना पॉजिटिव फिर मिले हैं। इसके साथ ही कोरोना एक्टिव केस पंद्रह से बढ़कर 18 हो गए हैं। हालांकि पहले से संक्रमित सभी रोगियों की स्थिति नियंत्रण में है। पीबीएम हॉस्पिटल से भी एक को छुट्टी दे दी गई है।

हेल्थ डिपोर्टमेंट की ओर से जारी रिपोर्ट में नोडल अधिकारी डॉ. बी.एल. मीणा ने एक ही कोरोना पॉजिटिव बताया है, जबकि रिपोर्ट्स में दो पॉजिटिव का जिक्र है। इनमें एक आठ साल की लड़की है। इसकी आरटीपीसीआर जांच रेलवे स्टेशन पर किया गया था। ये बच्ची जयनारायण व्यास कॉलोनी की रहने वाली है। ये बच्ची सोफिया स्कूल की स्टूडेंट है लेकिन नवंबर के बाद से स्कूल नहीं गई। बच्ची के परिजनों ने को बताया कि नवंबर में दो-तीन दिन ही स्कूल गई थी। इसके बाद से अवकाश पर है। उसे सामान्य सर्दी जुकाम है। वहीं साठ साल की एक महिला भी पॉजिटिव आई है। ये महिला तिरुपति अपार्टमेंट में रहती है। तीसरा कोरोना पॉजिटिव भी जयनारायण व्यास कॉलोनी से 41 वर्षीय युवक है। उसकी जांच भी रेलवे स्टेशन पर की गई थी। ये भी आयुर्वेदिक डॉक्टर है।

बीकानेर में वैक्सीनेशन

सोमवार को बीकानेर के 195 केंद्रों पर 10,320 लोगों को कोरोना वैक्सीन लगाई गई। इसमें 2 हजार 211 को पहली डोज लगी जबकि 8 हजार 109 को दूसरी खुराक दी गई। शहर के लगभग हर अस्पताल में अब वैक्सीनेशन हो रहा है। दस से अधिक सीनियर सिटीजन होने पर घर जाकर भी टीका लगाया जा रहा है।

मंत्री ने राहुल के बयान को बताया गीता का सार

शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला बोले- जो सत्य का सहारा लेते हैं, वो ही हिंदू हैं

बीकानेर (कासं)। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी के हिंदू और हिंदुत्ववादी के बयान को राजस्थान के शिक्षा मंत्री ने गीता का ज्ञान बताया है। शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने कहा कि ये गीता सहित सभी ग्रंथों का सार है कि जो सत्य का सहारा लेते हैं, वो ही हिंदू हैं। भाजपा पर बड़ा हमला करते हुए डॉ. कल्ला ने कहा कि भाजपा को ग्रंथों में विश्वास ही नहीं है, इसीलिए राहुल गांधी ने कहा कि ये हिंदुत्ववादी है, हिंदू होने का ढोंग कर रहे हैं। एक दिन की यात्रा पर बीकानेर आए डॉ. कल्ला ने खास बातचीत में कहा कि राहुल गांधी ने जयपुर रैली में जो कहा है, वही ग्रंथों का सार है। गीता में ही कहा गया है कि सत्यम परम धिमहि...। सत्य को ही धर्म माना गया है। भाजपा सिर्फ हिंदू होने का ढोंग कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग हकीकत में तो हिंदू धर्म को जानते नहीं है। डॉ. कल्ला ने संस्कृत के एक श्लोक का उच्चारण करते हुए दावा किया कि इसी श्लोक के आधार पर राहुल गांधी ने धर्म और सत्य की बात कही है। शिक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा सिर्फ धन के आधार पर चुनाव लड़ना चाहती है। वो सत्ता के लिए चुनाव लड़ रही है।

स्वयं पर हुए हमले को याद किया

डॉ. कल्ला ने विधानसभा चुनाव में भारत माता की जय बोलने से मना करने के मुद्दे को याद करते हुए कहा कि तब भी भाजपा झूठ का सहारा लेकर चुनाव जीतना चाहती थी। सब जानते हैं कि मैं भारत माता के लिए जान दे सकता हूं।

राहुल की रैली से लौटकर विधायक का डीजे पर डांस

शादी समारोह में समर्थकों के कंधों पर बैठकर नाचे पायलट समर्थक विधायक इंद्राज गुर्जर

जयपुर (कासं)। विराटनगर से कांग्रेस विधायक इंद्राज सिंह गुर्जर का शादी समारोह में किए गए डांस का वीडियो जमकर शेयर हो रहा है। रविवार को जयपुर में राहुल गांधी की रैली से लौटने के बाद विधायक इंद्राज गुर्जर ने अपने विधानसभा क्षेत्र विराटनगर के नीमली गांव में शादी समारोह में हिस्सा लिया। शादी समारोह में डीजे बजता देख विधायक भी खुद को रोक नहीं पाए और जमकर डांस किया। विधायक को उनके समर्थकों ने कंधों पर उठा लिया। विधायक इंद्राज गुर्जर ने समर्थकों के कंधों पर ही थिरकना जारी रखा। विधायक के इस अंदाज को उनके समर्थक खूब शेयर कर रहे हैं। विधायक इंद्राज सिंह गुर्जर ने कहा कि नीमली गांव में शादी समारोह में गया था, वहां समर्थकों ने डांस का आग्रह किया था तो उनका मन रखने के लिए डांस कर लिया। खुशियां बांटने से ही बढ़ती हैं। इसे इसी रूप में देखा जाना चाहिए। इन दिनों शादियों का सीजन है और नेता भी इनमें शामिल हो रहे हैं। हर दिन किसी न किसी विधायक के शादी समारोह में डांस के वीडियो आ रहे हैं। पहली बार जीतकर आने वाले युवा विधायकों के डांस के वीडियो ज्यादा आ रहे हैं। पहले आमतौर पर आदिवासी अंचल के विधायकों के डांस करते वीडियो ही ज्यादा आते थे, अब यह ट्रेंड सब जगह फैल रहा है। पिछले दिनों डेगाना विधायक विजयपाल मिर्धा का भी शादी समारोह में डांस का वीडियो आया था।

यूरिया खाद की किल्लत बरकरार, किसान हो रहे परेशान

घंटों लाइन में लगे रहे, सैंकड़ों खाली हाथ लौटे

केवीएसएस में 900 व भूरीभड़ाज जीएसएस में पहुंचे 780 कट्टे

कोटपूतली (कासं)। इलाके में यूरिया खाद की किल्लत लगातार बनी हुई है। किसान खेती का काम छोड़कर दिनभर यूरिया खाद का जतन करने के लिए इधर-उधर चक्कर लगाने को विवश हैं। इसके बाद भी पर्याप्त यूरिया खाद नहीं मिल पा रहा है। मंगलवार को कोटपूतली क्रय-विक्रय सहकारी समिति में यूरिया खाद के कुल 900 बैग तथा भूरीभड़ाज ग्राम सेवा सहकारी समिति में 780 बैग पहुंचे। जिसे लेने के लिए किसानों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। खाद लेने के लिए लम्बी लाइन लगी थी और किसान अपनी बारी आने का इंतजार करते देखे गए। दोनों केन्द्रों पर पुलिस मौजूद रही। कोटपूतली केवीएसएस में भीड़ की अधिकता के चलते हाईवे की सर्विस लेन पर जाम की समस्या पैदा हो गई। हांलाकि, सूचना पर पहुंचे ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने व्यवस्था संभाली, तब जाकर मामूली राहत मिली। किसानों का कहना है कि पांच दिन से ज्यादा दिन तक पानी लग गया और यूरिया नहीं डला है, जिससे उन्हें फसल के खराब होने का डर बना है।

घंटों कतार में, मिले की सिर्फ दो कट्टे

कोटपूतली के भूरीभड़ाज जीएसएस पर खाद के लिए उमड़ी किसानों की भीड़।

अभी 1500 टन खाद की जरुरत

खाद की मांग अभी बरकरार है। क्षेत्र में फिलहाल 1500 टन यूरिया खाद की जरुरत है। आने वाले समय में आपूर्ति होने की संभावना बताई जा रही है, लेकिन यदि समय पर खाद उपलब्ध नहीं हुआ तो किसानों की परेशानी बढ़ सकती है। कृषकों के क्षेत्रीय अधिकारी रतनलाल यादव ने बताया कि कोटपूतली क्षेत्र में वे अब तक 285.65 टन खाद की आपूर्ति कर चुके हैं। आगामी चार दिनों में और खाद यहां पहुंचाई जाएगी। इसी प्रकार आईपीएल भी इलाके में 85 टन खाद की आपूर्ति कर चुका है।

: कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार पानी लगने के पांच दिन के अंदर यूरिया खाद आवश्यक रूप से डाली जानी चाहिए। तब ही फसल की गुणवत्ता बेहतर बनी रहती है। घंटों लाइन में खड़े होने के बाद भी लोगों को यूरिया के दो-दो कट्टे ही दिए गए। केवीएसएस के मुख्य व्यवस्थापक ओमप्रकाश यादव ने बताया कि कुल 900 बैग पहुंचे और उसे लेने के लिए लगभग उतने ही किसान पहुंच गए। अधिकतम दो-दो कट्टे दिए गए, उसके बाद भी आधे किसानों को ही यूरिया मिल सकी। शेष किसानों को बैरंग लौटना पड़ा। भूरीभड़ाज जीएसएस के व्यवस्थापक मुकेश कुमार स्वामी ने बताया कि यहां लंबे इंतजार के बाद खाद पहुंची। गाड़ी में सिर्फ 780 बैग ही थे, जिसे लेने के लिए अल सुबह से ही किसानों की कतार लग गई। व्यवस्था संभालने के लिए जीएसएस के अध्यक्ष बूलाराम स्वामी, टोरडा जीएसएस के व्यवस्थापक अजय कुमार पारीक, द्वारिकपुरा समिति के व्यवस्थापक महेन्द्र गुर्जर, मांजूकोट के व्यवस्थापक पवन पाराशर, सहित पूर्व सरपंच रामजीलाल, सूंडाराम , विक्रम यादव आदि का सहयोग लेना पड़ा।

बागड़ा ब्राह्मण सम्मान समारोह को लेकर बैठक

दौलतपुरा (कासं)।.अखिल भारतीय बागड़ा ब्राह्मण महासभा की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष बद्री नारायण बागड़ा की अध्यक्षता में मेहता स्कूल प्रांगण में आयोजित हुई। बैठक में महासभा द्वारा 19 दिसंबर 2021 को आयोजित होने वाली बागड़ा समाज जनप्रतिनिधि, प्रतिभा सम्मान समारोह 2021 की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई तथा कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया। राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं कार्यक्रम संयोजक पुरुषोत्तम शर्मा ने बताया कि जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह में समाज के प्रधान, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्यों नगर पालिका व नगर निगम के पार्षद गणों का अभिनंदन किया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री सूरजमल चौधरी, कोषाध्यक्ष प्रह्लाद किशन शर्मा, संयोजक राधेश्याम मेहता, मदन लाल सीमावत ,शिवराम बाबा, कैलाश मेहता, मनमोहन मेहता, भरत शरण शर्मा , प्रभु दयाल, रामगोपाल पतालिया, मंगल चंद ,नेतराम शर्मा ,राकेश मेहता ,रामदयाल, रमेश पतालिया ,सहित महासभा पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

नाबालिग का चैलेंज था- मुझे ढूंढ़ लो, 10 लाख दूंगा

फिरौती के लिए विदेशी नाम से इंस्टा अकाउंट बनाया, झांसा दिया- मैं फिलीपींस में हूं

नागौर (कासं)। पबजी और फ्री फायर की उधारी चुकाने के लिए 12 साल के चचेरे भाई की गला दबाकर हत्या करने वाला नाबालिग खुद को टेक्नोलॉजी में गुरु समझता था। उसे पूरा यकीन था कि पुलिस और मृतक के परिवार वाले उस तक कभी नहीं पहुंच पाएंगे। उसने मृतक के अंकल से 5 लाख की फिरौती मांगने के साथ ही चैलेंज दिया था कि वो उसे कभी नहीं ढूंढ सकते। अगर ढूंढ लिया तो वो 10 लाख रुपए दे देगा। फिरौती मांगने के लिए भी नाबालिग ने जो फेक इंस्टाग्राम आईडी बनाई उसका नाम माटाबार हैकर्स रखा ताकि आईडी किसी विदेशी पब हैकर की लगे। क्योंकि मृतक प्रवीण के परिवार ने भी लापता होने के शक में बेटे के पबजी और फ्री फायर की लत का जिक्र किया था। इस आईडी का नाम रखा तेरा बाप। नाबालिग ने मासूम की हत्या के बाद उसके मोबाइल का सिमकार्ड निकालकर फोन अपने पास रख लिया था। फेक आईडी से वो प्रवीण के असम में बैठे अंकल से फिरौती के लिए लगातार चैटिंग करता रहा। सबूत के तौर पर उन्हें मासूम के मोबाइल बैक कवर, चप्पलों और मासूम के चेहरे की फोटो भी भेजी। नाबलिग ने बड़े भाई का मोबाइल चोरी कर ईमित्र पर मोबाइल चोरी की गुमशुदगी की रिपोर्ट भी लिखवाई। नाबालिग को इस प्रोसेस से खुद का आईपी एड्रेस ट्रेक नहीं होने और पुलिस पकड़ में नहीं आने का भरोसा था। इसी के चलते उसने इंस्टाग्राम चेटिंग में मासूम के अंकल और पुलिस को उसे पकड़ने पर 10 लाख रुपए इनाम देने का चैलेंज भी कर दिया था। नाबलिग आरोपी ने मृतक के अंकल को चैटिंग के दौरान बताया कि वो अभी फिलीपींस में है। मासूम उसके माटाबर हैकर्स ग्रुप के कब्जे में है। जो दिल्ली में है। उसने कहा कि मिलना है तो दिल्ली आ जाओ। बात करने के लिए फिलीपींस कोड के इंटरनेशनल नंबर भी दिए, जो फेक थे। पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि ये नंबर उसने गूगल करके निकाले थे। उसने बताया कि मासूम के गायब होने के बाद परिवार की धारणा बन चुकी थी कि ऑनलाइन गेमिंग की लत के चलते चला गया है। उसने यही सोचकर माटाबार हैकर्स (फेक आईडी) इंस्टाग्राम आईडी बनाई थी। दरअसल, 8 दिसंबर को धुड़ीला गांव का प्रवीण शर्मा (12) अपनी मम्मी का मोबाइल लेकर घर से गायब हो गया था। प्रवीण के चाचा नरेश पुत्र पन्नालाल शर्मा ने अगले दिन पुलिस थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि प्रवीण को पबजी और फ्री फायर खेलने की आदत थी। इस पर पुलिस ने सायबर तकनीक से प्रवीण की तलाश शुरू कर दी। वहीं, इस बीच असम में बैठे प्रवीण के अंकल को एक इंस्टाग्राम आईडी से मैसेज आया कि प्रवीण उसके पास दिल्ली में आ गया है। अगर उसे ज़िंदा चाहते हो तो 5 लाख रुपए का इंतजाम कर लो। परिजनों ने तुरंत ही इस बात की जानकारी पुलिस को दी।

ऐसे हुआ खुलासा

पुलिस ने सायबर तकनीक से जांच-पड़ताल शुरू की तो पता चला कि जिस इंस्टाग्राम आईडी से फिरौती मांगी जा रही थी, उसका ढ्ढक्कएड्रेस मासूम के साथ गायब हुए मोबाइल का था। लोकेशन उसके गांव की ही आ रही थी। इस पर गांव के लोगों से पूछताछ की गई। पता चला कि आरोपी नाबालिग ही प्रवीण के साथ सबसे ज्यादा रहता था। ट्रेस करने पर उसकी लोकेशन भी मृतक के आसपास ही मिली। मोबाइल में इंटरनेट दूसरे मोबाइल के हॉटस्पॉट से चलाया जा रहा था। चचेरे भाई से पूछताछ की उसने पूरे मामले का खुलासा कर दिया।

मंत्री के बेटे की शादी, जश्न में फायर

बांसवाड़ा (कासं)। गहलोत सरकार में कैबिनेट मिनिस्टर महेंद्रजीत सिंह मालवीया के बेटे और पूर्व की भाजपा सरकार में राज्य मंत्री रहे धनसिंह रावत की बेटी के रिसेप्शन में जश्न में जमकर फायरिंग की गई। बांसवाड़ा में सोमवार को शादी का रिसेप्शन था, बड़ी संख्या में मेहमानों को आमंत्रित किया गया था। समारोह में जमकर फायर किए गए और उस समय मंत्री मालवीय भी मौजूद थे।इस शादी समारोह के जश्न में बंदूक से गोलियां दागने के वीडियो भी सामने आए हैं। इनमें दिखाई दे रहा है कि मेहमानों के साथ घर वाले भी गेर नृत्य कर रहे हैं। इस नृत्य के दौरान कुछ लोगों के हाथ में बंदूकें हैं। इस बीच रुक कर दो लोगों ने तीन बंदूकों से एक साथ फायर किया। लोगों ने तालियां बजाकर जश्न मनाया। यह विवाह समारोह धनसिंह रावत के हाउसिंग बोर्ड स्थिति निवास पर बनाए गए पांडाल में आयोजित किया गया था। जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए। मंत्री मालवीया के बेटे चंद्रवीर सिंह मालवीया कॉलेज के डायरेक्टर हैं।

जयपुर के रामबाग पैलेस को 'बेस्ट लग्जरी होटल' का खिताब

ताज ग्रुप का सबसे महंगा होटल

जयपुर (कासं)। जयपुर के द आइकोनिक रामबाग पैलेस को बेस्ट लग्जरी होटल का अवार्ड मिला है। यह होटल देश के विख्यात ताज होटल ग्रुप की चेन है। यह अवार्ड ट्रैवल प्लस लेजर इंडिया मैगजीन ने दिया है। पाठकों के माध्यम से मैगजीन ने सर्वे कराया। इसके बाद 'ट्रैवल प्लस लेजर इंडियाज बेस्ट अवार्ड्स 2021% की घोषणा की गई। रामबाग पैलेस जितना आलीशान है, उतना ही महंगा भी। इसे देश का सबसे महंगा होटल भी कहा जाता है। होटल में %सुख निवास एंड सूर्यवंशी सुइट% सबसे महंगा है। इसके कमरों से नाहरगढ़ किला और अरावली का हिल व्यू देखा जा सकता है। होटल के कमरे आपको महाराजा या महारानी की फीलिंग देते हैं। इसमें अलग-अलग रूम और सुइट का किराया 2.50 लाख से 10 लाख रुपए तक है। इतने पैसों में कोई कार तक खरीद सकता है। इसमें एक रॉयल डाइनिंग रूम और एक मास्टर बेडरूम के साथ ड्रेसिंग एरिया है। इस सुईट में कई सेलेब्स, रॉयल फैमिली के लोग, बिजनेसमैन,फॉरेनर्स रुकना पसंद करते हैं। रामबाग पैलेस होटल की लग्जरी और खूबसूरती। बेस्ट लग्जरी होटल अवॉर्ड मिलने पर खुशी जताते हुए रामबाग पैलेस होटल के जनरल मैनेजर अशोक राठौड़ ने कहा- प्रतिष्ठित अवॉर्ड को जीतना सम्मान की बात है। इससे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों के रूप में राजस्थान और जयपुर पर ज्यादा फोकस करने में मदद मिलेगी। ये पुरस्कार सालों से टीम की लॉयल्टी का रिजल्ट है। मैं अपने सभी मेहमानों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने रामबाग पैलेस को अपने पसंदीदा लग्जरी होटल के रूप में वोट दिया।

ज्वैल ऑफ जयपुर कहलाता है रामबाग पैलेस

रामबाग पैलेस को 'ज्वैल ऑफ जयपुर' भी कहा जाता है। साल 1835 में इसे बनाया गया था। यह शाही गेस्ट हाउस और शिकार लॉज बना। साल 1925 में रामबाग पैलेस जयपुर के महाराजा का परमानेंट रेजिडेंस बन गया। रामबाग पैलेस अपने मेहमानों को राजपूती मेहमान नवाजी की बेहतरीन परम्परा के साथ शाही जिन्दगी का एक्सपीरियंस करवाता है। वो भी ऐसी लग्जरी, जो कभी केवल राजाओं को हासिल थी। यह पैलेस 47 एकड़ में बना है।

दुल्हन नहीं मिली तो वापस लौटा दुल्हा और बाराती

मैरिज ब्यूरो संचालक बताकर एक युवक की शादी के बहाने बहन से ठगे 2 लाख रुपए, बारात लेकर पहुंचे गार्डन पर मिला ताला

जयपुर (कासं)। जयपुर में मैरिज ब्यूरो संचालक बताकर तीन लोगों ने एक महिला को उसके भाई की शादी करवाने का भरोसा दिलाया। एक होटल में लड़की दिखाई। रिश्ता पक्का करवाया और फिर शादी के खर्च के बहाने दो लाख रुपए वसूल कर लिए। भाभी को घर लाने का अरमान लिए बहन नाचते गाते रिश्तेदारों के साथ भाई की बारात लेकर मैरिज गार्डन पहुंची तब वहां गेट पर ताला लगा नजर आया। ना दुल्हन नजर आई और नाहीं घर वाले। बारात को बैरंग लौटना पड़ा। घटना के बाद पीड़िता महिला ने रकम लौटाने के लिए चक्कर काटे तो दो चैक सौंप दिए। वे भी बाउंस हो गया। आखिरकार ठगी का शिकार हुई बहन ने कानोता थाने में सोमवार को केस दर्ज करवाया।

यह है शादी करवाने के बहाने ठगी का पूरा वाकया

जानकारी के अनुसार जमवारामगढ़ में रहने वाली गुड्डी देवी ने रिपोर्ट में बताया कि उसके भाई कजोड़ जांगिड़ की शादी नहीं हो रही थी। वे कई साल से लड़की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान उसकी मुलाकात गांव के गंगाराम नामक व्यक्ति से हुई। उसने कानोता में कृष्णा होटल में सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में विवाह करवाए जाने की जानकारी दी। तब गुड्डी अपने भाई कजोड़ व परिवार के सदस्यों के साथ होटल कृष्णा पहुंची। वहां पीड़ित परिवार की मुलाकात गायत्री देवी, श्रवण सिंह और राहुल जांगिड़ से हुई। उन्होंने बताया कि वे मैरिज ब्यूरो चलाते है। अविवाहित लड़के व लड़कियों के काफी शादी संबंध करवा चुके है। उन तीनों ने गुड्डी को भी उसके भाई की शादी करवाने का आश्वासन दिया। विवाह के लिए करीब ढाई लाख रुपए खर्च आना बताया। फिर रजिस्ट्रेशन शुल्क और अन्य खर्च बताकर एडवांस 2.11 लाख रुपये जमा कर लिए। उन्होंने गुड्डी देवी और उसके भाई कजोड़ को होटल में मौजूद कुछ लड़कियां दिखाई। उनमें से एक लड़की कजोड़ और उसके परिवार को पसंद आ गई।

20 जुलाई को बारात लेकर एक बगीची में बुलाया, वहां दरवाजे पर मिला ताला

पीड़िता गुड्डी ने आरोप लगाया है कि गायत्री देवी, श्रवण सिंह और राहुल जांगिड़ ने 50 बाराती लेकर उसके भाई कजोड़ की बारात 20 जुलाई को लूनियावास स्थित हनुमान मंदिर बगीची में लाने की बात कही। तय तारीख पर गुड्डी देवी अपने भाई कजोड़ की बारात लेकर बगीची पर पहुंची। लेकिन वहां पर कोई भी मौजूद नहीं मिला। गेट पर ताला लगा था। वहां ना कोई सजावट थी और नाहीं कोई व्यवस्था।

साइकल प्योर ने मिलेनियल्स और युवाओं के लिए तैयार की 'भगवद गीता इन 3 मिनट्स'

ब्रांड ने 18 अध्यायों की शाश्वत शिक्षाएं कर दी हैं 18 वाक्यों में समाहित

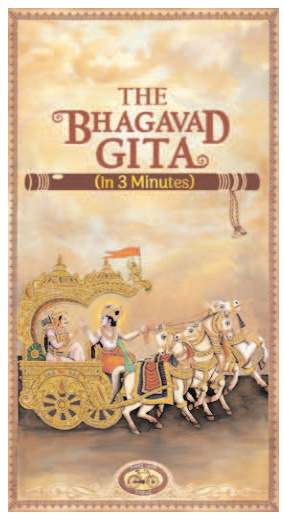

बेंगलूरु। गीता जयंती के शुभ अवसर पर भारत के सबसे अधिक बिकने वाले पूजा सामग्री ब्रांड साइकल प्योर अगरबत्ती ने 'भगवद गीता इन 3 मिनट्स' प्रस्तुत की है ताकि युवा मिलेनियल्स को शाश्वत ज्ञान प्राप्त हो सके और उन्हें दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं से निपटने में मदद मिल सके।भगवद गीता की शाश्वत प्रासंगिकता आवश्यकता से अधिक सक्रिय डिजिटल युग में बढ़ रहे मिलेनियल्स तथा युवा पीढ़ी के लिए और भी प्रासंगिक है। गीता की गूढ़ किंतु व्यावहारिक शिक्षाएं तनाव, भ्रम, ध्यान तथा प्रेरणा की कमी जैसी समस्याओं से निपटने में उनके लिए सहायक हो सकती हैं। कम तथा भटकते ध्यान की समस्या बनी हुई है। मिलेनियल मुश्किल से 8 से 12 सेकंड के बीच ही ध्यान केंद्रित कर पाता है। भगवद गीता इन 3 मिनट्स को https//l.cycle.in/gita से 8 भारतीय भाषाओं तथा 6 विदेशी भाषाओं में बिल्कुल मुफ्त डाउनलोड किया जा सकता है।डिजिटल पुस्तक के विषय में साइकल प्योर अगरबत्ती के प्रबंध निदेशक श्री अर्जुन रंगा कहते हैं, भारतीय विरासत तथा संस्कृति को संजोकर रखने के अपने अभियान को जारी रखते हुए हम वर्तमान तथा भावी पीढ़ियों का परिचय गीता की शाश्वत तथा कालातीत शिक्षाओं से कराना चाहते थे। हमारे मिलेनियल्स को इस व्यावहारिक ज्ञान से परिचित कराने तथा इसकी प्रति उन्हें भेंट करने के लिए गीता जयंती एकदम सही अवसर है। गीता के प्रत्येक अध्याय को 8-10 सेकंड में पढ़ा जा सकता है। सभी 18 अध्यायों से प्रमुख शिक्षाओं को केवल 3 मिनट में पढ़ा जा सकता है। प्रत्येक अध्याय के सार को विद्वानों ने प्रमाणित किया है। रंगा कहते हैं, अपने उद्देश्य की दिशा में चलते हुए हम चाहते हैं कि हमारी भावी पीढ़ियां शाश्वत संस्कृति और विरासत पर गर्व करें। हम चाहते हैं कि वे हमारी समृद्ध संस्कृति से जुड़ें तथा ज्ञान प्राप्त करें।पुस्तक में कथा चित्रण के लिए भारतीय कला की 10 अलग-अलग शास्त्रीय शैलियों का प्रयोग किया गया है, जिनमें तंजौर, कलमकारी, पिचवाई, केरल भित्तिचित्र, मधुबनी, मिथिला, राजस्थानी लघु चित्रकारी, कालीघाट तथा फड़ शामिल हैं। परंपरागत रूप से चित्रकला की इन शैलियों का प्रयोग विभिन्न क्षेत्रों में अभिनय के दौरान भगवान कृष्ण को दर्शाने के लिए किया जाता है। विभिन्न प्रकार के चित्रण से गीता देखने में आकर्षक तथा आध्यात्मिक रूप से समृद्ध बन गई है।

वन विभाग-राजस्थान की ओर नारायणा अस्पताल ने बढ़ाया सहयोग का हाथ, मिलकर बांटेंगे औषधीय पौधे

-औषधीय पौधे बांटने के साथ-साथ नारायणा हॉस्पिटल करेगा लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक

मरीजों को किफायती दामों में इलाज देने और समाज के हर तबके तक आधुनिक इलाज की पहुँच सुनिश्चित करने के लिए नारायणा मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल, जयपुर हमेशा से ही प्रतिबद्ध रहा है। कोविड महामारी का कठिन दौर ही क्यों न हो नारायणा हॉस्पिटल ने हर स्तर पर मरीजों की मदद की एवं लगातार जागरूकता कार्यक्रम भी करवाएं। अपने इन्हीं सिद्धांतों को आगे बढ़ाते हुए नारायणा मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल ने राजस्थान सरकार के वन विभाग की नि:शुल्क औषधीय पौधें बांटने की योजना (घर-घर औषधि योजना) में सहयोग करने का निर्णय लिया है। इस संयुक्त पहल के तहत अस्पताल मरीजों, कर्मचारियों एवं अपनी सहयोगी संस्थाओं में औषधीय गुणों से लैस पौधों जैसे- तुलसी, अश्वगंधा, गिलोय, कालमेघ आदि को बांटेगा, ताकि घर घर में ऐसे गुणकारी पौधे जा सके और उनके औषधीय गुणों का घरेलू उपचार एवं इम्युनिटी बूस्टिंग में इस्तेमाल किया जा सके।इस संयुक्त पहल का शुभारंभ हुआ नारायणा मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल, जयपुर में जहाँ वन विभाग के अधिकारी श्री ओमप्रकाश शर्मा (सहायक वन संरक्षक, जयपुर), उमेश गुप्ता (क्षेत्रीय वन अधिकारी, जयपुर) एवं श्री शम्भू लाल शर्मा (नोडल अधिकारी, घर-घर औषधि योजना, जयपुर) सहित नारायणा मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर बलविन्दर सिंह वालिया एवं क्लिनिकल डायरेक्टर डॉ. प्रदीप गोयल मौजूद रहे।कार्यक्रम में औषधीय गुणों से युक्त पौधों के विषय में जानकारी दी गई और उन्हें इस्तेमाल करने के तरीके भी बतायें गये ताकि इस विषय पर और जागरूकता बढ़ सके । अगले कुछ माह नारायणा हॉस्पिटल अपने जागरूकता कार्यक्रमों के अन्तर्गत इन औषधीय पौधों का वितरण करेगें जिससे इस पहल को और गति मिल सके।

अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी ने स्नातकोत्तर कार्यक्रम 2022 की घोषणा की

बेंगलुरु। अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बैंगलोर ने बेंगलुरु स्थित अपने पूर्णकालिक स्नातकोत्तर (फुल- टाईम पोस्ट ग्रेजुएट)कार्यक्रमों में प्रवेश की घोषणा की। विशेषताओं के बारे में बताते हुए अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, डायरेक्टर - स्टूडेंट अफेयरस अनुराग गुप्ता ने कहा, यूनिक लर्निंग एक्सपीरियंस : थ्योरी , प्रैक्टिस और रिसर्च पर मज़बूत पकड़ । मुख्य पाठ्यक्रम द्वारा क्षेत्र में समझ और दृष्टिकोण विकसित करना । बड़ी संख्या में अंत:विषय / विषय आधारित वैकल्पिक विकल्प। संचार, वित्त आदि जैसे कई क्षेत्रों में वर्कशॉप । कला, संगीत, सिनेमा, नृत्य, रंगमंच आदि में ओपन कोर्स । साप्ताहिक अतिथि व्याख्यान, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। इंटीग्रेटेड फील्ड प्रैक्टिस : साप्ताहिक अभ्यास, इमर्शन विसिट , संगठनात्मक इंटर्नशिप, फैकल्टी मेंटर्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स और इंडेपैंड फील्ड प्रोजेक्ट्स सहित सभी सेमेस्टर में फैले विभिन्न क्षेत्र के अनुभवों के अवसर । निपुण फैकल्टी टीम: शिक्षण, अनुसंधान और क्षेत्र अभ्यास में व्यापक अनुभव सहित 170 फैकल्टी । हाई फैकल्टी - स्टूडेंट्स रेश्यो, डेडीकेटेड फैकल्टी आवर्स फोर मीटिंग, क्लोज सपोर्ट मेंटोरिंग ।

फुलफिलिंग कैरियर ऑपर्च्युनिटी : सामाजिक क्षेत्र में प्रेरणा और क्षमता वाले पेशेवरों की आवश्यकता बढ़ रही है। हर साल कैंपस प्लेसमेंट में भाग लेने वाले 90 से अधिक संगठनों के साथ हमारा एक उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड है। प्लेसमेंट टीम छात्रों के लिए कई विकासात्मक कार्यशालाएं आयोजित करती है जो उन्हें सही करियर विकल्प बनाने में मदद करती है। वित्तीय सहायता : अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों का समर्थन करने के लिए एक स्पष्ट प्रतिबद्धता है। विश्वविद्यालय छात्रों की पारिवारिक आय के आधार पर ट्यूशन, आवास और भोजन पर व्यापक आवश्यकता-आधारित (100त्न, 75त्न, 50त्न और 25त्न) छात्रवृत्ति प्रदान करता है। 7 लाख से कम वार्षिक आय वाला कोई भी व्यक्ति छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकता है। विश्वविद्यालय सभी 2-वर्षीय पीजी प्रोग्राम्स . के लिए स्नातक के बाद न्यूनतम 3 वर्ष के अनुभव वाले उम्मीदवारों के लिए 50त्न शिक्षण शुल्क छूट प्रदान करता है ।अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, डायरेक्टर - स्टूडेंट अफेयरस अनुराग गुप्ता ने कहा, भारत जैसे विकासशील देश में, छात्रों को सामाजिक क्षेत्र में काम करने के लिए तैयार होने के लिए व्यवस्थित और औपचारिक रूप से प्रशिक्षित और शिक्षित करने की अत्यधिक आवश्यकता है। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय शिक्षा, विकास, अर्थशास्त्र, सार्वजनिक नीति और कानून में अपने स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के माध्यम से देश की इस आवश्यकता में योगदान देता रहा है। हमारा प्रयास सामाजिक क्षेत्र के लिए सक्षम, प्रतिबद्ध और प्रेरित पेशेवरों को तैयार करना है ।प्रवेश प्रक्रिया और तिथियां: छात्र, यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदकों का चयन शॉर्टलिस्ट किए गए छात्रों के लिए लिखित परीक्षा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा।

'मुझे अब भी अपने प्रिंस चार्मिंग का इंतजार है'

अंजलि तत्रारी

छोटे पर्दे पर सभी को इम्प्रेस करने के बाद एक्ट्रेस अंजलि तत्रारी एक और दिलचस्प शो 'तेरे बिना जिया जाए ना' के साथ लौट आई हैं, जिसका प्रीमियर हाल ही में ज़ी टीवी पर हुआ है और यह शो हर सोमवार से शुक्रवार रात 10 बजे प्रसारित किया जा रहा है। जहां अंजलि ने पहले ही इस शो में क्रिशा चतुर्वेदी के बेपरवाह, लेकिन जुनून से भरे किरदार के साथ सभी का दिल जीत लिया है, वहीं इस एक्ट्रेस ने हमें बताया कि उन्होंने यह शो क्यों चुना, वो इस किरदार से किस तरह जुड़ती हैं और कैसे वो भी ठीक उसी तरह अपने प्रिंस चार्मिंग का इंतजार कर रही हैं, जिस तरह क्रिशा अपने राजकुमार का इंतजार कर रही थी।

- 'तेरे बिना जिया जाए ना' शुरू हो चुका है और इसे बढ़िया रिस्पॉन्स मिल रहा है। क्या आप इस शो के बारे में और बता सकती हैं? दर्शकों को इसमें क्या खास देखने को मिलेगा?

मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि इस शो की एक शानदार शुरुआत हुई है और इसे कुछ बढ़िया रिव्यूज़ मिल रहे हैं। 'तेरे बिना जिया जाए ना' एक परीकथा वाला रोमांस है, जिसमें कायनात एक लड़की का सबसे सुंदर सपना साकार कर देती है, वो ये कि उसके सपनों का राजकुमार आकर उसके होश उड़ा दे! ये कहानी वहां से शुरू होती, जहां आकर बहुत-सी कहानियां खत्म हो जाती हैं। इस शो में इस सपने के सच हो जाने के बाद की कहानी है। ये कहानी अंबिकापुर की शाही रियासत पर आधारित है, जिसमें अदयपुर की एक सीधी-सादी लड़की क्रिशा चतुर्वेदी इस उम्मीद में अंबिकापुर के एक भव्य महल में आती है कि वो अपने सपनों के राजकुमार प्रिंस देवराज सिंह ठाकुर के साथ अपनी नई जिंदगी की शुरुआत करेगी। देवराज अंबिकापुर राजघराने का वारिस है और उसका अपना एक शाही अंदाज है। क्रिशा की दुनिया से अलग देवराज का परिवार अब भी रजवाड़ों की शान में रहता है और राज परिवार की हर परंपरा का पालन करता है। जहां क्रिशा इस परिवार में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही हैं और देवराज क्रिशा के लिए अपने प्यार और अपने परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों के बीच संतुलन बनाने में लगा है, वहीं क्या क्रिशा के लिए आगे खुशहाली होगी या फिर उसे खुद अपनी किस्मत की कमान संभालकर आगे आकर इसे पाना होगा?

- यह शो अब तक मनोरंजन चैनलों पर दिखाए गए दूसरे रोमांटिक ड्रामाज़ से किस तरह अलग है?

मुझे लगता है 'तेरे बिना जिया जाए ना' उन सभी शोज़ से अलग है, जिनमें मैंने आज तक काम किया है। असल में बहुत-सी कहानियों का अंत सपना सच हो जाने के साथ होता है, लेकिन हमारी कहानी क्रिशा के परीकथा वाले सपने के सच होने से शुरू होती है और इसके बाद जो होता है, वही इस कहानी का सार है। यह सिर्फदो लोगों की एक प्रेम कहानी नहीं है, बल्कि इसमें यह भी दिखाया गया है कि कैसे एक साधारण-सी लड़की शाही परिवार की सख्त परंपराओं में खुद को ढालती है और उस परिवार में अपनी जगह बनाती है। दूसरी ओर, दर्शक ये भी देखेंगे कि किस तरह देवराज को क्रिशा के लिए अपने प्यार और अपने परिवार के प्रति कर्तव्यों के बीच संतुलन बनाना पड़ता है।

- अपने किरदार के बारे में कुछ और बताएं। आप अपने किरदार से किस तरह जुड़ती हैं?

मेरा किरदार क्रिशा, उदयपुर की रहने वाली एक सीधी-सादी लड़की है, जो एक ऐसे असाधारण सफर की कगार पर है, जो उसकी जिंदगी हमेशा के लिए बदलने वाला है। बहुत-सी लड़कियों की तरह वो भी एक ऐसे राजकुमार के सपने देखती है, जो आकर उसका मन मोह ले और जिसके साथ वो खुशी-खुशी जिंदगी गुजारे। उसे लोगों की मदद करना और सभी से खूबसूरत रिश्ता बनाना बहुत अच्छा लगता है। असल में मैं क्रिशा को एक दमदार किरदार के रूप में देखती हूं और काफी हद तक उससे जुड़ती हूं। मेरे और उसके बीच इसी संबंध के चलते मैं इस किरदार में खुद को ढाल सकी और इसे अपना बना सकी।

- क्या इस रोल को निभाने के लिए आपने किसी खास तरह की रिसर्च या तैयारी की?

क्रिशा के किरदार निभाने के लिए मुझे बहुत-सी छोटी-छोटी चीजों में सुधार करने की जरूरत थी। चूंकि देवराज का परिवार अंबिकापुर के शाही लोग हैं, तो मुझे इसके लिए कुछ मेवाड़ी और राजस्थानी शब्द सीखने पड़े, जिन्हें वो अपनी रोज की जिंदगी में इस्तेमाल करते हैं। मुझे खुद को 'मैं' के बजाय 'हम' कहकर संबोधित करने की आदत डालनी पड़ी। इसके अलावा, मैंने उन परंपराओं और रीति-रिवाजों को समझने के लिए कुछ संदर्भों को भी देखा, ताकि मैं अपना किरदार सटीक तरीके से निभा सकूं। मुझे लगता है कि मेरी पूरी तैयारियों ने शूटिंग के दौरान मेरी काफी मदद की।

- टेलीविजन पर अपने अब तक के सफर को किस तरह परिभाषित करेंगी?

मैंने बहुत छोटी उम्र में अपने करियर की शुरुआत की थी और भगवान के आशीर्वाद से मुझे कुछ अच्छे मौके मिले, जहां मैंने इंडस्ट्री के कुछ बढ़िया लोगों के साथ काम किया। मैं कहना चाहूंगी कि यह एक खूबसूरत और शानदार सफर रहा, लेकिन अभी मुझे और आगे जाना है और इसे लेकर मैं काफी उत्साहित हूं।

- इस शो में हम देख रहे हैं कि एक लड़की का अपने सपनों के राजकुमार से शादी करने का सपना सच हो जाता है। तो क्या आपका भी रियल लाइफमें कोई प्रिंस चार्मिंग है? और परी कथाओं वाले विवाह को लेकर आपके क्या विचार हैं?

मैं भी अपने प्रिंस चार्मिंग का इंतजार कर रही हूं जिस तरह क्रिशा अपने सपनों के राजकुमार के इंतजार में थी। जब भी मुझे वो मिल जाएगा, तो मैं बिल्कुल आपको बता दूंगी। परी कथा वाली शादी की बात करूं तो मुझे लगता है कि अपनी जिंदगी में सभी ने कभी ना कभी इसके बारे में जरूर सोचा होगा, लेकिन मेरा ख्याल थोड़ा अलग है। मैं एक सीधी-सादी लड़की हूं इसलिए अपने सपनों के राजकुमार के साथ एक छोटा-सा साधारण विवाह मेरे लिए परी कथा वाले विवाह की तरह होगा। मैं भव्य शादी करने के बजाय अपने पार्टनर के साथ यात्रा करना चाहूंगी।

एमटीवी ने अपने नए शो 'एमटीवी एनीथिंग फॉर लव' की पेशकश की

नई दिल्ली। एमटीवी इंडिया ने अपने नए शो 'एमटीवी एनिथिंग फॉर लव, लव के लिए कुछ भी करेगा प्रैग्रेंस पार्टनर वाईल्डस्टोन इंटेंस' में युगलों के प्यार की परख करके इस सवाल का उत्तर तलाशने की चुनौती स्वीकार की है। वाकपटु प्रतिभा वाले और इंटरनेट स्टार, वरुण ठाकुर इस आकर्षक गेम शो को होस्ट करेंगे, जिसका प्रीमियर 18 दिसंबर, 2021 से एमटीवी पर शनिवार एवं रविवार, शाम 7 बजे से होगा।एमटीवी एनीथिंग फॉर लव के होस्ट, वरुण ठाकुर ने कहा, आज के समय व युग में प्यार भावुक रोमांस की परंपराओं से काफी आगे निकल गया है। एक सच्चे प्यार की खोज जारी रहती है, लेकिन इन गहरी भावनाओं के पीछे का मजा व विचित्रता ही है, जो एनिथिंग फॉर लव का सार है। यह कंपैटिबिलिटी की अंतिम परीक्षा होगी, लेकिन इसमें कुछ सबसे मनोरंजक और ऐसे ट्विस्ट होंगे, जो इससे पहले देखने को नहीं मिले। मैं अपनी टीम के साथ इस सफर की खोज के लिए उत्साहित हूँ और मुझे विश्वास है कि यह शो सभी विचित्रताओं के साथ जनरेशन वाई एवं जैड के प्यार व संबंधों को प्रदर्शित करेगा और काफी दिलचस्प होगा। उन्हें एक दूसरे के साथ चाहे एक हफ्ता हुआ हो या फिर एक साल, इन चयनित युगलों को ओटीपी-वन ट्रू पेयर का खिताब जीतने के लिए अपनी सोच से भी बढ़कर मुश्किल काम करने होंगे। हर एपिसोड में जीवन के अलग-अलग क्षेत्रों से तीन युगल चार प्रतिस्पर्धी राउंड्स में पुरस्कार जीतने के लिए मुकाबला करेंगे। हर गुजरते राउंड के साथ चुनौती मुश्किल होती चली जाएगी और इन युगलों के संबंधों के हर पक्ष की कड़ी परीक्षा होगी। चाहे दोनों के बीच का समीकरण हो, सामंजस्य, या अपने साथी के बारे में जानकारी, इन युगलों को एक दूसरे के प्रति अपने प्यार को साबित करने के लिए सभी अपेक्षाओं से बढ़कर काम करना होगा। अंतिम राउंड में इन युगलों को अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलना पड़ेगा, और स्पिन व्हील पर उनके प्यार की असली परीक्षा होगी! हर एपिसोड में एक विजेता ट्रू पेयर को 1 लाख रु. का कैश पुरस्कार दिया जाएगा।

राजस्थान में आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने एवं अनुपालन की संख्या को कम करने और सिंगल विंडो सिस्टम स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है: डॉ अरविंद मायाराम

आई.एस.डब्ल्यू.ऐ.आई ने एल्कोबेव उद्योग के सम्मुख आने वाली चिंताओं को साझा किया

एल्कोबेव सेक्टर पर मुद्रास्फीति के दबाव पर चिंता व्यक्त करते हुए, सुश्री नीता कपूर, चीफ़ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, इंटरनेशनल स्पिरिट्स एंड वाइन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आई.एस.डब्ल्यू.ऐ.आई) ने कहा कि राजस्थान राज्य के रेवेन्यू में 42 प्रतिशत का योगदान करने के बावजूद भी एल्कोबेव इंडस्ट्री गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है।इंडस्ट्री आज जिन चुनौतियों का सामना कर रही है, वह यह है कि राज्य में चल रही मुद्रास्फीति के तहत वह अपने संचालन को किस तरह बरक़रार रखे। क्योंकि, हर डायरेक्ट इनपुट सामग्री की लागत बढ़ गई है।इसके अलावा सुश्री कपूर ने आपूर्तिकर्ता कीमतों में मुद्रास्फीति समायोजन, पर्यटन को बढ़ावा देने और 20 कमरों से कम क्षमता वाले होटलों में शराब की अनुमति देने का भी आग्रह किया,साथ ही यह भी कहा कि इससे पर्यटन और एल्कोबेव उद्योग को कोविड -19 महामारी के दौरान हुए भारी नुकसान से उबरने में भी मदद मिलेगी। आपूर्तिकर्ता स्थिरता के लिए एक अंतरिम समाधान यह भी हो सकता है कि आपूर्तिकर्ताओं से 100: एक्साइज ड्यूटी अग्रिम रूप से एकत्र करने के बजाय, 30: ड्यूटी को अग्रिम रूप से एकत्र किया जाए, जिससे कि उनके कार्यशील पूंजी के दबाव को आंशिक रूप से कम किया जा सकता है, इसके साथ ही हम रिटेलर्स को 100: ड्यूटी का भुगतान कर रहे हैं जैसा कि वर्तमान में है।पब्लिक अफेयर्स फोरम ऑफ इंडिया (पीएएफआइ) द्वारा आयोजित 'पीएएफआइ डायलॉग' में, राजस्थान सरकार के इकोनॉमिक एडवाइजर, डॉ अरविंद मायाराम; वाइस चेयरपर्सन, राजस्थान इकोनॉमिक ट्रांसफॉर्मेशन एडवाइजरी कॉउंसिल एंड फॉर्मर फाइनेंस सेक्रेटरी, भारत सरकार ने कहा आज हम जिस बड़े संरचनात्मक सुधार को देख रहे हैं, वह यह है कि अनुपालन की संख्या को वर्तमान में 65 से कम कर किस तरह 15-20 से अधिक न किया जाए; चूंकि उनमें से कई पुराने होने के साथ साथ आवश्यकता नहीं हैं जिन्हे कि सेल्फ-सर्टिफिकेशन या थर्ड-पार्टी सर्टिफिकेशन के साथ ले जाया जा सके।

स्ट्रोक और मल्टीपल स्केलेरोसिस के कारण भी होती है ओवर एक्टिव ब्लैडर की समस्या

जयपुर। ओवर एक्टिव ब्लैडर (ओएबी) एक ऐसी समस्या है जिसका सामना लगभग 14 प्रतिशत पुरुष और लगभग 12 प्रतिशत महिलाये कर रही है। साधारण भाषा में कहे तो मूत्र असंयम की समस्या का मुख्य कारण ओवर एक्टिव ब्लैडर है। इस स्थिति का इलाज आसानी से किया जा सकता है लेकिन अधिकांश मरीज डॉक्टरों से परामर्श नहीं करते हैं। ओएबी को एक सिंड्रोम के रूप में जाना जाता है जो पेशाब करने के लिए अचानक और बिना रुके आवश्यकता का कारण बनता है। यदि इसे बिना इलाज के छोड़ दिया जाये तो ओएबी दैनिक गतिविधियों जैसे काम, सामाजिक गतिविधियों, व्यायाम और नींद में हस्तक्षेप करके जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। ओएबी के लक्षण उम्र के साथ बढ़ते जाते है।डॉ नरेश अग्रवाल, कंसलटेंट यूरोलॉजिस्ट, आइडियल यूरोलॉजी हॉस्पिटल, जयपुर के अनुसार पुरुषों और महिलाओं दोनों को ओएबी हो सकता है। कुछ अध्ययनों में उल्लेख किया गया है कि लगभग 14 प्रतिशत पुरुष ओएबी से पीड़ित हैं जबकि लगभग 12 प्रतिशत महिलाओं में किसी न किसी प्रकार की मूत्र असंयम की समस्या है।वृद्ध महिलाएं जो रजोनिवृत्ति से गुजर चुकी हैं और जिन पुरुषों को प्रोस्टेट की समस्या है, उनमें ओएबी होने की संभावना अधिक होती है। मस्तिष्क या रीढ़ की हड्डी (तंत्रिका तंत्र) को प्रभावित करने वाली बीमारियों जैसे स्ट्रोक और मल्टीपल स्केलेरोसिस वाले लोगों को भी ओएबी होता है। डॉ नरेश अग्रवाल, कंसलटेंट यूरोलॉजिस्ट, आइडियल यूरोलॉजी हॉस्पिटल, जयपुर के अनुसार ओएबी के इलाज में एस्केलेटरी या स्टैपिंग अप द लैडर अपरोच शामिल है। ओएबी को नियंत्रित करने के लिए, पहला कदम जीवनशैली में बदलाव करना है। इन परिवर्तनों को बेहेवीयरल थिरेपी कहा जाता है। लोग अपनी जीवनशैली और दैनिक दिनचर्या में बदलाव करके बड़े सुधार देख सकते हैं। कॉफी, चाय, कार्बानेटेड पेय और मसालेदार भोजन जैसे मूत्राशय की जलन से बचने से भी एक महत्वपूर्ण उपचार प्राप्त होगा। कमजोर पेल्विक फ्लोर की मांसपेशियां अतिसक्रिय मूत्राशय में योगदान कर सकती हैं। पेल्विक फ्लोर मसल एक्सरसाइज या केगेल एक्सरसाइज पेशाब को रोकने में सक्षम होने पर इस पेशी नियंत्रण में सुधार करके ओएबी के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं लेकिन परिणाम मिलने में कुछ सप्ताह लग सकते हैं। हालांकि, इसमें निरंतरता की जरूरत है। दवाएं बलैडर वॉल में मांसपेशियों की अति सक्रियता को शांत करके काम करती हैं, जिससे पेशाब की आवृत्ति और अवांछित आग्रह दोनों कम हो जाते हैं। बेहेवीयरल थिरेपी के साथ अक्सर ओरल दवाएं बेहतर काम करती हैं। ओएबी में, रीढ़ की हड्डी के माध्यम से मूत्राशय और मस्तिष्क के बीच तंत्रिका संकेत सही ढंग से संवाद नहीं करते हैं। तंत्रिका उत्तेजना के माध्यम से विद्युत प्लस इन तंत्रिका संकेतों को मूत्राशय में सही करने में मदद करती हैं, ताकि यह बेहतर ढंग से कार्य कर सके और ओएबी के लक्षणों में सुधार कर सके। केवल बहुत ही दुर्लभ और गंभीर मामलों में ही सर्जरी का उपयोग किया जाता है। प्रारंभिक निदान और शीघ्र उपचार ओएबी के लक्षणों और जटिलताओं दोनों की गंभीरता को कम करने के महत्वपूर्ण हैं।

विजय हजारे के इस सीजन में ऋतुराज

महाराष्ट्र के ओपनर ने 5 मैच में चौथा शतक लगाया, कोहली के 13 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऋतुराज गायकवाड़ आईपीएल 2021 में ऑरेंज कप जीतने के बाद गजब के फॉर्म में हैं। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में चौथा शतक जड़ दिया है। ये पांच मैचों में उनका चौथा शतक है। मंगलवार को चंडीगढ़ के खिलाफ मुकाबले में गायकवाड़ ने 12 चौके और 6 छक्के की मदद से 168 रन बनाए। महाराष्ट्र के इस खिलाड़ी के शतकीय पारी के दम पर उनकी टीम ने 310 रनों का विशाल लक्ष्य 7 गेंद पहले ही हासिल कर लियाइसी के साथ गायकवाड़ विजय हजारे ट्रॉफी में 4 शतक लगाने वाले चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। इस साल विजय हजारे ट्रॉफी में इस खिलाड़ी के बल्ले से 603 रन निकले हैं।गायकवाड़ से पहले विराट कोहली ने 2008 और पृथ्वी शॉ, देवदत्त पडिक्कल ने 2020-21 में इस टूर्नामेंट में चार शतक जड़ चुके हैं।

चार दिन के अंदर लगाया था तीन शतक-इससे पहले गायकवाड़ ने चार दिन के अंदर तीसरा शतक जड़ दिया था। महाराष्ट्र और केरल के बीच खेले गए मैच में गायकवाड़ ने 110 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया था। उन्होंने 129 गेंदों पर 124 रन बनाए थे, जिसमें 9 चौके और 3 छक्के शामिल हैं। इससे इस युवा खिलाड़ी ने मध्यप्रदेश के खिलाफ112 गेंद पर 136 रन की शानदार पारी खेली थी। इस मैच में गायकवाड़ के बल्ले से 14 चौके और 4 छक्के निकले थे। इससे पहले छत्तीसगढ़ के खिलाफनाबाद 154 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई थी। उन्होंने 143 गेंद का सामना किया था और14 चौके और 5 छक्के लगाए थे। ऋतुराज गायकवाड ने IPL के पिछले सीजन में 16 मैचों में 635 रन बनाए। वे लीग के टॉप रन स्कोरर रहे और उन्होंने ऑरेंज कैप हासिल किया।

कप्तानी पर कलह

रोहित-कोहली के तेवरों से बोर्ड परेशान, दोनों की उम्र भी ज्यादा; नए कप्तान के लिए केएल राहुल का दावा सबसे मजबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा की चोट और विराट कोहली की छुट्टी ने BCCI के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है, वो है कप्तानी। दोनों स्टार खिलाड़ियों के बीच कलह की खबरें भी आ रही हैं। अब दक्षिण अफ्रीका जैसे महत्वपूर्ण दौरे पर वनडे सीरीज के लिए नए कप्तान का सिलेक्शन बोर्ड की मजबूरी बन गई है। इसके सबसे मजबूत दावेदार हैं केएल राहुल। कर्नाटक के केएल राहुल अपना आदर्श राहुल द्रविड़ को मानते हैं और द्रविड़ भी कर्नाटक के ही हैं। क्या राहुल कैप्टन बने तो सिर्फयही वजह होगी? जानिए, केएल राहुल का दावा इतना मजबूत क्यों है...

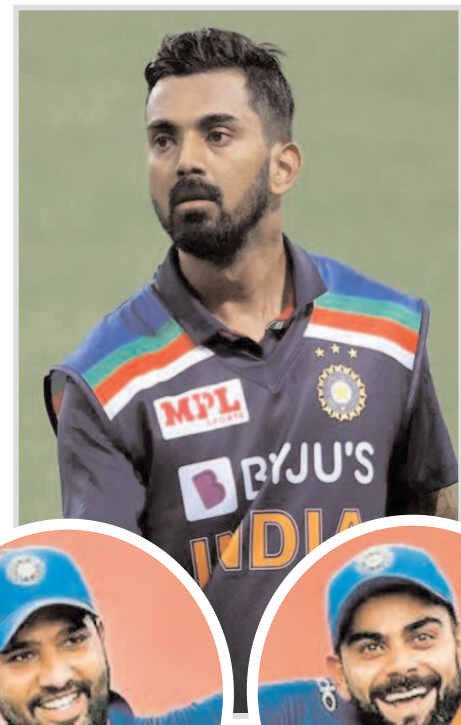

1. रोहित-कोहली के बीच तकरार की वजह से बोर्ड विकल्प की तलाश में-रोहित शर्मा चोट की वजह से टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं और कोहली ब्रेक की वजह से वन-डे टीम से बाहर। कहा जा रहा है कि दोनों के बीच अनबन है। पूर्व भारतीय कप्तान अजहरुद्दीन ने भी दोनों की टाइमिंग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि ब्रेक में कुछ गलत नहीं, पर इसकी टाइमिंग और बेहतर हो सकती थी। अब दोनों की गैरमौजूदगी में वन-डे टीम के लिए विकल्प की तलाश मजबूरी है। वैसे भी केएल राहुल को वाइस कैप्टन बनाने की बात चल रही थी। ऐसे में बोर्ड उन्हें कप्तानी सौंप दे तो आश्चर्य नहीं है।

2. रोहित और कोहली की उम्र को देखते हुए यंग कैप्टन की तलाश-रोहित शर्मा 34 के हैं और विराट कोहली 33 साल के, ऐसे में दोनों के लंबे समय तक कप्तान बने रहने पर संशय है। जिस पैटर्न पर बोर्ड चल रहा है, उसे देखते हुए बोर्ड को आज नहीं तो कल टेस्ट और लिमिटेड ओवर्स के लिए यंग कैप्टन की तलाश करनी होगी। वनडे के लिए ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर जैसे नाम भी हैं, लेकिन कूल और टैलेंटेड राहुल सामंजस्य के मामले में दोनों पर बीस साबित हो सकते हैं। इन सभी को ट्वेंटी में कैप्टेंसी का अनुभव है और ये प्रेशर हैंडल करना भी जानते हैं। हालांकि आने वाले कुछ सालों में बोर्ड उनके अलावा कई यंग कैप्टन को आजमा सकता है।

3. द्रविड़ को आदर्श मानते हैं राहुल, ऐसे में भरोसा बनना स्वाभाविक-राहुल द्रविड़ को केएल राहुल अपना आदर्श मानते हैं। दोनों एक ही राज्य कर्नाटक से आते हैं। केएल राहुल की बैटिंग और उनकी टेक्नीक को राहुल ने कई बार सपोर्ट किया है। ऐसे में दोनों के बीच की ट्यूनिंग टीम इंडिया के लिए ज्यादा फायदेमंद हो सकती है। हालांकि द्रविड़ ने कभी भी खुले मंच पर राहुल को कप्तानी के लिए सपोर्ट नहीं किया है। हां, अगर बोर्ड उन्हें कप्तान के रूप में चुनता है तो निश्चित तौर पर कोच द्रविड़ उनकी राह को आसान करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

2020 से सबसे ज्यादा शतक और रन केएल राहुल के नाम-1 जनवरी 2020 से भारतीय बल्लेबाजों के वनडे के रिकॉर्ड को देखें तो केएल राहुल ने सबसे अधिक 2 शतक लगाए हैं। इस दौरान वे सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में भी पहले नंबर पर हैं। उन्होंने 12 पारियों में 62 की औसत से 620 रन बनाए। राहुल के बल्ले से इस दौरान 2 शतक और 4 अर्धशतक निकले हैं, यानी हर दूसरी पारी में राहुल ने 50 से अधिक रन बनाए। ऐसे में बल्लेबाजी में भी केएल राहुल बेस्ट हैं।

दक्षिण अफ्रीका में ओमिक्रॉन का खतरा बढ़ा, बोर्ड के लिए यह भी परेशानी-पिछले कुछ दिनों से साउथ अफ्रीका में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के कारण संक्रमण के नए मामलों में तेजी आई है। इस कारण दौरे को एक हफ्ते आगे बढ़ाया गया। वहीं, टी-20 सीरीज को स्थगित कर दिया गया है। ऐसे में ये खिलाड़ियों के लिए भी बड़ा खतरा है। साउथ अफ्रीकी विदेश मंत्रालय ने तो कहा है कि टीम इंडिया के क्रिकेटरों को कोरोना के नए वैरिएंट से कोई खतरा नहीं है।

विराट कोहली के ODI से और रोहित शर्मा के टेस्ट सीरीज से OUT होने पर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को कुछ दिनों में ही दक्षिण अफ्रीकी दौरे के लिए रवाना होना है और इससे पहले टेस्ट और वनडे की कप्तानी को लेकर काफी विवाद सा छिड़ गया है। इस दौरे से पहले टेस्ट टीम के ऐलान के साथ ही भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऐलान कर दिया कि रोहित शर्मा टी20 टीम कप्तान होने के साथ-साथ वनडे टीम की कमान भी संभालेंगे। इसके अलावा अजिंक्य रहाणे की जगह रोहित को टेस्ट टीम का उप-कप्तान बना दिया गया। इसके बाद खबर आई कि रोहित चोट के चलते टेस्ट सीरीज से बाहर हैं, जबकि विराट निजी कारणों से वनडे सीरीज में नहीं खेलेंगे। इसको लेकर टीम इंडिया के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने सवाल खड़े किए हैं। अजहर का मानना है कि इन दोनों के टेस्ट और वनडे सीरीज से आउट होने की टाइमिंग बेहतर हो सकती थी। अजहर ने ट्विटर पर लिखा, 'विराट कोहली ने जानकारी दी कि वह वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे, जबकि रोहित शर्मा चोट के चलते टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। ब्रेक लेने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन टाइमिंग बेहतर होनी चाहिए। इससे दोनों के बीच टकरार की खबरों को और हवा मिलेगी।' भारतीय क्रिकेट टीम में एक बार फिर विराट और रोहित के बीच टकरार की खबरें आने लगी हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2021 से पहले विराट ने खुद ऐलान किया था कि वह टी20 टीम की कप्तानी इस आईसीसी इवेंट के बाद छोड़ देंगे, लेकिन उन्होंने कहा था कि वह वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान बने रहेंगे।दक्षिण अफ्रीकी दौरे के लिए टेस्ट टीम के ऐलान के साथ बीसीसीआई ने कहा कि रोहित वनडे और टी20 टीम के कप्तान बने रहेंगे, जबकि विराट टेस्ट टीम की कमान संभालेंगे। जब इसको लेकर बीसीसीआई की खूब किरकिरी हुई, तब अध्यक्ष सौरव गांगुली की तरफसे बयान आया कि यह फैसला लेने से पहले सिलेक्टर्स और उन्होंने खुद विराट से इसको लेकर बात की थी। गांगुली ने साथ ही कहा कि वाइट बॉल क्रिकेट में दो अलग कप्तान नहीं हो सकते और इस वजह से ही रोहित को वनडे टीम की कमान सौंपी गई। उन्होंने यह भी कहा कि विराट से गुजारिश की गई थी कि वह टी20 टीम की कप्तानी ना छोड़ें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

दूसरे टेस्ट के लिए टीम सिलेक्शन को लेकर इंग्लैंड की बढ़ी उलझन

एडिलेड (एजेंसी)। एशेज सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच गुरुवार से एडिलेड के एडिलेड ओवल मैदान पर खेला जाना है। यह टेस्ट मैच डे-नाइट होगा और इसके लिए सिलेक्शन को लेकर इंग्लैंड टीम उलझन में पड़ गई है। टीम मैनेजमेंट को टीम में बैलेंस बनाने के लिए कुछ कड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज का पहला टेस्ट मैच नौ विकेट से अपने नाम किया था और इंग्लैंड टीम पूरे मैच के दौरान संघर्ष करती नजर आई थी। स्टुअर्ट ब्रॉड और जेम्स एंडरसन दोनों को पहले टेस्ट में आराम दिया गया था। ब्रिसबेन टेस्ट में तीन तेज गेंदबाजों क्रिस वोक्स, मार्क वुड और ओली रॉबिन्सन ने मैच के दूसरे दिन ट्रेविस हेड के आने से पहले काफी प्रभावित किया था। हालांकि, जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड दोनों के पिंक बॉल टेस्ट में खेलने की उम्मीद है, जबकि जैक लीच को शामिल करने पर फैसला लिया जाएगा क्योंकि उन्होंने पहले टेस्ट में 13 ओवर में बिना कोई विकेट लिए 102 रन लुटाए थे। चार साल पहले इंग्लैंड के पास मोईन अली थे, जो स्पिन का विकल्प देते थे और चार विशेषज्ञ तेज गेंदबाज खेलते थे, जो सभी इस दौरे का हिस्सा हैं। चाहे वे लीच या ऑफस्पिनर डोम बेस को शामिल कर सकते हैं।

टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं रविंद्र जडेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा समय में दुनिया के बेस्ट ऑलराउंडर्स में शुमार टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर रविंद्र जडेजा टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं। जडेजा पिछले कुछ समय से टीम इंडिया के लिए क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में सबसे अहम खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं और उनके रिकॉर्ड्स भी शानदार हैं। बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग तीनों डिपार्टमेंट में उन्होंने अपने प्रदर्शन से टीम इंडिया को कई बार मुश्किलों से उबारा है। पिछले कुछ समय से हालांकि वह चोटों से परेशान रहे हैं और इस वहज से एक-दो बार उन्हें टीम इंडिया से अंदर-बाहर होना पड़ा है। खबर के मुताबिक जडेजा टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बारे में सोच रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफहोम टेस्ट सीरीज के दौरान भी जडेजा चोटिल हुए और टीम से बाहर हो गए। इस चोट के चलते वह दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट टीम का भी हिस्सा नहीं हैं। जडेजा वाइट बॉल क्रिकेट में ज्यादा समय तक खेलने के लिए टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं। इसका मतलब वह वनडे और टी20 फॉर्मेट में खेलेंगे, लेकिन वाइट जर्सी में शायद ही मैदान पर खेलते नजर आएं। रविंद्र जडेजा के इंटरनैशनल करियर की बात करें, तो उन्होंने भारत के लिए 57 टेस्ट, 168 वनडे और 55 टी20 मैच खेले हैं। इस दौरान उनके खाते में क्रम से 2195, 2411, 256 रन दर्ज हैं, जबकि 232, 188 और 46 विकेट उन्होंने तीनों फॉर्मेट में चटकाए हैं। जडेजा एक टेस्ट सेंचुरी लगा चुके हैं, जबकि 17 बार उन्होंने टेस्ट में पचासा ठोका है। वहीं वनडे क्रिकेट में उनके बल्ले से 13 हाफसेंचुरी निकली हैं।

एडिलेड टेस्ट से पहले अपनी घुटने की चोट को लेकर बेन स्टोक्स ने दिया अपडेट

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज के साथ ही इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने लंबे समय बाद क्रिकेट के मैदान पर वापसी की। स्टोक्स ने मेंटल हेल्थ के चलते अगस्त 2021 में क्रिकेट से अनिश्चितकाल के लिए ब्रेक लिया था। स्टोक्स एशेज सीरीज के पहले ही टेस्ट मैच में घुटने की चोट से जूझते नजर आए थे और बैट-बॉल से कुछ खास कर नहीं पाए थे। अब एडिलेड टेस्ट से पहले उन्होंने अपनी घुटने की चोट को लेकर अपडेट दिया है। एडिलेड टेस्ट से पहले स्टोक्स नेट पर गेंदबाजी करते दिखे और पूरी लय में भी दिखे।ब्रिसबेन में खेले गए पहले टेस्ट के दौरान स्टोक्स ने सिर्फ12 ओवर डाले थे, जहां इंग्लैंड को नौ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। फील्डिंग के दौरान भी वह असहज नजर आए थे और एक बार तो गेंद का पीछा करते हुए बाउंड्री लाइन के पास वह घुटने की चोट से काफी परेशान दिखे थे, लेकिन एडिलेड में होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले स्टोक्स एक बार फिर पूरे शबाब पर हैं, प्रैक्टिस सेशन के दौरान प्रमुख कोच क्रिस सिल्वरवुड की देखरेख में स्टोक्स ने करीब एक घंटे गेंदबाजी की, इस दौरान उनकी एक तेज बाउंसर कप्तान जो रूट के हेलमेट पर भी जा लगी थी। द मिरर के लिए अपने कॉलम में स्टोक्स ने लिखते हुए इस बात की पुष्टि की कि ब्रिसबेन टेस्ट के दौरान वह घुटने की चोट से परेशान थे। साथ ही साथ उन्होंने ये भी साफ किया कि उनके लिए ये कोई नई बात नहीं थी।

भारतीय क्रिकेट टीम को 26 दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

रोहित शर्मा की चोट को लेकर आकाश चोपड़ा का सवाल, क्या दक्षिण अफ्रीका दौरा कर दें रद्द?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को 26 दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। अजिंक्य रहाणे से टेस्ट टीम की उप-कप्तानी लेकर रोहित शर्मा को दी गई थी, लेकिन अब यह सलामी बल्लेबाज चोट के चलते टेस्ट सीरीज से आउट हो गया है। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर और मशहूर हिंदी कमेंटेटर ने रोहित की चोट पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि क्या हमें दक्षिण अफ्रीका दौरा रद्द कर देना चाहिए? दरअसल टीम इंडिया पहले ही कुछ अहम खिलाड़ियों की चोट से परेशान है और ऐसे में रोहित का टेस्ट सीरीज से बाहर होना विराट एंड कंपनी के लिए बड़ा झटका है।

विराट के ODI और रोहित के टेस्ट सीरीज से OUT होने पर अजहर ने उठाए सवाल-आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'रविंद्र जडेजा उपलब्ध नहीं हैं, अक्षर पटेल उपलब्ध नहीं हैं, राहुल चाहर उपलब्ध नहीं हैं और आपके पास शुभमन गिल भी नहीं हैं और अब कहा जा रहा है कि रोहित शर्मा भी नहीं हैं। मतलब यह हो क्या रहा है? क्या हमें दक्षिण अफ्रीका दौरा रद्द कर देना चाहिए? रोहित शर्मा का टीम में नहीं होना काफी खलेगा। अगर उनका सीरीज में खेलना संदिग्ध है, तो भारत की जीत की संभावनाएं भी कम हो जाती हैं। आपने इंग्लैंड में क्यों अच्छा प्रदर्शन किया? रोहित वहां थे केएल राहुल के साथ।'उन्होंने आगे कहा, 'रोहित ने अब टेस्ट क्रिकेट से प्यार करना शुरू किया है और उन्हें बल्लेबाजी के दौरान डिफेंड करने और गेंद छोड़ने में मजा आने लगा है।' आकाश ने साथ ही कहा कि टीम इंडिया के पास सलामी बल्लेबाजों की कमी है मयंक अग्रवाल और केएल राहुल पारी का आगाज कर सकते हैं और राहुल ही टीम के उप-कप्तान बनाए जा सकते हैं। आकाश ने कहा, 'यहां कई तरह की दिक्कतें हैं। शुभमन गिल और मयंक अग्रवाल ने हाल में पारी का आगाज किया था। केएल तब चोटिल थे। मैं हाल में केएल से मिला था और उन्होंने कहा था कि वह ठीक रहेंगे। आप मयंक और राहुल को पारी का आगाज करते देख सकते हैं, लेकिन आपके लिए तीसरा ऑप्शन कौन होगा?'

स्पोर्ट्स ब्रीफ

पाकिस्तान ने टी-20 इंटरनेशनल में बनाया नया वर्ल्ड रिकॉर्ड, अपने ही कारनामे को किया ध्वस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने लंबे समय बाद अपने घर में कोई इंटरनेशनल मैच खेलते हुए एक बड़ा कारनामा कर दिया है। टीम ने सोमवार को तीन मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज को 63 रनों से हराते हुए एक साल में सबसे ज्यादा 18 टी-20 इंटरनेशनल मैच जीतने का रिकॉर्ड बना दिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड पाकिस्तान के नाम ही था, जब उसने साल 2018 में 17 टी-20 इंटरनेशनल मैच जीते थे।पाकिस्तान की वेस्टइंडीज पर इस बड़ी जीत में सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान, हैदर अली, तेज गेंदबाज मोहम्मद वसीम जूनियर और शादाब खान का शानदार प्रदर्शन रहा। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 200 रन का विशाल स्कोर बनाया और फिर वेस्टइंडीज की टीम को 19 ओवर में 137 रनों पर ही ढेर कर दिया। टीम ने इस मैच में जीत दर्ज करते ही तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद रिजवान ने 52 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 78 और हैदर अली ने 39 गेंदों पर छह चौके और चार छक्के की मदद से 68 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। आखिर में मोहम्मद नवाज ने 10 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्के की मदद से नाबाद 30 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से रोमियो शेफर्ड को दो सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम शुरुआत खराब रही और टीम ने 60 रन तक अपने 5 विकेट गंवा दिए। इसके बाद पूरी टीम 137 रन पर सिमट गई। मेहमान टीम की ओर से शाई होप ने सबसे अधिक 31 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से शादाब खान ने तीन और तेज गेंदबाज मोहम्मद वसीम ने 4 विकेट चटकाए।

इंग्लैंड गेंदबाजों को ट्रैविस हेड ने चेताया, बोले- फिर मौका मिला तो फिर वही करूंगा

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज खेली जा रही है, ब्रिसबेन में खेले गए पहले टेस्ट मैच के बाद मेजबान टीम फिलहाल 1-0 से आगे है। पहले टेस्ट में मैन ऑफद मैच चुने गए ट्रैविस हेड ने दूसरे टेस्ट मैच से पहले इंग्लैंड गेंदबाजों को चेताया है। हेड ने कहा कि अगर उन्हें फिर मौका मिला तो, वह ब्रिसबेन टेस्ट जैसी पारी फिर से खेलेंगे। हेड ने 100 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 148 गेंद पर 152 रनों की पारी खेली थी। इंग्लैंड टीम ने ऑस्ट्रेलिया के 195 रनों तक पांच विकेट झटक लिए थे, लेकिन इसके बाद हेड ने पूरे मैच का पासा ही पलट डाला।तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के चोट के कारण बाहर होने के बाद ऑस्ट्रेलिया दूसरे टेस्ट के लिए अलग-अलग ऑप्शन्स पर विचार कर रहा है, जबकि ब्रिसबेन में हीरो रहे ट्रैविस हेड ने कहा कि वह अपने घरेलू मैदान पर दूसरे मैच में भी आक्रामक बल्लेबाजी करने के लिए बेताब हैं। हेड ने कहा, 'मुझे रन बनाने का मौका मिला और मैंने उसे भुनाया। फिर मौका मिलता है तो मैं फिर वैसा ही करूंगा।' मिडिल ऑर्डर के इस बल्लेबाज ने पुष्टि की कि हेजलवुड की जगह झाय रिचर्डसन या माइकल नासिर में से किसी को मौका दिया जाएगा। दूसरा टेस्ट गुरुवार से एडिलेड ओवल मैदान पर खेला जाएगा। यह डे-नाइट टेस्ट होगा। हेड ने मार्क वुड की गेंद पर आउट होने से पहले ब्रिसबेन में 152 रनों की पारी के दौरान 14 चौके और चार छक्के जड़े थे।

फिर विवादों में फंसे हसन अली, रिपोर्टर से भिड़े, कहा- पीसीबी नहीं रोक सकता लेकिन हमारे पास है अधिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर हसन अली एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में मैथ्यू वेड का कैच टपकाने के बाद आलोचनाएं झेलने वाले हसन अब प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रिपोर्टर से भिड़ गए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2022 के लिए प्लेयर्स ड्राफ्ट रविवार को हुआ और हसन को इस्लामाबाद युनाइटेड ने अपनी प्लैटिनम कैटेगरी में रिटेन किया है। हसन अली रिपोर्टर पर इतना भड़क गए थे कि बीच-बचाव के लिए इस्लामाबाद युनाइडेट के एक अधिकारी को आना पड़ गया।दरअसल एक रिपोर्टर ने हसन से सवाल पूछना शुरू ही किया था कि इस क्रिकेटर ने कहा- अगला सवाल। रिपोर्टर ने कहा- मेरा सवाल तो पूरा सुनिए, फिर हसन ने कहा- अगला सवाल। रिपोर्टर ने हसन से कहा- यह कौन सा बर्ताव है, जिस पर हसन ने कहा कि आप पहले ट्विटर पर अच्छी-अच्छी बातें लिखिए, फिर मैं दूंगा। आपको किसी के साथ पर्सनल नहीं होना चाहिए। पीसीबी आपको नहीं रोक सकता, लेकिन हमारे पास यह अधिकार है। फिर इस्लामाबाद युनाइटेड के अधिकारी ने बीच-बचाव कर हसन अली को शांत कराया। हसन अली ने जब टी20 वर्ल्ड 2021 के सेमीफाइनल में मैथ्यू वेड का कैच ड्रॉप किया था, तब उन्हें फैन्स की काफी खरी-खोटी सुनने को मिली थी।

उनके सिया होने को लेकर उन पर भद्दे कमेंट किए गए। इतना ही नहीं उनकी पत्नी के हिन्दुस्तानी होने को लेकर भी उन पर काफी भद्दे कमेंट्स किए गए।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने व परशुराम जयंती पर डाक टिकट जारी करने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के एक सदस्य ने गौ-हत्या पर रोक लगाने के लिए केंद्रीय कानून बनाए जाने की मांग की। भाजपा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा ने शून्यकाल में गौहत्या पर रोक के लिए केंद्रीय कानून बनाने के साथ ही गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की।उन्होंने विशेष उल्लेख के जरिये यह मांग करते हुए कहा कि, सनातन और हिंदू धर्म में गाय की पूजा की जाती है। भाजपा सदस्य ने आगे कहा कि, गाय भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। उसे माता का दर्जा प्राप्त है। बाबर, हुमायूं और अकबर जैसे मुगलों ने गौ हत्या पर रोक लगाई थी। मैं सरकार से मांग करता हूं गौवध रोकने के लिए प्रभावी कानून लाया जाए। इससे पहले जीरो आवर में भाजपा के हरनाथ सिंह यादव ने देश में अवैध तरीके से हो रहे धर्म परिवर्तन के बढ़ते दर पर चिंता जताई और इसपर रोक लगाने के लिए एंटी कंवर्जन ला की मांग की ताकि साामाजिक सौहार्द्र और राष्ट्रीय सुरक्षा बरकरार रहे। वहीं मिजोरम में म्यांमार के शरणार्थियों का मुद्दा उठाते हुए के वनलावेना ने केंद्र सरकार से मदद की मांग की। उधर भाजपा के सीपी जोशी ने लोकसभा में शून्यकाल में सरकार से भगवान परशुराम पर डाक टिकट जारी करने की मांग की। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ से सांसद जोशी ने कहा कि सरकार और संचार मंत्रालय से अनुरोध है कि आगामी अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम पर डाक टिकट जारी की जाए।

अदार पूनावाला ने बताया पूरा प्लान

एसआईआई बच्चों के लिए छह महीने में लांच करेगा कोरोना की वैक्सीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रोन की दस्तक के बीच सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया ने कहा है कि अगले छह महीनों में बच्चों के लिए कोरोना वैक्सीन लांच कर दी जाएगी। कंपनी के सीईओ अदार पूनावाला ने मंगलवार को कहा कि वैक्सीन %कोवावैक्स% का परीक्षण चल रहा है और यह तीन साल और उससे अधिक उम्र वाले बच्चों को कोरोना के खिलाफ पूरी तरह से सुरक्षा प्रदान करेगी। पूनावाला ने कहा, हालांकि अभी तक बच्चों में कोरोना के बहुत गंभीर मामले सामने नहीं आए हैं। सौभाग्य से बच्चों के लिए यह घबराने की बात नहीं है। हम जल्द ही बच्चों के लिए वैक्सीन लांच करने जा रहे हैं उम्मीद है कि इसमें छह महीने का समय लगेगा। यह तीन साल और उससे अधिक उम्र के बच्चों को कोरोना के संक्रमण से सुरक्षा प्रदान करेगी। कान्फेडरेशन आफ इंडियन इंडस्ट्री की ओर से आयोजित एक वर्चुअल कान्फ्रेंस में उन्होंने ये बातें कही हैं। उन्होंने बताया कि फिलहाल ओमिक्रोन वैरिएंट के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है कि यह बच्चों पर कैसे प्रभाव डालेगा।

दिल्ली में ओमिक्रोन के चार नए मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)।कोरोना वायरस का नया वैरिएंट ओमिक्रोन देश में तेजी से अपने पैर पसार रहा है। राजधानी दिल्ली और राजस्थान में ओमिक्रोन के चार-चार नए मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही देशभर में ओमिक्रोन के मामलों की संख्या बढ़कर 49 हो गई है। इससे पहले महाराष्ट्र में ओमिक्रोन के दो और गुजरात में एक मामला सामने आया था। महाराष्ट्र में ओमिक्रोन के मामलों संख्या बढ़कर 20 और गुजरात में चार हो गई है।

दिल्ली में चार नए मामले

देश की राजधानी दिल्ली में ओमिक्रोन वैरिएंट के चार नए मामले सामने आए हैं। दिल्ली में ओमिक्रोन से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 6 हो गई है। एक मरीज को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि ओमिक्रोन के 4 नए मामले सामने आए हैं। इसके बाद दिल्ली में नए वैरिएंट के कुल मामलों की संख्या 6 हो गई है। खबर के मुताबिक, चारों नए संक्रमितों की हालत सामान्य है, उनका इलाज जारी है। इन सभी में सामान्य लक्षण है और किसी भी मरीज की हालत गंभीर नहीं है।

राजस्थान में 17 हुई नए वैरिएंट के मरीजों की संख्या

उधर, राजस्थान में भी नए वैरिएंट के चार नए मरीज मिले हैं। सोमवार को प्रदेश में नए वैरिएंट के मरीजों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि चार में से तीन मरीज साउथ अफ्रीका से लौटे कोरोना संक्रमित परिवार के संपर्क में आए थे। इसके अलावा यूक्रेन से दुबई होते हुए लौटी एक महिला भी पॉजिटिव मिली है। बता दें कि राजस्थान में सोमवार को कोरोना संक्रमण के 27 नए मामले सामने आए हैं।

जम्मू-कश्मीरः सुरक्षाबलों ने वांछित पाकिस्तानी आतंकी अबू को सुरनकोट मुठभेड़ में किया ढेर, हथियार बरामद

जम्मू (एजेंसी)। राजौरी जिला के सुरनकोट इलाके में आतंकियों के खात्मे के लिए सुरक्षाबलों का आपरेशन जारी है। सुरक्षाबलों ने जारी सुरनकोट मुठभेड़ में अब तक बहुत बड़ी सफलता हासिल की है। वांछित पाकिस्तानी आतंकी अबू जरारा को ढेर कर दिया गया है। उसके कब्जे से गोला और बारूद भी बरामद हुए हैं। पुलिस और सुरक्षाबलों को सोमवार शाम को स्थानीय लोगों ने सूचना दी कि क्षेत्र में हथियारों से लैस कुछ संदिग्ध को देखा गया है। इसके उपरांत रात से ही सुरक्षाबलों ने क्षेत्र में तलाशी अभियान छेड़ दिया। आज सुबह एक जगह आतंकियों से सुरक्षाबलों का सामना हो गया। सुरक्षाबलों ने सबसे पहले आतंकियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। आतंकियों ने इसे अनसुना करते हुए सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी।सुरक्षाबलों ने तुरंत मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की। इसमें वांछित पाकिस्तानी आतंकी अबू जरारा को मार गिराने में सफलता मिली है। आतंकी अबू लश्कर-ए-तैयबा संगठन से संबंधित था।

फोन का ज्यादा इस्तेमाल है खतरनाक! बन रहा लड़ाई और रिश्ते खराब होने की वजह, सर्वे रिपोर्ट में हुए चौकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

स्मार्टफोन ने हमारी कई जरूरतों को आसाना बना दिया है। हम दूर रहकर भी अपनों से फोन के जरिए जुड़े रहते हैं। लेकिन क्या आपको मालूम है कि आपके ज्यादा फोन इस्तेमाल से आपका बच्चा आपसे दूर होता जा रहा है। जी हां, ये खुलासा Impact of Smartphone on Human Relationship 2021 रिपोर्ट से हुआ है, जिससे पता चलता है कि आपके ज्यादा स्मार्टफोन इस्तेमाल से बच्चे का मानसिक हालत पर बुरा असर पड़ता है।

क्या कहती है सर्वे रिपोर्ट

- सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक 66 फीसदी लोगों को मानना है कि जिस वक्त उन्हें बच्चों को वक्त देना चाहिए, वो फोन पर व्यस्त रहते हैं।
- 74 फीसदी भारतीय के मुताबिक स्मार्टफोन की वजह से बच्चों के साथ उनके रिश्ते खराब हो रहे हैं।
- 75 फीसदी मानते हैं स्मार्ट की वजह से ध्यान भटकता है, जिससे वो अपने बच्चों के प्रति ज्यादा सतर्क नहीं रह पाते हैं।
- 74 फीसदी का मानना है कि जब वो स्मार्टफोन में बिजी होते हैं और बच्चे कुछ पूछते हैं, तो वो चिढ़ जाते हैं।
- 69 फीसदी का मानना है कि स्मार्टफोन के ज्यादा इस्तेमाल से उनका बच्चों से ध्यान नहीं हटता है।
- 90 फीसदी माता-पिता को लगता है कि बच्चे स्मार्टफोन के इस्तेमाल की वजह से आक्रामक हो रहे हैं।
- 85 फीसदी माता-पिता का मानना है कि बच्चे स्मार्टफोन की वजह से सोशल लाइफ से कट रहे हैं।
- 90 फीसदी माता-पिता मानते है कि बच्चों में सामाजिक व्यवहार में कमी हो रही है।
- कोविड -19 के दौरान भारतीयों ने रोजाना करीब 6.5 घंटे बिताया है, जो कि 32 फीसदी ज्यादा है।
- 80 प्रतिशत से अधिक लोग सोचते हैं कि स्मार्टफोन उन्हें अपने प्रियजनों के साथ जुड़े रहने और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करते हैं।
- 94 फीसदी लोग मानते हैं कि स्मार्टफोन उनके शरीर का हिस्सा बन गया है और वे उनसे अलग नहीं हो सकते हैं।
- लोग अपने फोन का उपयोग खाना खाते समय (70 प्रतिशत), लिविंग रूम (72प्रतिशत) में, और यहां तक कि परिवार के साथ बैठकर (75 प्रतिशत) करते समय भी करते हैं।

क्या डिजिटल एजूकेशन ठीक है?

माता-पिता का कहना है कि वो चाहते हैं फोन स्विच ऑफ करके बच्चे अपने पुराने स्कूल के दिनों में वापस लौट जाएं। 95 फीसदी भारतीयों ने माना कि वे अपने बच्चों के ज्यादा से ज्यादा बिना किसी बाधा के समय बिताना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का काशी दौरा

बनारस के विकास से पूरे भारत के विकास का रोडमैप बनता हैः मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। काशी दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वर्वेद महामंदिर में विहंगम योग के 98वें वार्षिकोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा देश इतना अद्भुत है कि, यहां जब भी समय विपरीत होता है, कोई न कोई संत-विभूति, समय की धारा को मोड़ने के लिए अवतरित हो जाती है। ये भारत ही है जिसकी आजादी के सबसे बड़े नायक को दुनिया महात्मा बुलाती है। इससे पहले उन्होंने कहा कि कल काशी ने भव्य विश्वनाथ धाम महादेव के चरणों में अर्पित किया और आज विहंगम योग संस्थान का ये अद्भुत आयोजन हो रहा है। इस दैवीय भूमि पर ईश्वर अपनी अनेक इच्छाओं की पूर्ति के लिए संतों को ही निमित्त बनाता है। सद्गुरु सदाफलदेव जी ने समाज के जागरण के लिए विहंगम योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए यज्ञ किया था। आज वो संकल्प बीज हमारे सामने इतने विशाल वट वृक्ष के रूप में खड़ा है।

गीता जयंती पर बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज गीता जयंती का पुण्य अवसर है। आज के ही दिन कुरुक्षेत्र की युद्ध की भूमि में जब सेनाएं आमने सामने थीं, मानवता को योग, आध्यात्म और परमार्थ का परम ज्ञान मिला था।

सदगुरु सदाफलदेव की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए

बता दें कि पीएम मोदी ने स्वर्वेद महामंदिर पहुंचने के बाद सदगुरु सदाफलदेव की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। सदगुरु सदाफलदेव विहंगम योग संस्थान के 98वें वर्षगांठ समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि योग को वैश्विक मान्यता मोदी जी के कारण मिली है। वैश्विक मंच पर भारत की परंपरा, संस्कृति और सभ्यता को आज जो मान्यता प्राप्त हुई है उस पर हर भारतवासी गौरवान्वित है।

पीएम मोदी का काशी दौरा

बता दें कि पीएम मोदी इस समय अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दो दिवसीय दौरे पर हैं, जहां उन्होंने सोमवार को लगभग 339 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित काशी विश्वनाथ धाम के पहले चरण का उद्घाटन किया। वहीं आज उन्होंने भाजपा शासित 12 राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। उन्होंने वाराणसी के बीएलडब्ल्यू गेस्ट हाउस में 2022 के राज्य विधानसभा चुनावों पर चर्चा करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक भी की। बैठक में भाग लेने वालों में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्य प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह शामिल थे।

मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन में भी लेंगे हिस्सा

प्रधानमंत्री मोदी बिहार और नागालैंड के डिप्टी सीएम के साथ असम, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों के एक सम्मेलन में भी भाग लेंगे।रामलला के दर्शन के लिए भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों का 15 दिसंबर को अयोध्या जाने का कार्यक्रम है।

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने कहा, सामाजिक-आर्थिक व जाति जनगणना ओबीसी से संबंधित डाटा नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना (एसईसीसी), 2011 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से संबंधित डाटा नहीं है। केंद्र ने यह भी कहा कि इसे त्रुटिपूर्ण पाया गया था जिससे इसको सार्वजनिक नहीं किया गया, क्योंकि इससे भ्रम की स्थिति पैदा होती। केंद्र सरकार ने कहा कि वह ओबीसी के लिए आरक्षण का पूरी तरह से समर्थन करती है। परंतु यह संविधान पीठ के निर्णय के अनुकूल होना चाहिए जिसने तीन शर्तो के बारे में कहा गया है। इन शर्तो में राज्य के भीतर स्थानीय निकायों के रूप में पिछड़ेपन की प्रकृति और निहितार्थो का पता लगाने के लिए एक समर्पित आयोग का गठन शामिल है।

शीर्ष अदालत महाराष्ट्र सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें ओबीसी के एसईसीसी 2011 के मूल जातिगत आंकड़े को राज्यों को उपलब्ध कराने के लिए केंद्र एवं अन्य प्राधिकरणों को निर्देश देने का आग्रह किया गया है, जिसे बार-बार मांगने पर भी नहीं दिया जा रहा है।

सुनवाई बुधवार को भी जारी रहेगी। जस्टिस एएम खानविलकर और जस्टिस सीटी रविकुमार की पीठ के समक्ष केंद्र की तरफ से पेश सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि न सिर्फ आरक्षण बल्कि रोजगार, शिक्षा और अन्य के लिए भी एसईसीसी 2011 के आंकड़ों को आधार नहीं बनाया जा सकता है।

एसईसीसी 2011 ओबीसी का डाटा नहीं

मेहता ने कहा, मैंने भेद बता दिया है। मैंने यह भी उल्लेख किया है कि यह क्यों विश्वास करने लायक नहीं है। यह एक अलग उद्देश्य के लिए एकत्र किया गया था और जिन कारणों की गणना की गई थी, उन्हें त्रुटिपूर्ण पाया गया था।% उन्होंने इस संबंध में केंद्र की तरफ से इस साल साल सितंबर में दायर हलफनामे का उल्लेख किया। सालिसिटर जनरल ने कहा कि एसईसीसी 2011 ओबीसी का डाटा नहीं है।

एसईसीसी का मतलब सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा

एसईसीसी का मतलब सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा है। इसमें ओबीसी के अलावा भी हो सकते हैं जो सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हैं। महाराष्ट्र सरकार की तरफ से पेश वकील शेखर नफड़े ने दलील दी कि राज्य सरकार ने इस मामले में दायर अपने जवाबी हलफनामे में कहा है कि केंद्र ने संसद की एक समिति को बताया था कि इसका 98 प्रतिशत डाटा सही है। अगर केंद्र वहां यह बात कहता है तो अब यह कैसे कह सकता है कि यह भरोसेमंद नहीं है।

महाराष्ट्र भाजपा के 12 विधायक के निलंबन का मामला सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र विधानसभा को अपने सचिव के माध्यम से 12 भाजपा विधायकों द्वारा दायर एक याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें विधानसभा के अंदर और बाहर दोनों जगह पीठासीन अधिकारी के साथ दुर्व्यवहार करने के लिए जुलाई में विधानसभा से एक साल के लिए उनके निलंबन को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर ने कहा कि नोटिस या इन अदालती कार्यवाही का लंबित रहना निलंबित विधायकों के सदन से उनके निलंबन के कार्यकाल को कम करने पर विचार करने का आग्रह करने के कदम के आड़े नहीं आएगा। निलंबित 12 सदस्यों में संजय कुटे, आशीष शेलार, अभिमन्यु पवार, गिरीश महाजन, अतुल भटकलकर, पराग अलवानी, हरीश पिंपले, योगेश सागर, जय कुमार रावत, नारायण कुचे, राम सतपुते और बंटी भांगड़िया हैं। विधायकों ने अपने निलंबन को विपक्षी दल की संख्या कम करने के लिए राजनीति से प्रेरित बताया है। सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे, मुकुल रोहतगी, नीरज किशन कौल और सिद्धार्थ भटनागर अधिवक्ता सिद्धार्थ धर्माधिकारी और अभिकल्प प्रताप सिंह की सहायता से याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए। सिंह के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है, आक्षेपित प्रस्ताव भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 के घोर उल्लंघन में पारित किया गया है, जहां तक याचिकाकर्ताओं को सुनवाई का या कम से कम अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का कोई अवसर नहीं दिया गया था। इसके अलावा, आक्षेपित प्रस्ताव के अवलोकन से पता चलता है शक्ति का पूरी तरह से गैर-उपयोग किया गया है।

नौवीं के नौ छात्र, 67 कोशिशें हुईं असफल, 68वीं बार में 400 फीट तक जाने वाला रॉकेट का किया सफल परीक्षण

रांची (एजेंसी)। छोटी उम्र में इन बच्चों के उपलब्धियां जानकर आप हैरान हो जाएंगे। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ स्थित केंद्रीय विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र हर्षित सिंह और उनके आठ साथियों ने मिलकर रॉकेट गरुड़ टीएन-1 की लॉन्चिंग की है। इस बनाने की कोई कोशिशें अफसल हुई हैं। मगर अब सफलता पूर्वक इसका परीक्षण छात्रों ने कर लिया है। इससे पहले हर्षित और उसके साथियों ने मानव रहित सबमरीन बनाकर सफल प्रयोग किया है। अब छात्रों की यह टीम रॉकेट को स्पेस तक पहुंचाने के लिए काम कर रही है। 500 सौ फीट तक यह रॉकेट जा सकती है।

बना ली है अपनी स्पेस कंपनी

खैरागढ़ केंद्रीय विद्यालय में पढ़ने वाले कक्षा नौवीं के छात्रों ने मिलकर एक कंपनी बनाई है, जिसका नाम इंडियन रिसर्च कंपनी ऑफ स्पेस रखा है। हर्षित सिंह की टीम में उनके सहयोगी साथी आदर्श जंघेल, विभष फोटानी, सत्यम साहू, कौशलेश वर्मा, योगेंद्र ठाकुर, लक्ष्मण साहू और दुमेश चुरेंद्र हैं।

सभी छात्र चौथी क्लास से इस तरह की रिसर्च पर काम कर रहे हैं। वर्तमान में इन छात्रों ने सबमरीन मैन प्रोजेक्ट, रॉकेट पोजेक्ट सहित अलग-अलग तरीके के फ्यूल का ट्रायल कर रॉकेट को साढ़े 300 से 400 फीट की ऊंचाई तक भेजने का सफल परीक्षण किया गया है। इस रॉकेट को अधिक ऊंचाई तक भेजने के लिए इन की टीम ने लगभग 67 बार फ्यूल का ट्रायल किया था। 68वीं बार में छात्रों को सफलता हाथ लगी है।

1700 में तैयार किया रॉकेट

इस तरह के प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए हर्षित और उनकी टीम को अलग-अलग तरह थे। इन खर्चों के लिए रुपयों की जरूरत पड़ती थी। मानवरहित सबमरीन बनने में इन्हें 8000 रुपए लगे थे। वहीं, गरुण टीएन-1 को बनाने में लगभग 1700 रुपये का खर्च आया है।

रॉकेट से मेंढक को भेजा

हर्षित ने कहा कि उनकी टीम लगातार अलग-अलग तरीके से रिचार्ज कर नए-नए प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। उन्होंने एक प्रोजेक्ट पर विशेष तौर से चर्चा करते हुए कहा कि उनकी तरफ से बनाए गए रॉकेट TOLV के माध्यम से पहली बार एक मेंढक को ऊंचाई पर भेजा था।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक पूजा खण्डेलवाल के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी.एल. टॉवर 3-ए-विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित व सिन्धी कॉलोनी, गंगापुर सिटी से प्रकाशित।
प्रबंध सम्पादक विनोद कुमार गुप्ता. मो. 9887454960, ई-मेल:badhtikalam@gmail.com